धनबाद
बुधवार 03.12.2025
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-31 अंक-278 पृष्ठ- 12
अग्रहण शुक्ल पक्ष-13
संवत 2082

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

डीए-डीआर को बेसिक पे में मर्ज नहीं किया जाएगा: वित्त मंत्रालय

8वां वेतन आयोग 1 जनवरी 2026 से हो सकता है लागू

नई दिल्ली (ईएमएस): फाइनेंस मिनिस्ट्री ने क्लेरिफिकेशन जारी किया है कि डीए (महंगाई भत्ता) और डीआर(महंगाई राहत) को बेसिक पे में मिलाने का कोई प्रपोजल यानी प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों की लंबे समय से चली आ रही मांग पर मंत्रालय ने यह स्पष्टीकरण दिया है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब ८वें वेतन आयोग की चर्चाएं जोरों पर हैं और कर्मचारी सैलरी ग्रोथ की उम्मीद लगाए बैठे हैं। मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि डीए और डीआर को बेसिक पे में मर्ज करने से सैलरी स्ट्रक्चर में बड़ा बदलाव आएगा। लेकिन अभी तक कोई फैसला नहीं हुआ है।

यह स्पष्टीकरण सोशल मीडिया पर वायरल हो रही अफवाहों के बाद दिया गया। जहां कहा जा रहा था कि जल्द ही मर्जर का ऐलान हो सकता है। वहीं आठवें वेतन आयोग के लागू होने की टाइमलाइन का ऐलान अभी नहीं हुआ है। कयास लगाए जा रहे हैं कि ये १ जनवरी २०२६ से लागू हो सकता है। लेकिन इसे पूरी तरह इम्प्लीमेंट होने में २०२८ तक का इंतजार करना पड़ सकता है। यही कारण है कि कई लोगों के मन में सवाल है कि क्या सरकार अगले वेतन आयोग के लागू होने तक महंगाई भत्ते में संशोधन करती रहेगी, या फिर कर्मचारियों को वेतन वृद्धि के लिए अगले वेतन आयोग तक इंतजार करना पड़ेगा।

वित्त मंत्रालय का बयान, अफवाहों पर विराम

मंत्रालय की ओर से जारी स्टेटमेंट में साफ लिखा है कि सरकार के पास डीए-डीआर को बेसिक पे में मर्ज करने का कोई प्रस्ताव नहीं है। यह बयान तब जारी किया गया, जब सोशल मीडिया पर फर्जी न्यूज फैल रही थीं। अधिकारी ने आगे कहा कि कर्मचारियों को भ्रमित करने वाली खबरों से बचें। हम समय पर डीए रिव्यू करते हैं। पिछले साल भी ऐसी अफवाहें उड़ी थीं, लेकिन हर बार मंत्रालय ने इन्हें खारिज किया। एक सीनियर अफसर ने बताया कि ७वें वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर २.५७ रखा गया था, जो डीए मर्जर के बिना ही लागू हुआ। अब ८वें आयोग की कमेटी बनने की प्रक्रिया चल रही है, लेकिन मर्जर पर कोई चर्चा नहीं।

8वें वेतन आयोग उम्मीदें

८वां वेतन आयोग १ जनवरी २०२६ से लागू हो सकता है, जिसमें ५० लाख से ज्यादा केंद्रीय कर्मचारियों और ६५ लाख पेंशनभोगियों को फायदा होगा। कर्मचारी यूनियंस का कहना है कि फिटमेंट फैक्टर २.४६ तक हो सकता है, जिससे औसत वेतन ३०-४० प्रतिशत बढ़ेगा। लेकिन डीए मर्जर न होने से निराशा है। एक यूनियन लीडर ▶▶ 8

लोकसभा और राज्यसभा में दूसरे दिन भी एसआईआर पर बहस को लेकर हंगामा

सांसद वेल में पहुंचे, वोट चोर-गद्दी छोड़ के नारे लगाए, 9 को लोकसभा में होगी 10 घंटे बहस

नई दिल्ली (ईएमएस): संसद में लगातार दूसरे दिन हंगामे के बीच सरकार और विपक्ष में एसआईआर पर चर्चा के लिए सहमति बन गई है। लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात के बाद कांग्रेस नेता के. सुरेश ने बताया कि ९ दिसंबर को इलेक्टोरल रिफॉर्म्स यानी चुनावी सुधारों पर १० घंटे बहस होगी। साथ ही उन्होंने कहा कि एक दिन पहले ८ दिसंबर को वंदे मातरम् पर चर्चा होगी। इसके लिए भी १० घंटे का समय तय किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बहस की शुरुआत करेंगे। वंदे मातरम् के १५० साल पूरे होने पर सरकार सदन में इस पर चर्चा करा रही है।

संसद सत्र के पहले २ दिन एसआईआर और वोट चोरी के आरोप पर हंगामा हुआ। विपक्ष मंगलवार को भी एसआईआर पर चर्चा की मांग पर अड़ा रहा और वोट चोर- गद्दी छोड़ के नारे लगाए। इसके बाद लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने दोनों पक्षों को अपने मीटिंग रूम में बुलाया। यहां सहमति बनी कि बुधवार से सदन बिना किसी हंगामे के सुचारू रूप से चलेगा।

दोनों सदनों में जोरदार हंगामा

एसआईआर के खिलाफ विपक्ष का लगातार दूसरे दिन संसद में प्रदर्शन जारी है। लोकसभा की कार्यवाही सुबह ११ बजे शुरू होते ही सभी विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी शुरू कर दी। कुछ सांसद वेल तक पहुंच गए। स्पीकर ने इस दौरान प्रश्नकाल को जारी रखा, लेकिन विपक्ष लगातार २० मिनट तक वोट चोर- गद्दी छोड़ ▶▶ 8

बंगाल की खाड़ी में 4.2 तीव्रता का भूकंप

नई दिल्ली (ईएमएस): नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार मंगलवार सुबह ७:२६ बजे बंगाल की खाड़ी में ४.२ तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। भूकंप का केंद्र समुद्र के भीतर होने के कारण तटीय इलाकों में किसी बड़े नुकसान या खतरे की सूचना नहीं है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह के हल्के झटके समुद्री क्षेत्र में आम हैं और अक्सर जमीन तक इनका प्रभाव नहीं पहुंचता। फिलहाल किसी भी राज्य में किसी तरह की चेतावनी जारी नहीं की गई है।

फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई (ईएमएस): कुवैत से हैदराबाद आ रही इंडिगो की फ्लाइट संख्या ६ई-१२३४ को मंगलवार सुबह बम की धमकी के बाद मुंबई एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। अधिकारियों के मुताबिक, हैदराबाद एयरपोर्ट को एक ईमेल मिला था, जिसमें विमान में बम होने की बात लिखी थी। इसके बाद तुरंत सभी एजेंसियों को अलर्ट कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक एयरबस ए३२१-२५१ एनएक्स विमान रात १:५६ बजे कुवैत से उड़ा था और सुबह ८:१० बजे मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतारा गया।

खराबी के चलते टनल में फंसी मेट्रो

चेन्नई (ईएमएस): चेन्नई में मंगलवार सुबह ब्लू लाइन की एक मेट्रो ट्रेन अचानक तकनीकी खराबी के चलते दो स्टेशन के बीच में ही रुक गई। यह घटना सेंट्रल मेट्रो और हाईकोर्ट स्टेशन के बीच हुई। यात्रियों ने बताया कि ट्रेन में अचानक बिजली चली गई और वे कोच में अंधेरे में फंस गए। यात्री १० मिनट तक ट्रेन में रहे। इसके बाद अफसरों ने उनसे पैदल चलकर नजदीक के हाईकोर्ट स्टेशन तक जाने को कहा, यह दूरी लगभग ५०० मीटर है।

पंजाब में दो आतंकी गिरफ्तार

गुरदासपुर (ईएमएस): गुरदासपुर के सिटी थाने के बाहर २५ नवंबर की रात ग्रेनेड हमला करने वाले दो आतंकियों को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद काबू कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से चीन निर्मित एक ग्रेनेड और दो पिस्तौल बरामद किए हैं। डीआईजी बॉर्डर रेंज संदीप गोयल ने बताया कि प्राथमिक जांच से स्पष्ट हुआ है कि पाकिस्तान स्थित आईएसआई-प्रायोजित गैंगस्टर शहजाद भट्टी और उसका साथी ज़ीशान अख़्तर इस हमले के मास्टरमाइंड थे। इनकी सहायता अमेरिका-स्थित अमनदीप सिंह उर्फ़ अमन पन्नू कर रहा था, जो मूल रूप से गुरदासपुर का निवासी है और डोंकी रूट से अमेरिका गया था।

सीएए आवेदक एसआईआर के तहत रोल में आ सकता है या नहीं, 9 को सुनवाई

नई दिल्ली (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट ने एक गैर सरकारी एनजीओ द्वारा दायर की याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जाहिर कर दी है, जिसमें पड़ोसी देशों के हिंदू, सिख, ईसाई, बौद्ध, पारसी और जैन जैसे सताए गए अल्पसंख्यकों के नाम मतदाता सूची में जोड़ने की मांग हुई थी। ये लोग भारत की नागरिकता के लिए आवेदन भी कर चुके हैं।

दरअसल पड़ोसी देशों से आए अल्पसंख्यक लोगों के नाम एसआईआर में जोड़ने को लेकर एनजीओ की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता ने दलीलें पेश कीं। इसके बाद मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मामले की सुनवाई ९ दिसंबर को तय किया। इसी दिन पश्चिम बंगाल में हो रहे की एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर भी सुनवाई होगी।

याचिकाकर्ता एनजीओ ने बताया कि इसतरह के करीब ५०,००० लोग हैं जो ३१ दिसंबर, २०१४ तक भारत आ गए थे। नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए), २०१९ के तहत उन्हें सुरक्षा और नागरिकता पाने का अधिकार है। एनजीओ ने सीएए की धारा ६बी का हवाला देकर कहा कि इसमें से कई लोगों ने नागरिकता प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया है लेकिन उन्हें अभी तक प्रमाण पत्र नहीं मिले हैं। एनजीओ ने कहा, नागरिकता प्रमाण पत्र जारी करने में देरी और वर्तमान एसआईआर के दौरान अप्लाई की गई इन रसीदों को मान्यता न मिलने से एक गंभीर संवैधानिक संकट पैदा हो गया है। ▶▶ 8

पूर्व सीएम येदियुरप्पा को बड़ी राहत

नई दिल्ली (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता बीएस येदियुरप्पा को बड़ी राहत देते हुए उनके खिलाफ चल रहे पोक्सो मामले में सुनवाई पर रोक लगा दी है।

सुप्रीम कोर्ट ने बीएस येदियुरप्पा की याचिका पर राज्य सरकार को भी नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने येदियुरप्पा की उस याचिका पर सुनवाई करते हुए यह अंतरिम आदेश दिया, जिसमें कर्नाटक हाई कोर्ट के मामले को रद्द करने से इनकार करने के आदेश को चुनौती दी गई है।

रांची में कई नेताओं के सीए- नरेश केजरीवाल के 15 ठिकानों पर ईडी का छापा

विदेशों में काला धन छिपाने के मामले में बड़ी कार्रवाई

रांची (एजेंसी): प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राजधानी रांची समेत तीन शहरों में चर्चित चार्टर्ड एकाउंटेंट (सीए) नरेश केजरीवाल और उनके परिजनों के ठिकानों पर तड़के व्यापक छापामारी की। यह कार्रवाई विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम के तहत की गई, जो झारखंड में इस कानून के अंतर्गत की गई पहली बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। नरेश केजरीवाल झारखंड के कई राजनेताओं के सीए है।

सूत्रों के अनुसार, मंगलवार सुबह लगभग छह बजे रांची, मुंबई और सूरत में कुल १५ स्थानों पर दबिश दी गई। रांची में चर्च परिसर स्थित कार्यालय तथा उनके आवासीय पते भी कार्रवाई के दायरे में शामिल थे। टीम ने सभी ठिकानों पर दस्तावेज, कंप्यूटर डेटा और वित्तीय अभिलेखों की गहन जांच की।

प्रवर्तन निदेशालय ने यह कदम तब उठाया, जब आयकर विभाग की पिछली छापामारी में विदेशों में धन निवेश से जुड़े अहम तथ्य सामने आए थे। प्रारंभिक जांच में यह संकेत मिला कि सीए नरेश केजरीवाल ने दुबई, अमेरिका सहित कई अन्य देशों में निवेश किया था, जिसमें विदेशी मुद्रा नियमों के उल्लंघन की आशंका है।

विदेशी निवेश से जुड़े लेनदेन की समीक्षा में कई संभावित अनियमितताओं की जानकारी मिलने के बाद प्रवर्तन निदेशालय ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम के प्रावधानों के तहत यह छापामारी शुरू की। सभी स्थानों से प्राप्त दस्तावेजों और ▶▶ 8

आरोपी को जमानत के लिए समानता एकमात्र आधार नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि समानता एकमात्र आधार नहीं है जिस पर आपराधिक मामले में आरोपी को जमानत दी जा सकती है।

जमानत नियम है, जेल अपवाद का सिद्धांत है। अदालतें इस सिद्धांत को मानती हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि जमानत बिना किसी विचार के दी जाए। जमानत की राहत उस कथित अपराध में शामिल हालात पर ध्यान दिए बिना नहीं दी जा सकती जिसके लिए आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा हत्या के एक मामले में आरोपी को दी गई जमानत को रद्द कर दिया।

हाईकोर्ट ने यह जमानत सिर्फ इस आधार पर दी थी कि सह-आरोपी को भी राहत दी गई है। शीर्ष अदालत ने कहा कि हाईकोर्ट ने त्रुटिपूर्ण तरीके से सिर्फ समानता के आधार पर जमानत दी, जिसे उसने सीधे तौर पर इस्तेमाल का एक तरीका समझ लिया। समानता का मकसद आरोपी की भूमिका पर ध्यान देना होता है, न कि एक ही अपराध का होना ही आरोपियों के बीच एकमात्र समानता थी। समानता एकमात्र आधार नहीं है जिस पर जमानत दी जा सकती है, और कानून में यही सही स्थिति है। यह आदेश उत्तर प्रदेश के एक गांव में हत्या के मामले में दिया गया, जो गांव वालों के बीच कहासुनी के कारण हुई थी। मामले में एक भड़काने वाले आरोपी को जमानत दे दी गई थी और दूसरे सह-आरोपी को बराबरी के आधार पर यह राहत दी गई थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने ▶▶ 8

पुतिन के आने से पहले दिल्ली पहुंची रूसी सुरक्षा अधिकारियों की टीम

अंतिम निर्णय और कोर प्रोटोकॉल का संचालन रूसी एजेंसियों के हाथ में

नई दिल्ली (ईएमएस): दिल्ली इनदिनों एक अत्यंत संवेदनशील और बहु-स्तरीय सुरक्षा ऑपरेशन का केंद्र बन चुकी है, क्योंकि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे की तैयारियाँ अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। पुतिन के आधिकारिक कार्यक्रमों को अत्यंत गोपनीय रखा गया है, किंतु माना जा रहा है कि ४-५ दिसंबर को होने वाले कार्यक्रमों को ध्यान में रखते हुए रूसी सुरक्षा टीम पिछले कई दिनों से दिल्ली में मौजूद है। ५० से अधिक रूसी सुरक्षा अधिकारी पहले से ही दिल्ली पहुंच चुके हैं।

रिपोर्टों के अनुसार रूसी सुरक्षा दल सिर्फ बाहरी सतह पर नज़र नहीं रख रहे, बल्कि संभावित होटल-स्थलों, एयरपोर्ट के लैंडिंग ज़ोन, आपातकालीन निकासी मार्गों और शहर के संवेदनशील हिस्सों की माइक्रो-प्लानिंग भी कर रहे हैं। एआई-आधारित निगरानी, ड्रोन-डिटेक्शन सिस्टम, स्नाइपर तैनाती और २४□७ कमांड-कंट्रोल रूम की तैयारी ज़ोरों पर है। दिल्ली पुलिस, स्पेशल सेल, एसपीजी और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियाँ, रूस की इनर रिंग सुरक्षा टीम के साथ काम कर रही हैं। बता दें कि बाहरी सुरक्षा और लॉजिस्टिक सपोर्ट भारत संभाल रहा है, जबकि अंतिम निर्णय और कोर प्रोटोकॉल का संचालन रूसी एजेंसियों के हाथ में हैं।

पुतिन के साथ आने वाला प्रतिनिधिमंडल भी बड़ा और उच्चस्तरीय बताया जा रहा है, जिसमें रक्षा, विदेश नीति, ऊर्जा, तकनीकी सहयोग और अंतरराष्ट्रीय मामलों से जुड़े शीर्ष अधिकारी शामिल है। उनके लिए विशेष पाक-व्यवस्था, ▶▶ 8

पीएमओ का नाम बदलकर हुआ सेवा तीर्थ

देश में राजभवनों का नाम किया जाएगा लोकभवन

नई दिल्ली (ईएमएस): प्रधानमंत्री कार्यालय का नाम बदल गया है। अब पीएमओ को सेवा तीर्थ के नाम से जाना जाएगा। इसके साथ ही केंद्रीय सचिवालय के नाम में भी बदलाव किया गया है। सचिवालय का नाम कर्तव्य भवन कर दिया गया है। इन बदलावों के साथ-साथ केंद्र सरकार ने देश में राज भवनों का नाम बदल कर लोक भवन करने का भी एलान किया है। इसके पहले दिल्ली में राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ कर दिया गया था। वहीं प्रधानमंत्री आवास अब लोक कल्याण मार्ग कहलाता है।

इन बदलावों के बीच उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु समेत देश के ८ राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश ने अपने राजभवनों के नाम में बदलाव किया गया है। यह बदलाव गृह मंत्रालय द्वारा जारी एक निर्देश के बाद किए गए हैं। मंत्रालय की ओर से जारी निर्देश में पिछले साल राज्यपालों के सम्मेलन में हुई एक चर्चा का हवाला देते हुए कहा है कि राजभवन नाम औपनिवेशिक मानसिकता को दर्शाता है।

राज्यों के गवर्नर और केंद्र शासित प्रदेशों के लेफ्टिनेंट गवर्नर के मुख्यसचिव या सचिव को लिखे एक पत्र में गृह मंत्रालय ▶▶ 8

5 को पंजाब में किसान रोकेंगे रेल

19 जिलों में 26 जगह पटरियों पर बैठेंगे, हाईवे नहीं रोकेंगे

अमृतसर (ईएमएस): शंभू-खनौरी बॉर्डर पर आंदोलन करने वाले किसान मजदूर मोर्चा ने ५ दिसंबर को पंजाब में रेलवे ट्रैक जाम करने का ऐलान कर दिया है। किसान मजदूर मोर्चा के संयोजक सरवण पंधेर ने कहा कि पूरे प्रदेश में २६ जगह ट्रेनें रोकी जाएंगी। यह प्रदर्शन दोपहर १ बजे से ३ बजे तक यानी २ घंटे के लिए किया जाएगा। इस दौरान रोड जाम नहीं होगी। पंधेर ने कहा कि एमएसपी की गारंटी के कानून समेत किसानों की कई मांगों पर केंद्र और पंजाब सरकार की तरफ से फैसला नहीं लिया गया है।

इसकी वजह से किसानों को प्रदर्शन के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। किसानों के प्रदर्शन से अमृतसर, जालंधर, लुधियाना, पटियाला और बठिंडा समेत १९ जिलों से गुजरने वाली कई जिलों में ट्रेनों की आवाजाही पर असर पड़ेगा।

पंधेर ने बताई किसानों की मांगें

किसान नेता सरवण पंधेर ने कहा कि किसानों की तरफ से केंद्र से एमएसपी की गारंटी कानून की मांग की जा रही है। इसके अलावा बिजली सुधार बिल-२०२५ भी रद्द नहीं किया गया। उनकी मांग है कि प्रीपेड मीटर हटाकर पुराने मीटर लगाए जाएं। इसके अलावा पंजाब की आप सरकार के सार्वजनिक संपत्तियों को जबरन बेचने, ▶▶ 8

पीएम मोदी की बात ध्यान से सुनते हैं पुतिन, यूक्रेन युद्ध खत्म करवाएगा भारत

पोलैंड के उप विदेश मंत्री बार्तोस्जेवस्की ने भारत दौरे पर कही बात

नई दिल्ली (ईएमएस): भारत और रूस आजादी और उसके बाद भी दोनों देश में गहरे संबंध हैं। जब भी भारत को जरूरत हुई, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रूस उसके साथ खड़ा रहा।

अब इस बात को लेकर पोलैंड के राज्य सचिव और उप विदेश मंत्री व्लादीस्लॉ तेओफिल बार्तोस्जेवस्की ने कहा है कि पुतिन, पीएम मोदी की बातों को ध्यान से सुनते हैं।

बता दें कि पोलैंड, रूस का पड़ोसी देश और नाटो का सदस्य है, जो पिछले दिनों तब चर्चा में था, जब उसने रूस पर अपने ड्रोन उसकी हवाई सीमा में उड़ाने का आरोप लगाया था।

पोलैंड के उप विदेश मंत्री बार्तोस्जेवस्की ने माना कि पुतिन जब भी पीएम मोदी से मिलते हैं, तो उनकी बात ध्यान से सुनते हैं। ऐसे में यूक्रेन युद्ध को लेकर उनकी सलाह वे मान सकते हैं और भारत इसमें अपनी भूमिका निभा सकता है।

पोलिश मंत्री ने कहा कि युद्ध और अंतरराष्ट्रीय न्यायालय की ओर से पुतिन के खिलाफ आरोपों के बावजूद, रूस-भारत संबंधों की गहराई और दोनों देशों की पारंपरिक दोस्ती काफी गहरी है। उन्होंने कहा कि रूस-भारत रिश्ते में रणनीतिक साझेदारी काफी खास है।

पोलैंड के उप विदेश मंत्री इससे पहले मार्च २०२५ में भारत के दौरे पर आए थे, तब भी उन्होंने ये बात कही थी। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कहा था कि वे रूस-यूक्रेन युद्ध में भारत की भूमिका की सराहना करते हैं।

पोलैंड जैसे और भी यूरोपीय देश ये बात मानते हैं कि रूस-यूक्रेन युद्ध में शांति बहाली और भारत की मध्यस्थ भूमिका से फायदा हो सकता है। दरअसल भारत और चीन ऐसे दो देश हैं, जो इस वक्त रूस के बड़े साझेदार हैं।

चाहे वह तेल व्यापार की बात हो या फिर कूटनीतिक स्तर की। ये बात सच है कि भारत से ज्यादा तेल चीन, रूस से खरीदता है और वह यूक्रेन युद्ध रुकवाने में अहम भूमिका निभा सकता है।

भारत भी इस बात के लिए कह सकता है कि शांति में सबकी भलाई है।

अमेरिका जिस तरह से टैरिफ और दूसरे प्रतिबंधों से भारत-चीन और रूस पर दबाव डाल रहा है, उससे निकलने में शांति वार्ता एक बड़ी भूमिका निभा सकती है।

संपादकीय

मतदान वस्तुतः व्यक्तियों का नहीं, एक व्यवस्था का चुनाव है?

जिस जनतांत्रिक व्यवस्था को हमने अपने लिए स्वीकारा है उसमें मतदान का बहुत व्यापक अर्थ है, और बहुत बड़ा अर्थ है। मतदान के द्वारा हम न केवल उनका चुनाव करते हैं जो हमारा प्रतिनिधित्व अथवा नेतृत्व करते हैं, बल्कि यह भी बताते हैं कि हम न्याय और बंधुता के पक्ष में खड़े है; हम सिर्फ अपने ही हित के लिए नहीं, अपने ही जैसे दूसरे नागरिकों के कल्याण के बारे में भी सोचते हैं।

मतदान वस्तुतः व्यक्तियों का नहीं, एक व्यवस्था का चुनाव है। यह बात समझने और स्वीकारने के बाद हमें यह सोचने है कि मतदान केंद्र पर जाकर हम जो वोट डाल आए हैं, क्या वह उन आदर्शों और मूल्यों के पक्ष में हुआ है या फिर अपने स्वार्थों और अपनी अज्ञानता के चलते हम कोई घटिया समझौता कर आए हैं? ऐसा कोई भी समझौता किसी अपराध से कम नहीं होता।

इसलिए, पेटी में वोट डालने अथवा मशीन का बटन दबाने से पहले जागरूक मतदाता को दस बार सोचना चाहिए कि उसका यह कार्य उस संविधान के अनुरूप है या नहीं जिसने हमें मतदान का अधिकार दिया है? हम और हमारे नेता संविधान के प्रति आदर दिखाने में भले ही पीछे न रहते हों, पर संविधान को सिर झुकाना और बात है, संविधान के प्रति ईमानदारी से निष्ठावान होना और बात।

हमने अपने बड़े-बड़े नेताओं को, सबसे बड़े नेता को भी, न जाने कितनी बार संविधान की कस्में खाते देखा है, हमारे नेता यह कहने में भी संकोच नहीं करते कि देश का संविधान उनके लिए सबसे बड़ी धार्मिक पुस्तक है। पर इस

सबसे बड़ी धार्मिक पुस्तक के प्रति उनका व्यवहार कैसा है? संविधान समानता की बात करता है, हमारे नेता असमानता की होड़ में लगे दिखाई देते हैं।

संविधान कहता है धर्म या जाति के आधार पर देश में कोई भेद-भाव नहीं होना चाहिए, हमारे नेता धर्म के आधार पर वोट बैंक बनाने में लगे रहते हैं। मेरा धर्म और तेरा धर्म की लड़ाई खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही। लोगों को इस बात पर भी आपत्ति है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने ‘रघुपति राघव राजाराम' वाले भजन में ‘ईश्वर-अल्लाह तेरा नाम' क्यों जोड़ दिया था!

हमारा संविधान देश के नागरिकों के बीच बंधुता के आदर्श की दुहाई देता है, हम इस आदर्श की धज्जियां उड़ाने में लगे हैं। समाज को बांटने वाली जो स्थितियां आज देश में दिख रही हैं, कोई धर्म की दुहाई दे रहा है, कोई जाति के नाम पर समर्थन मांग रहा है, उससे एक भय-सा लगने लगा है। विश्व कवि गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने एक भय-मुक्त वातावरण में अपने देश के उदय होने की प्रार्थना की थी,

वह प्रार्थना तभी पूरी हो सकता है, जब हम समाज को बांटने वाली ताकतों को सफल न होने दें। नागरिक अधिकारों और कर्त्तव्यों के प्रति जागरूकता का तकाजा है कि हम अपने संविधान की भावना को अपने आचरण का हिस्सा बनायें। इस संदर्भ में अभी जो दिख रहा है, वह कुल मिलाकर निराश ही करने वाला है। जरूरी है कि हम इस अवधारणा को अपने सोच और व्यवहार का हिस्सा बनायें कि सबसे पहले, और सबसे बाद में भी, हम भारतीय हैं, फिर कुछ और।

शराब की लुभावनी पैकेजिंग के खतरे

ललित गर्ग

हाल ही में देश की शीर्ष अदालत ने शराब की पैकेजिंग को लेकर जो गंभीर टिप्पणी की है, वह सामाजिक चेतना को झकझोरने वाली चेतावनी है. अदालत ने स्पष्ट कहा है कि शराब को इस तरह आकर्षक और लुभावना बनाकर प्रस्तुत करना सार्वजनिक स्वास्थ्य के साथ-साथ संस्कृति एवं सामाजिकता के साथ खिलवाड़ है. चमकीली बोतलें, विदेशी डिजाइन, चटकदार रंग और ग्लैमरस बॉक्स- ये सब रणनीतियां लोगों को, विशेषकर युवाओं को, महिलाओं को शराब की ओर खींचने का साधन बन चुकी हैं. शराब की यह भ्रामक एवं बाजारवादी पैकेजिंग एक गंभीर एवं नया खतरा

है. यह प्रवृत्ति केवल बाजार का विस्तार नहीं बल्कि पूरे समाज के स्वास्थ्य, नैतिकता और मानसिक संतुलन पर गहरा हमला है. जन-स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाली शराब कंपनियों की दुराग्रही सोच एवं गुमराह करने वाली पैकिंग एक आपराधिक कृत्य है. जूस पैक जैसे दिखने वाले टेट्रा पैक में बेची जा रही शराब अनेक खतरों को आमंत्रण है. आज जब देश शराब की वजह से होने वाली बीमारियों, दुर्घटनाओं, हिंसा, पारिवारिक विघटन और मानसिक अवसाद जैसी समस्याओं से जूझ रहा है, तब शराब को 'फैशनेबल' बनाकर बेचना एक बहुत बड़ा खतरा बन जाता है. शराब कंपनियों ने पैकेजिंग को आधुनिकता, प्रतिष्ठा और स्टाइल से जोड़ दिया है, जिससे युवा वर्ग इसे किसी उपलब्धि जैसा मानने लगा है. सामाजिक और मनोवैज्ञानिक रूप से यह पैकेजिंग व्यक्ति के मन में यह भ्रम पैदा करती है कि शराब पीना आधुनिकता का प्रतीक है, जबकि वास्तविकता यह है कि शराब हर रूप में शरीर और मन के लिए घातक जहर है. शराब के घातक दुष्प्रभाव किसी से छिपे नहीं हैं. यह धीरे-धीरे शरीर को भीतर से खोखला करते हुए नशे की अंधी गलियों में धकेल देती है. लिवर सिरोसिस, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, कैंसर, मानसिक असंतुलन, अवसाद और नींद की गंभीर समस्याएं शराब सेवन की देन हैं. सड़क दुर्घटनाओं में हजारों लोग शराब के कारण अपनी जान गंवाते हैं. सुप्रीम कोर्ट ने इसीलिए चिंता जताई है कि शराब की बोतलों की पैकिंग ऐसी नहीं होनी चाहिए जो उपभोक्ता को उसकी वास्तविक हानियों से दूर ले जाए. चेतावनियां अक्सर बोतल के किनारे इस तरह लगाई जाती हैं कि वे दिखती ही नहीं. कंपनियां स्वास्थ्य चेतावनियों को ढककर अपने उत्पाद की सुंदरता को आगे करती हैं. यह न केवल अनैतिक है बल्कि स्वास्थ्य संबंधी नीतियों की मूल भावना के भी विरुद्ध है.

आज का कार्टून

पतंजलि का घी टेस्ट में फेल

अवसाद की छाया में घिरता जा रहा बचपन

अवसाद, चिंता, अकेलापन और दोस्तों या घर-परिवार से किसी तरह का समर्थन नहीं मिलने के कारण बच्चों में आत्महत्या के विचार पनपने लगते हैं। बच्चों के काम करने के तरीके, उनके व्यवहार में आ रहा बदलाव, उनकी खामोशी या फिर गुस्सा और चिड़चिड़ापन जैसी व्यवहारगत आदतें सबसे पहले माता-पिता को पता चलती है, इसलिए उन्हें सतर्क रहने की जरूरत है। इसके अलावा स्कूल में शिक्षकों और दोस्तों को भी सावधानी बरतने की आवश्यकता है। आत्महत्या के विचार या योजना बनाने वाले बच्चे या किशोर को तुरंत किसी अच्छे मनोचिकित्सक के पास ले जाकर उपचार किया जा सकता है। बच्चों और किशोरों की आत्महत्या की घटनाएं बढ़ना न केवल हमारी शिक्षा व्यवस्था पर सवाल है, बल्कि हमारे घर-परिवार और समाज की उदासीनता एवं लापरवाही को भी उजागर करता है। आखिर क्यों हम अपने बच्चों को समझ नहीं पा रहे है? क्यों हम उनके मन को पढ़ नहीं पा रहे है?

अमित बैजनाथ गर्ग

देश में बच्चों और किशोरों से संबंधित आत्महत्या की बढ़ती घटनाएं कई सवालों पर सोचने के लिए मजबूर करती हैं। सबसे पहला सवाल तो यह है कि आखिर बच्चे इस तरह का जानलेवा कदम उठाने को क्यों मजबूर हो रहे हैं? दूसरा, हम अपने बच्चों को कैसी शिक्षा व्यवस्था और परिवेश में ढाल रहे हैं। तीसरा और सबसे अहम सवाल है कि आखिर बच्चे मानसिक रूप से इतने कमजोर क्यों हो रहे हैं? ये सभी पहलू आपस में एक-दूसरे से गहरे तक जुड़े हुए हैं।

असल में आज के दौर में बच्चे मानसिक स्वास्थ्य विकार और अवसाद से ग्रस्त हो रहे हैं। बच्चों में आत्महत्या के प्रयास अक्सर आवेगपूर्ण होते हैं। ये प्रयास उदासी, भ्रम, क्रोध और अति सक्रियता संबंधी समस्याओं से जुड़े हो सकते हैं। उन पर पढ़ाई और परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन का दबाव भी बना रहता है। यह दबाव इतना गहरा हो जाता है कि वे अवसाद का शिकार हो जाते हैं और पढ़ाई का बोझ सहन नहीं कर पाते। यह कहना गलत नहीं होगा कि हमारी शिक्षा व्यवस्था और आसपास का माहौल नौनिहालों के जीवन पर भारी पड़ रहा है।

पिछले दिनों जयपुर के एक स्कूल की छठी कक्षा की छात्रा ने विद्यालय भवन की चौथी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। इसके बाद मध्य प्रदेश के रीवा में एक स्कूली छात्रा ने खुदकुशी कर ली थी। इसी तरह दिल्ली के एक स्कूल के छात्र ने मेट्रो प्लेटफार्म से कूदकर अपनी जान दे दी। इस तरह की घटनाएं समाज को झकझोर देने वाली हैं। सवाल है कि इन विद्यार्थियों के मन में पनपती पीड़ा को आखिर कोई क्यों नहीं समझ पाया, जो उनकी मौत का कारण बन गया। दरअसल, बच्चों से लेकर युवाओं तक में आत्महत्या की बढ़ती प्रवृत्ति एक गंभीर समस्या बनती जा रही है।

एक अनुमान के अनुसार, 15 से 24 वर्ष की आयु के किशोरों और वयस्कों में आत्महत्या मृत्यु का एक बड़ा कारण है। खुदकुशी के प्रयास तनाव, आत्म-संदेह, सफलता का दबाव, वित्तीय अनिश्चितता, निराशा और नुकसान की भावनाओं से जुड़े हो सकते हैं। इसके अलावा, स्कूल में शिक्षकों या सहपाठियों का अनुचित व्यवहार, पारिवारिक कलह, हिंसा के संपर्क में आना, आवेगशीलता, आक्रामकता, अस्वीकृति और लाचारी की भावनाएं भी आत्महत्या के विचार को गहरा कर सकती हैं।

मनोवैज्ञानिकों के मुताबिक, अगर थोड़ी सी सतर्कता बरती जाए तो बच्चों और किशोरों की कुछ खास अभिव्यक्तियों से इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है कि उनके भीतर आत्महत्या के विचार पनप रहे हैं। जैसे- वे अक्सर खुद को नुकसान पहुंचाने वाली टिप्पणियां कर सकते हैं या किसी छोटी-सी बात पर अचानक आक्रामक व्यवहार करने लगते हैं। इसके अलावा चेतावनी के अन्य संकेतों में खाने या सोने की आदतों में बदलाव, उदास मन, दोस्तों-परिवार और नियमित गतिविधियों से दूरी तथा शैक्षणिक कार्यों की गुणवत्ता में गिरावट देखी जा सकती है।

आत्महत्या के बारे में सोचने वाले भविष्य की योजना बनाने या उसके संबंध में बात करना भी बंद कर सकते हैं। असल में अवसाद और आत्महत्या की भावनाएं मानसिक विकार हैं, जिनका इलाज संभव है। बच्चे या

किशोर की बीमारी की पहचान कर उचित उपचार किया जा सकता है। अक्सर देखा गया है कि आत्महत्या के बारे में बात करने में लोग असहज महसूस करते हैं। हालांकि अपने बच्चों से यह पूछना मददगार हो सकता है कि क्या वह अवसादग्रस्त है या आत्महत्या के बारे में सोच रहा है। इस तरह के प्रश्न बच्चे को यह आश्वासन दे सकते हैं कि कोई उसकी परवाह करता है और ऐसे में बच्चे अपनी समस्याओं के बारे में खुल कर बात कर सकते हैं।

बच्चों के साथ संवाद की कमी भी एक बड़ी समस्या है। असल में आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी में माता-पिता अपने बच्चों को पर्याप्त समय नहीं दे पाते हैं। कामकाजी परिवारों में यह समस्या सबसे ज्यादा है, जहां एकल परिवारों में पति और पत्नी दोनों काम कर रहे हैं। ऐसे परिवारों के बच्चों में अवसाद सबसे ज्यादा घर कर रहा है। इन बच्चों को लगता है कि माता-पिता के पास उनके लिए समय नहीं है। ये बच्चे अपने मन की बात किससे कहें? मनोचिकित्सकों का मानना है कि आजकल छोटे बच्चे भी अवसाद और चिंता का शिकार हो रहे हैं। इसकी दो बड़ी वजह हैं। पहली, बच्चों को लगता है कि दुनिया में उनका कोई नहीं है, उनकी किसी को परवाह नहीं है। दूसरी, उन पर पढ़ाई का बोझ सबसे ज्यादा है। बेहतर प्रदर्शन की दौड़ में पिछड़ने का डर उनके मन में इस कदर बैठा दिया गया है कि वे किताबों से आगे कुछ सोच ही नहीं पाते।

राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की एक रपट के मुताबिक, वर्ष 2022 में देश में 13,044 बच्चों ने आत्महत्या की। इन मामलों में 2,248 विद्यार्थियों ने परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने पर यह कदम उठाया। वहीं एनसीआरबी के वर्ष 2001 के आंकड़े के मुताबिक, देश भर में 5,425 बच्चों ने आत्महत्या की थी। ये आंकड़े बताते हैं कि विद्यार्थियों की आत्महत्या की घटनाओं में कितनी तेजी से इजाफा हो रहा है। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, देश में अवसाद से जूझ रहे 40 से 90 फीसद किशोर कई तरह की परेशानियों का सामना कर रहे हैं। वे मानसिक चुनौतियां की वजह से मादक पदार्थों का सेवन तक करने लगते हैं। आइसीएमआर का सर्वेक्षण बताता है कि देश में बारह से तेरह फीसद विद्यार्थी मनोवैज्ञानिक, भावनात्मक और व्यवहार संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। 'द लांसेट' पत्रिका का एक अध्ययन बताता है कि दुनिया का हर बारह में से एक बच्चा कभी न कभी आत्महत्या के विचार अपने मन में लाता है।

अवसाद, चिंता, अकेलापन और दोस्तों या घर-परिवार से किसी तरह का समर्थन नहीं मिलने के कारण बच्चों में आत्महत्या के विचार पनपने लगते हैं। बच्चों के काम करने के तरीके, उनके व्यवहार में आ रहा बदलाव, उनकी खामोशी या फिर गुस्सा और चिड़चिड़ापन जैसी व्यवहारगत आदतें सबसे पहले माता-पिता को पता चलती हैं, इसलिए उन्हें सतर्क रहने की जरूरत है। इसके अलावा स्कूल में शिक्षकों और दोस्तों को भी सावधानी बरतने की आवश्यकता है। आत्महत्या के विचार या योजना बनाने वाले बच्चे या किशोर को तुरंत किसी अच्छे मनोचिकित्सक के पास ले जाकर उपचार किया जा सकता है।

बच्चों और किशोरों की आत्महत्या की घटनाएं बढ़ना न केवल हमारी शिक्षा व्यवस्था पर सवाल है, बल्कि हमारे घर-परिवार और समाज की उदासीनता एवं लापरवाही को भी उजागर करता है। आखिर क्यों हम अपने बच्चों को समझ नहीं पा रहे हैं? क्यों हम उनके मन को पढ़ नहीं पा रहे हैं? चूक कहां हो रही है? इस पर गंभीरता से विचार करना होगा कि कहीं हमने पैसे कमाने की होड़ में अपने बच्चों को अकेले घुटने के लिए तो नहीं छोड़ दिया है? पढ़ाई में अव्वल आने की दौड़ में उन्हें जीवन जीने या यों कहिए कि बचपन से दूर तो नहीं कर दिया है? हमें सोचना होगा कि आखिर जिंदगी बड़ी है या किताबी सफलता। सवाल बहुत हैं, जिनके जवाब हम सबको मिलकर तलाशने होंगे, ताकि बच्चों और किशोरों के जीवन को सुरक्षित और खुशहाल बनाया जा सके।

पार्टियों में हो रहा है धरती-आसमान हिला देने वाला शोर

उत्सवों को हमने शोषण और दोहन का अवसर बना दिया है। ये सामाजिक हाशियाकरण के औजार बन गए हैं। प्रदर्शन और अहंकार इसके नए स्थापित आयाम है। अपार शोर और बाजार के विराट स्वरूप के नीचे, बल्कि बहुत नीचे संवेदना, कलात्मकता और आनंद की धारा लुप्त हो गई है। इस त्रिवेणी पर उत्सव का आयोजन तो बड़ा भारी है, लेकिन जल की एक बूंद भी नहीं है। आज कबीर होते, तो इस बात पर रो देते। वे अपनी जलती हुई लुकाठी लेकर इन मुर्दों की भीड़ को खदेड़ देते और अपने हाथों से त्रिवेणी की मिट्टी को तब तक कुरदते, जब तक उन्हें वहां सोई हुई सरिता नहीं मिल जाती।

घनश्याम कुमार देवांश

कला का रिश्ता संगीत से है और विध्वंस का शोर से। और जब त्योहारों और पारिवारिक उत्सवों में संगीत के स्थान पर शोर कब्जा कर ले, तब इसमें क्या शक रह जाता है कि कला के ऊपर विध्वंस हावी हो चुका है। हमारे आसपास और दूरदराज की दुनिया इसका उदाहरण बन चुकी है।

पिछले चार दशकों के दौरान यह दुनिया तेजी से बदली है। मनुष्य ने अपने जीवन से कलात्मक संघर्ष के सारे अवसर समाप्त कर दिए हैं। दिवाली के दीये पूरी रात नहीं जलते रह सकते थे। उनका होना अंधेरे के प्रतीकात्मक रूप से जूझ कर दिखाना भर था। उस रोशनी में एक सुकून से भरा एक आनंद था, लेकिन स्वीकार्यता भी थी। यह स्वीकार्यता कहती थी कि हार मानना भी नहीं है और हार को पचा जाना भी सीखना है। मनुष्य के भीतर का यह बोध उसे एक तरफ तो अहंकार से बचाता था और दूसरी ओर उसी अंधेरे की बांह में सिमटकर चैन की नींद सो जाना भी सिखाता था। मनुष्य अंधेरे से जितना डरता और घबराता था, उतने भर की रोशनी भी जुगाड़ कर लेता था, लेकिन कालांतर में उसने अंधेरे को जीत लेने का प्रण ठान लिया।

दिवाली और आसपास के सब त्योहार बीत जाने पर भी बिजली की लड़ियां बालकनी में

लटकी दिप-दिप करती दिख जाती हैं। कई जगहों पर भयानक विराट उजाले में भी उन्हें न जाने किससे लड़ने को छोड़ा गया है। कभी एक कतरा अंधेरा किसी कोने से दबा-छिपा गुजरता भी होगा, तो व्यंग्य भरी मुस्कान के साथ कहता होगा कि 'रहो भाई, तुम्हीं रहो, हम तो चले पाताल'। मनुष्य शायद भूल गया कि जिसे जीतना था, वह तो अपने भीतर का भय, आतंक और अहंकार रूपी अंधेरा था, लेकिन वह तो उल्टे कई-कई गुना बढ़ गया।

हुआ यह कि बाहर का भौतिक अंधेरा धरती और आसमान दोनों से मिट गया। जिस चांद और तारों से भरे आसमान को देखकर मनुष्य के भीतर कलात्मकता का सागर उमड़ता था, अब वह आसमान धूल में नहाया हुआ और कई बार खीझा हुआ दिखाई पड़ता है।

पवित्र हिमालय की श्वेत चादर हमारे कीचड़ सने पैरों से मैली हो चुकी है। आसमान भी कुछ ऐसी ही कीचड़ से भरी टूटी-फूटी गली जैसा दिखाई देता है। यों भी, उधर अब देखता ही कौन है? क्या हम रोशनी का अनुपात भूल गए? आखिर कितनी रोशनी चाहिए हमें जिंदा रहने के लिए? क्या उसकी कोई सीमा नहीं? इतनी रोशनी बढ़ गई है कि अब वह वक्त दूर नहीं जब लोग, खासकर शहरों में रहने वाले लोग, अंधकार के अधिकार के लिए कोर्ट-कचहरी करते नजर आएंगे। यह एक कल्पनात्मक स्थिति है, लेकिन प्रकृति के उतार-चढ़ावों को समझने लिए किसी सिरे की तो जरूरत होगी!

इस अपार रोशनी के शोर ने हमारी चेतना को बहरा कर दिया है। क्या हमने कभी उन पार्टियों में शिरकत की है, जहां नीम अंधेरे में संगीत का भयानक शोर मानव शरीर को कंपायमान कर देता है? गजब बात यह कि इसे भी संगीत कहा जाता है, लेकिन हर वह चीज जिसमें गति और लय होती है, क्या वह मनुष्य के जीवन के लिए कल्याणकारी है?

अगर ऐसा है तो क्या हम शिव के तांडव की कामना करना चाहेंगे? नहीं, क्योंकि वह संगीत विध्वंस और संहार का है। वह मनुष्य के लिए नहीं। हर व्यक्ति यह समझने के लिए मनोवैज्ञानिक नहीं हो सकता, लेकिन बारूद से उपजते शोर और प्रकाश को मनुष्य ने कब और कैसे अपने उत्सव और आनंद से जोड़ लिया, यह मनोवैज्ञानिक शोध का विषय है। हमारे पूर्वजों ने उत्सवों को नृत्य और संगीत से जोड़ा, कलात्मक सृजन से जोड़कर भूमि और भित्तियों को सजाने से जोड़ा, अन्न और अग्नि के संबंध को बनाकर सुस्वादु रसों की निष्पत्ति से जोड़ा, मन और शरीर दोनों के शुद्धिकरण और सौंदर्यीकरण से जोड़ा, एक दूसरे के प्रति क्षमाभाव से जोड़कर सामाजिकता को मजबूत करने से जोड़ा! और आज हम उत्सव की सात्विकता को शोर और चकाचौंध के किस दलदल में धकेल आए हैं, जहां या तो मानवीय सौंदर्यबोध का विनाश है या फिर सामाजिक दायित्वबोध का। क्या अब हमने उत्सव के दिनों में स्वार्थ और बेवकूफी की पट्टी नहीं बांध ली है और ऊपर से वह शोर भी हावी कर लिया है, जहां किसी जीव की आंखों में जलता हुआ धुआं भी देखने के लिए हम अयोग्य साबित हो चुके हैं।

उत्सवों को हमने शोषण और दोहन का अवसर बना दिया है। ये सामाजिक हाशियाकरण के औजार बन गए हैं। प्रदर्शन और अहंकार इसके नए स्थापित आयाम हैं। अपार शोर और बाजार के विराट स्वरूप के नीचे, बल्कि बहुत नीचे संवेदना, कलात्मकता और आनंद की धारा लुप्त हो गई है। इस त्रिवेणी पर उत्सव का आयोजन तो बड़ा भारी है, लेकिन जल की एक बूंद भी नहीं है। आज कबीर होते, तो इस बात पर रो देते। वे अपनी जलती हुई लुकाठी लेकर इन मुर्दों की भीड़ को खदेड़ देते और अपने हाथों से त्रिवेणी की मिट्टी को तब तक कुरदते, जब तक उन्हें वहां सोई हुई सरिता नहीं मिल जाती।

वे इस उत्सव की त्रिवेणी को फिर से चांदी से चमकते जल से भर देते, जिसमें मनुष्य अपना मुख धोकर चैतन्य हो पाता। तो कबीर कहां हैं? क्या हम सबको अपने भीतर झांक कर नहीं देखना चाहिए!

डीसी व एसएसपी ने किया प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव का स्वागत

धनबाद (कासं) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन व एसएसपी प्रभात रंजन ने दुर्गापुर एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव सह राज्य के अतिथि डॉ प्रमोद कुमार मिश्रा को पुष्पगुच्छ भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव आईआईटीआईएसएम के शताब्दी स्थापना सप्ताह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। इसका आयोजन आईआईटीआईएसएम के पेनमैन ऑडिटोरियम में किया जाएगा।

वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने भी प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव का स्वागत किया। मौके पर भारत कोकिंग कोल लिमिटेड के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक मनोज अग्रवाल के अलावा अन्य प्रशासनिक व पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन

धनबाद (कासं) : सफल इंडिया कार्यालय में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में कुल ६७ लोगों ने नेत्र परीक्षण कराया जिनमें से २२ लोगों में मोतियाबिंद के लक्षण पाए गए। अस्पताल प्रबंधन ने घोषणा की कि इन सभी मरीजों का ऑपरेशन पूर्णतः निःशुल्क किया जाएगा। शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. याक्यूब अंसारी ने मरीजों की जांच की और उन्हें आंखों की देखभाल तथा समय पर उपचार के महत्व की जानकारी दी। कार्यक्रम में सफल इंडिया के सचिव राजू मंडल, अर्जुन बाउरी, आयुष महतो, राहुल दत्ता सहित संगठन के अन्य सदस्य मौजूद रहे। सभी ने शिविर के सफल आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई और लोगों को नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर आमजन को समय रहते स्वास्थ्य जांच और उपचार का अवसर उपलब्ध कराते हैं।

नगर आयुक्त के लिखित आश्वासन पर विधायक का धरना स्थगित

धनबाद (कासं) : धनबाद विधायक राज सिन्हा ने अपने अनिश्चितकालीन धरना को फिलहाल नगर आयुक्त के लिखित आश्वासन पर स्थगित कर दिया है। नगर आयुक्त रविराज शर्मा के साथ वार्ता में सहमति बनी है कि जिन सड़कों की मरम्मति का कार्य एसीबी जांच के कारण रुका पड़ा है उसके लिए जल्द से जल्द एसीबी से एनओसी लेने का प्रयास किया जायेगा साथ ही जो सड़के जांच से बाहर है उन सड़कों की मरम्मति को लेकर बुधवार से ही शिलान्यास कर दी जाएगी। विधायक राज सिन्हा ने कहा कि उन्होंने धरना को समाप्त नहीं किया है बल्कि आश्वासनों पर स्थगित किया है और इस मामले को आगे ५ से शुरू हो रहे विधानसभा सत्र में भी उठाएंगे। गौरतलब है कि शहर की जर्जर सड़कों और ठप पड़े विकास कार्यों को लेकर विधायक ने विगत सोमवार से अनिश्चितकालीन धरना पर बैठे थे। करीब ३० घंटे तक यह धरना जारी रहा।

विधायक चंद्रदेव महतो ने रोड का किया शिलान्यास

बलियापुर (ससे) : सिंदरी विधायक चन्द्रदेव महतो ने भागाबांध राजू महतो चौक में रोड का शिलान्यास किया। डीएमएफटी उक्त योजना के तहत बनेगा। जिसकी लंबाई तीन किलोमीटर है। रानी रोड राजू महतो चौक से चांदकुइयां मोड़ तक उक्त रोड बनेगी। विधायक चन्द्रदेव महतो ने आयोजित कार्यक्रम में कहा कि एक साल पूर्व ग्रामीणों ने मांग किया था। जिसके तहत इसका विधिवत शिलान्यास किया गया। कहा कि क्षेत्र में समस्याओं के समाधान की दिशा में वे गंभीर है। जल्द ही अन्य समस्याओं का समाधान किया जाएगा। मौके पर पूर्व मुखिया जीतलाल सिंह, पूर्व मुखिया मनोज सिंह, पूर्व मुखिया रफीक अंसारी, गणपत महतो, सांसद प्रतिनिधि विजय रवानी, विधायक प्रतिनिधि शीतल दत्ता, सीमा देवी, रघुनंदन सिंह, हीरालाल मोदक, विजय महतो, गुलशन सिंह, अमृत महतो, प्रताप सिंह, गीता देवी आदि मौजूद थे।

मजदूर की मौत, परिजनों ने किया नियोजन व मुआवजे की मांग

पुटकी (ससे) : पीबी एरिया क्षेत्र के भागाबांध कोलियरी अन्तर्गत संचालित इगल दीप इंफ्रा आउटसोर्सिंग कंपनी के अंडरग्राउंड माइंस में बीती रात एक कर्मी की कार्य के दौरान मौत हो गई।

मृतक की पहचान तलगड़िया बस्ती निवासी करीब ३७ वर्षीय बबलू बाउरी के रूप में की गई है। मौत की सूचना पर मृतक के परिजन नौकरी और मुआवजे की मांग को लेकर कंपनी के गेट को जाम कर दिया। घटना के संबंध में बताया जाता है कि बबलू बाउरी को कार्य के दौरान तबियत ख़राब हुआ था। सहकर्मियों ने तुरंत उसे उठाकर एसएनएमएमसीएच अस्पताल ले गए, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पीबी एरिया महाप्रबंधक जी सी साहा

ने बताया की यह दुखद घटना हुआ है। एक एमडीओ कर्मचारी काम कर रहे थे ये रूफबोल्टिंग का काम करते थे। प्राथमिक रिपोर्ट के अनुसार कार्य करते समय हार्ट की बीमारी के चलते सांस लेने में दिकत महसूस होने लगी। उनके सहकर्मी उन्हें एसएनएमएमसीएच अस्पताल ले जा रहे थे कि बीच रास्ता में उसकी मृत्यु हो गई। मिथेन गैस को लेकर आगे कहा की समयसमय पर अधिकारियों के द्वारा जांच की जाती है मगर हमारे रिकॉर्ड में मिथेन गैस की कोई प्राप्ति रिकॉड नहीं है। घटना की हमलोग अतिरिक्त जांच करेंगे। अनुमान है कि यह मिथेन गैस से घटना नहीं हुई है। शांति व्यवस्था बनाऐ रखने में सुबह से भागाबांध ओपी प्रभारी धर्म राज कुमार दलबल मौके पर तैनात हैं।

लंबी वार्ता के बाद धरना हुआ समाप्त

पुटकी (ससे) : कंपनी के पदाधिकारी, मृतक के परिजन एवं जन प्रतिनिधियों के बीच धनबाद के सर्किट हाउस में कंपनी ऑफिस में वार्ता हुई। पूर्व मंत्री अमर बाउरी के पहल पर वार्ता में मृतक के परिजन को १५ लाख का चेक, मृतक के बेटे अभिजीत बाउरी को नियोजन मिला। बैठक में कंपनी की ओर से दीपक सिंह, अनिल सिंह, जितेंद्र सिंह, मृतक की पत्नी, बेटे, देव सेना संघ के रूपू ख़ान, मिथुन यादव, लीलू बाउरी, पूनम सिंह, कलावती देवी आदि उपस्थित थे। वार्ता के बाद धरना समाप्त हो गया।

मदर टेरेसा स्कूल की छात्राओं का शैक्षणिक भ्रमण किया

बलियापुर (ससे) : मदर टेरेसा उच्च विद्यालय रांगामाटी के छात्राओं का पॉलिटेक्निक कॉलेज भागा का शैक्षणिक भ्रमण करवाया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के लक्ष्मी ग्रुप से जुड़ी कुल ४० छात्राएं शामिल थी। पॉलिटेक्निक कॉलेज पहुंचने पर छात्राओं को कॉलेज के शिक्षक एनके सिंह ने पॉलिटेक्निक कॉलेज का भ्रमण करवाया। इस दौरान दसवीं के बाद इसकी उपयोगिता एवं आवश्यकता को विस्तार ढंग से बताया। छात्राओं ने भी कई सवाल पूछते हुए विशेष जानकारियां प्राप्त की। गाइड के तौर पर मदर टेरेसा उच्च विद्यालय के शिक्षक रूपक कुमार ठाकुर मौजूद थे। छात्राओं में पायल कुमारी, अदिति कुमारी संगम कुमारी, आशा कुमारी, साहिब परवीन, जीवा प्रवीण, सृष्टि कुमारी, माही कुमारी आदि थे।

जनता दरबार में आमजनों की समस्याओं से अवगत हुए डीसी

धनबाद (कासं) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन द्वारा कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जाएगा।

जनता दरबार में जमीन सीमांकन करने, म्यूटेशन करने, जमीन पर हुए अवैध कब्जा

इस दौरान उन्होंने जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की समस्याओं को सुना एवं आश्वासन दिया कि उनके सभी शिकायतों का जल्द से जल्द जाँच कराते हुए उचित समाधान कराया हटाने, आवास योजना का लाभ देने, पेंशन चालू कराने, घरेलू पारिवारिक विवाद, आपसी विवाद, मुआवजा संबंधित मामले, नियोजन से संबंधित मामले, ईलाज हेतु आर्थिक सहायता के मामले समेत विभिन्न समस्याओं एवं शिकायत से उपायुक्त अवगत हुए।

उपायुक्त ने लोगों को पूर्ण भरोसा दिलाया कि आपकी समस्याओं को दूर करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। जिला प्रशासन विधि सम्मत आपकी हर समस्याओं को दूर करने का प्रयास करेगा।

स्व. राजू महतो की पुण्यतिथि मनी

बलियापुर (ससे) : भागामारपुर में मंगलवार को मजदूर नेता स्वर्गीय राजू महतो की २१वां पुण्यतिथि मनाया गया। उनके आदम कद प्रतिमा पर माल्यार्पण करने वालों में स्वर्गीय महतो की पत्नी गीता देवी, पुत्र आकाश महतो, विकाश महतो, सिंदरी विधायक चन्द्रदेव महतो, पूर्व मंत्री जलेश्वर महतो, भाजपा नेत्री तारा देवी, गणपत महतो, मुखिया संजय गोराई, जीतलाल सिंह, सीमा देवी, विधायक प्रतिनिधि शीतल दत्ता, रफीक अंसारी, गुलशन सिंह, परेश महतो,

नरेश महतो, अरूण महतो, प्राण राय, विजय कुमार महतो, निताई मांझी, राजेश कुमार महतो, दीपक महतो, मुखिया दिलीप कुमार महतो, शत्रुघ्न महतो आदि ने माल्यार्पण किया। वक्ताओं ने कहा कि स्व. राजू महतो मजदूर, किसान, छात्र के लिए बेहतर काम किया। उनके हक अधिकार दिलाने के लिए हमेशा लड़ाईयां लड़ी। जबकि संचालन उनके भाई विजय कुमार महतो ने किया।

दो आधार सेवा केंन्द्रों की जगह अब जिले में होगा सिर्फ एक ही आधार सेंटर

धनबाद (कासं) : भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के तहत धनबाद के लुबी सर्कुलर रोड और सरायढेला में चल रहा दोनों आधार सेवा केंद्र बंद हो गया है, जिससे लोगों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, अधिकारियों की माने तो अब धनबाद में बस एक ही आधार सेवा केंद्र होगा, जो सरायढेला स्थित बिगबाजर में चलेगा।

धनबाद के यूआईडी डीपीओ अमित कुमार सिंह ने इस संबंध में बताया कि लुबी सर्कुलर रोड स्थित एसएसएलएनटी कॉलेज के पीछे बना आधार केंद्र और सरायढेला स्थित आधार केंद्र बंद हो गया है, दरअसल भारत सरकार के साथ इनका अनुबंध समाप्त होने की वजह से केंद्र बंद हो गया है। उन्होंने बताया कि अब धनबाद में सिर्फ सरायढेला स्थित बिगबाजर के पास बना आधार केंद्र ही सुचारू रूप से चलेगा, फिलहाल वह भी

मरम्मति कार्य की वजह से बंद है, जो १५२० दिनों में लोगों के लिए खोल दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि धनबाद की जनता को इससे घबड़ाने की जरूरत नहीं है, क्योंकि जिले के सभी प्रखंड मुख्यालय पर झारखंड सरकार के द्वारा एक-एक आधार किट उपलब्ध कराया गया है। इसके साथ ही सभी बीआरसी पर बच्चों का आधार कार्ड बनाया जा रहा है, इंडिया पोस्ट को भी ६० किट दिया गया है, उन्हें ०५ वर्ष के सभी बच्चों का आधार कार्ड बनाने की जिम्मेदारी दी गई है। साथ ही वह मोबाइल नंबर से लेकर पता भी अपडेट करेंगे। जल्द ही आंगनबाड़ी केंद्रों को भी टेबलेट और आधार मशीन उपलब्ध करा दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सीएससी, कुछ बैंकों में भी आधार कार्ड बनाने की प्रक्रिया जारी है, इसलिए लोगों को इसके लिए घबड़ाने की आवश्यकता नहीं है।

तापमान के गिरावट से ठंड का होने लगा अहसास, लोगों ने निकाले गर्म कपड़े

धनबाद (कासं) : नवंबर माह की अंतिम सप्ताह आते ही मौसम के मिजाज में अचानक बदलाव

देखने को मिला है। धनबाद और आसपास के इलाकों में पहले दोपहर में गर्मी का अहसास था, लेकिन अब अचानक ठंडी हवाओं ने लोगों को ठंड की मार बढ़ा दी है। जिले के विभिन्न प्रखंडों में केवल कुछ ही दिनों में न्यूनतम तापमान में पांच से छह डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है, जिससे सर्दी काफी बढ़ गई है। पहले हफ्ते तक लोग बिना स्वेटर, हल्के कपड़े पहनकर सैर करते थे, लेकिन दूसरे हफ्ते आते आते तापमान में इतनी गिरावट आई है कि लोगों को गर्म कपड़े पहनने पड़ रहे हैं। खासकर सुबह और शाम के समय ठंड का प्रभाव ज्यादा महसूस किया जा रहा है। क्षेत्र में हालात ज्यादा गंभीर हैं। लोग अपने गरम कपड़े निकालकर तैयार हो गए हैं और सर्दियों का स्वागत कर रहे हैं। इस बदलते मौसम में सेहत का ख्याल रखना बेहद जरूरी है। मौसम में फिर बदलाव आ गया है। मौसम विभाग की माने तो आने वाले दिनों में ठंड बढ़ने की पूरी संभावना है, जिससे सर्दी का असर तेज होगा। विभाग के अनुसार, आगामी सप्ताह में तापमान में और गिरावट आने की संभावना है। दिन में धूप खिली रहने के बावजूद सुबह और रात के तापमान में कमी देखने को मिल रही है। वर्तमान में न्यूनतम तापमान सामान्य से २३ डिग्री सेल्सियस नीचे है, जो आने वाले दिनों में और कम हो सकता है। गुलाबी ठंड के साथ ही लोग अब गरम कपड़ों की ओर रुख करने लगे हैं। स्वेटर, जैकेट, और शॉल जैसे ऊनी कपड़े अब अलमारियों से बाहर निकलने लगे हैं। सुबह के समय बच्चों को स्कूल भेजने वाले मातापिता अब उन्हें गरम कपड़े पहनाने लगे हैं। इसके अलावा, बाजारों में भी गरम कपड़ों की खरीदारी शुरू हो गई है। लोग सर्द मौसम में गर्म चाय की चुस्की का आनंद लेने के लिए सुबहशाम चाय की दुकानों पर आने लगे हैं। सूप, मूंगफली और भुने हुए चने की मांग भी तेजी से बढ़ रही है।

फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

कतरास (ससे) : ठेका श्रमिक फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन बरोरा क्षेत्र द्वारा किया गया, जो बरोरा क्षेत्र के माथाबंध मैदान में हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। इस आयोजन ने सभी प्रतिभागियों के मन में उत्साह और उमंग का संचार किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित रहे महाप्रबंधक बरोरा क्षेत्र किशोर कुमार सिंह, अपर महाप्रबंधक पी. एस. के. सिन्हा, क्षेत्रीय प्रबंधक (प्रशासन) हेमन्त कुमार हेना, क्षेत्रीय प्रबंधक (मानव संसाधन) अभिराज शेखर, क्षेत्रीय प्रबंधक (वित्त) शशांक शेखर जैसवाल, क्षेत्रीय प्रबंधक (असैनिक अभियंता) कैलाश चन्द्र शेट्टी तथा उप प्रबंधक संतोष कुमार सिन्हा। इसके साथ ही ब्लॉक२ क्षेत्र से क्षेत्रीय प्रबंधक (मानव संसाधन) अनिल कुमार, उप प्रबंधक अरुण कुमार यादव, विभिन्न यूनियनों के प्रतिनिधि और अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे, जिन्होंने आयोजन की गरिमा को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रतियोगिता में बरोरा, ब्लॉक२, गोविंदपुर एवं कतरास क्षेत्र के ठेका श्रमिकों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया और अपने उत्कृष्ट कौशल का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों के जोश, टीमवर्क और शानदार प्रदर्शन से दर्शक मंत्रमुग्ध हो उठे और मैदान तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाप्रबंधक बरोरा क्षेत्र के. के. सिंह तथा ब्लॉक२ क्षेत्र के महाप्रबंधक कुमार रंजीव ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन से सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहाआप सभी खिलाड़ियों ने सिद्ध कर दिया है कि आप किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं। बरोरा क्षेत्र के महाप्रबंधक ने सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनके प्रदर्शन की सराहना की। प्रतियोगिता में बरोरा क्षेत्र की टीम विजेता रही, जिसमें अधिकारियों के साथसाथ श्री अशोक चक्रवर्ती का विशेष योगदान रहा। ब्लॉक२ क्षेत्र की टीम उपविजेता रही। अंत में उप प्रबंधक संतोष कुमार सिन्हा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का सफल समापन घोषित किया।

शिक्षा प्रसार पदाधिकारी ने किया विद्यालय का निरीक्षण

गोविंदपुर (ससे) : प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी सहदेव महतो ने प्लस टू उच्च विद्यालय नगरकियारी का निरीक्षण किया। उन्होंने वर्गों में विद्यार्थियों से सवाल पूछे और साफसफाई तथा एमडीएम का भी जायजा लिया। प्राचार्य डॉ मीरा सिंह ने उन्हें विद्यालय की विभिन्न शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक उपलब्धियों से अवगत कराया। कहामैट्रिक और इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट परिणाम के लिए कमजोर विद्यार्थियों की अतिरिक्त कक्षाएं शुरू कर दी गई है। श्री महतो ने शतप्रतिशत रिजल्ट के लिए सभी शिक्षकों में तालमेल बनाकर काम करने तथा बोर्ड परीक्षा तक नियमित रूप से वर्ग संचालन का निर्देश दिया। उन्होंने प्रतिदिन गुणवत्तापूर्ण एमडीएम देने का भी निर्देश दिया।

झारखंड प्रदेश कांग्रेस की बैठक संपन्न

धनबाद (कासं) : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी समिति की बैठक कांग्रेस भवन रांची में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने की। बैठक के संबंध में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के उपाध्यक्ष ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह ने बताया कि आगामी १४ को दिल्ली के रामलीला मैदान में अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी की ओर से वोट चोरमदी छोड़ महारैली का आयोजन किया गया है। यह महारैली वोट में गड़बड़ी, लक्षित वोटर विलोपन और सभी प्रकार के चुनावी धांधली के विरोध में जनता की संगठित, शांतिपूर्ण और संवैधानिक अभिव्यक्ति होगी। इस महारैली में पूरे देश से लाखों की संख्या में कांग्रेस के नेता कार्यकर्ता एवं आम जनों शामिल होंगे। झारखंड से इस रैली में ५ हजार से अधिक संख्या में कांग्रेसजन भाग लेंगे, धनबाद से भी ५ सौ से ज्यादा कांग्रेसजन भाग लेंगे। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी समिति की बैठक में धनबाद से ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह के साथ-साथ सुल्तान अहमद, विजय कुमार सिंह, मदन महतो, शमशेर आलम, मनोज यादव, शहजाद हुसैन ने प्रमुख रूप से भाग लिया।

गोमिया में बाल विवाह मुक्त जागरूकता कार्यशाला सम्पन्न

बोकारो (ससे): बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर आज दिनांक ०२ दिसंबर २०२५ को उपायुक्त अजय नाथ झा के निर्देशानुसार आकांक्षी प्रखंड गोमिया में प्रखंड कार्यालय के सभागार में बाल विवाह मुक्त जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय मंत्री पेयजल एवं स्वच्छता विभाग तथा उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग योगेन्द्र प्रसाद एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार शामिल हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ मंत्री, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग तथा उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग झारखंड सरकार योगेन्द्र प्रसाद एवं उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। मौके पर जिला पार्षद सदस्य गोमिया, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डॉ सुमन गुप्ता, प्रखंड विकास पदाधिकारी महादेव महतो, अंचलाधिकारी सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में मंत्री द्वारा सभी उपस्थित लोगों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई गई।

मंत्री, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग तथा उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग झारखंड सरकार श्री योगेन्द्र प्रसाद ने सभी उपस्थित लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि यदि कहीं भी बाल विवाह की सूचना मिले, तो तुरंत प्रशासन या चाइल्ड हेल्पलाइन १०९८ पर जानकारी दें।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री योगेन्द्र प्रसाद द्वारा आधिकारिक रूप से गोमिया प्रखंड को बाल विवाह मुक्त प्रखंड घोषित किया गया। इसपर उप-विकास आयुक्त ने इसे झारखंड राज्य के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि गोमिया, झारखंड राज्य का पहला ऐसा प्रखंड बन गया है, जिसे आधिकारिक रूप से बाल विवाह मुक्त प्रखंड घोषित किया गया है। यह घोषणा मंत्री द्वारा की गई, जिसमें सरकारी विभागों, आंगनबाड़ी सेवाओं, विद्यालयों, पंचायत प्रतिनिधियों तथा सामाजिक संगठनों के निरंतर प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने बताया कि उपायुक्त महोदय के निर्देशन में पिछले कई महीनों से गोमिया प्रखंड में बाल विवाह रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान सभी पंचायतों में बाल विवाह निरोधक समितियों को सक्रिय किया गया तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सेविकाओं एवं सहायिकाओं को संदिग्ध मामलों की त्वरित सूचना देने हेतु प्रशिक्षित किया गया। साथ ही विद्यालयों में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए तथा किशोर-किशोरी समूहों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में बताया गया। साथ ही पुलिस विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा कल्याण विभाग के संयुक्त प्रयास से समन्वित मॉनिटरिंग प्रणाली लागू की गई। इन प्रयासों के फलस्वरूप पिछले कई महीनों में प्रखंड में बाल विवाह के किसी भी मामले की पुष्टि नहीं हुई, साथ ही पूर्व में चिन्हित संभावित मामलों को समय रहते रोका गया।

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डॉ सुमन गुप्ता ने अपने स्वागत संबोधन में बाल विवाह के गंभीर दुष्परिणामों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि बाल विवाह एक सामाजिक बुराई और कानूनन दंडनीय अपराध है। इससे बच्चों के शिक्षा, स्वास्थ्य सहित मौलिक अधिकारों का गंभीर हनन होता है।

कार्यक्रम में मंत्री द्वारा बाल विवाह मुक्त गोमिया घोषणा पत्र का विमोचन किया गया। साथ ही गोमिया प्रखंड को घोषणा पत्र एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान बाल विवाह उन्मूलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले जिला एवं प्रखंड स्तर के सभी अधिकारियों, कर्मियों एवं पंचायत स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले सभी मुखियाओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

बोकारो जिला में बाल संरक्षण और बाल विवाह उन्मूलन के अमर कुमार द्वारा जिला प्रशासन बोकारो के साथ मिलकर लगातार जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। इस अभियान को सफल बनाने में -त- ने जिला प्रशासन के साथ मिलकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वहीं, सहयोगिनी छक्रझ भी कई वर्षों से बाल संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रही है।

कार्यक्रम में गोमिया प्रखंड के सभी पंचायतों के मुखिया, पंचायत सचिव, लेडी सुपरवाइज़र, आंगनवाड़ी सेविका एवं सहायिका, फ्रंटलाइन वर्कर तथा विभिन्न विभागों के कर्मी बड़ी संख्या में उपस्थित हुए।

किसानों के बीच चना बीज का वितरण

डुमरी (ससे): प्रखंड के रोशनाटुंडा पंचायत अंतर्गत खुट्टा गांव में मंगलवार को २७ किसानों के बीच कृषि विभाग के द्वारा उपलब्ध कराये गये २०-२० किलोग्राम चना का बीज वितरण किया गया।इस दौरान पंचायत मुखिया परमेश्वर तुरी कृषक मित्र संघ के डुमरी प्रखंड अध्यक्ष गंगाधर महतो एटीएम प्रवीण कुमार आदि उपस्थित थे। कृषक मित्र संघ के डुमरी प्रखंड ने बताया कि प्रति के चयनित किसानों को उन्नत कृषि कार्य करने और कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए कृषि विभाग और आत्मा द्वारा रबी फसल और खरीफ फसल का बीज निशुल्क उपलब्ध कराने का काम करता है।

इस दौरान झाएकिमयू के कुणाल बरनवाल आनंद कुमार साहू एटीएम संजय कुमार वर्मा कृषक मित्र घनश्याम सिंह राजकुमार कृषक देवंती देवी सीमा देवी प्यासी देवी खिरिया देवी मोहनी देवी अर्जुन सिंह प्रेमचंद सिंह बहादुर सिंह शनिचरा सिंह रेखा देवी मुरली सिंह वासुदेव सिंह पुसानी देवी सीमा देवी यशोदा देवी सुमो देवी रोशनी देवी फुलवा देवी मंजू देवी केशव सिंह सुनीता देवी मंजू सिंह ओनिया देवी तारों देवी आदि उपस्थित थे।

गीता केवल ज्ञान नहीं जीवन शैली है

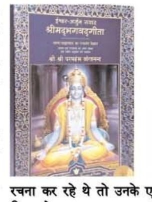

धनबाद (कासं) : श्रीमद्भगवद्गीता का कालजयी संदेश केवल एक ऐतिहासिक युद्ध से ही संबंधित नहीं है, अपितु, अच्छाई और बुराई के बीच के ब्रह्माण्डीय संघर्ष का उल्लेख भी करता है : जीवन को-परमात्मा और जड़-पदार्थ विवेक-शक्ति और अंधे इंद्रिय मन के बीच युद्धों की एक शृंखला के रूप में ।

उपरोक्त पंक्तियाँ एक विख्यात पुस्तक ईश्वर-अर्जुन संवाद : श्रीमद्भगवद्गीता (गॉड टाल्क्स विद अर्जुना - द भगवद्गीता का हिन्दी अनुवाद) में श्रीमद्भगवद्गीता के प्रथम श्लोक की व्याख्या, जो लगभग ४० पृष्ठों में प्रस्तुत की गई है, से उद्धृत हैं। इस अद्वितीय पुस्तक की व्याख्या पूर्व और पश्चिम के एक महान् योगी और जगद्गुरु श्री श्री परमहंस योगानन्दजी, जो एक अमर गौरव ग्रंथ 'योगी कथामृत' के लेखक हैं, ने दो खण्डों में प्रस्तुत की है। इस गहन आध्यात्मिक व्याख्या के परिचय में योगानन्दजी कहते हैं : ईश्वर की ओर वापसी के पथ पर व्यक्ति जहाँ कहीं भी हो, गीता यात्रा के उस खण्ड पर अपना प्रकाश डालेगी।

अर्जुन की आत्मा बनकर अपनी आँखें इस जगत से मूँद कर परंतु स्वर्ग में सदा खुली रखते हुए परमहंसजी जब पूर्णतया एकांतवास में रहकर इसकी रचना कर रहे थे तो उनके एक शिष्य ने कहा था -उस कमरे का स्पंदन अविश्वसनीय था; यह ईश्वर में प्रवेश करने जैसा था।

भारत के इस अति परमप्रिय धर्मग्रंथ, भगवद्गीता का अर्थ है परमात्मा का गीत, मनुष्य (अर्जुन) और उसके सृष्टिकर्ता (श्रीकृष्ण) के बीच सत्य बोध का दिव्य वार्तालाप; ये आत्मा द्वारा प्राप्त परमात्मा की वे शिक्षाएँ, जिनका सतत गान किया जाना चाहिए। इसके साथ इसका त्रिविध अर्थ-भौतिक, सूक्ष्म एवं आध्यात्मिक, जो मनुष्य के अस्तित्व के सभी स्तरों, शरीर, मन और आत्मा पर लागू होता है, अद्भुत है। ईश्वर-अर्जुन संवाद के प्रथम श्लोक की व्याख्या में विस्तृत व्याख्या : जीवन का युद्ध को पढ़कर यह स्पष्ट हो जाता है कि गीता के संदेश को एक जीवन शैली बनाया जा सकता है।

भगवान कृष्ण कहते हैं मेरे कष्टों एवं दुख के सागर से दूर हो जाओ। स्वयं को अनन्य निष्ठा से मुझे सौंप दो और मैं तुम्हें माया सिंधु से बाहर निकाल दूँगा, (श्रीभगवद्गीता१२:७) अर्थात ईश्वर को पाना सभी कष्टों का हवन करना है; इसी उद्देश्य हेतु गीता के चतुर्थ अध्याय के २९वें श्लोक में भगवान कृष्ण योग की सर्वश्रेष्ठ, प्राणशक्ति पर नियंत्रण की प्रविधि (क्रियायोग) का उल्लेख करते हैं जिसमें साधक प्राण के भीतर जाते श्वास को अपान के बाहर जाते प्रश्वास में तथा अपान के बाहर जाते प्रश्वास को प्राण के भीतर आते श्वास में हवन करते हैं और इस प्रकार प्राणायाम (क्रियायोग) के निष्ठापूर्वक अभ्यास के द्वारा सांस लेने की प्रक्रिया को अनावश्यक बना देते हैं। और इस प्रकार योगी प्राणशक्ति पर सचेत नियंत्रण प्राप्त कर लेता है और ईश्वर-साक्षात्कार के परम आनंद और शांति को पाता है।

डीसी ने किया जनता दरबार का आयोजन, सुनीं लोगों की समस्याएँ

बोकारो (ससे): जनता की शिकायतों और समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से हम आपको सुनते है कार्यक्रम के तहत ०२ दिसंबर को समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में उपायुक्त अजय नाथ झा द्वारा जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग विभिन्न विभागों से जुड़ी अपनी समस्याएँ लेकर पहुँचे।

उपायुक्त अजय नाथ झा ने एक-एक शिकायतकर्ता से संवाद करते हुए उनकी समस्याओं को विस्तार से सुना और संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल एवं प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए तथा कई शिकायतों का निपटारा मौके पर ही कर दिया गया, जबकि कुछ मामलों को आवश्यक प्रक्रिया के लिए विभागों को सौंपा गया।

जनता दरबार में ज्यादातर मामले भूमि, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, आवास, राशन कार्ड, बिजली-पानी, राशन वितरण से, दिव्यागता प्रमाण पत्र एवं पेंशन से, चुनाव ड्यूटी के दौरान पति की मृत्यु के बाद उनके परिजनों को मुआवजा एवं रोजगार से, जमीन विवाद से, बैंक के पेंशन मामले के भुगतान से, लगान के रशीद में नाम व अन्य जानकारी के संबंध में संशोधन से, प्रधानमंत्री आवास से संबंधित मामले, झारखंड आंदोलनकारियों के मामले एवं चास नगर निगम के वार्ड नंबर ०६ के जमीन की चार दिवारी से तथा अन्य सार्वजनिक सेवाओं से संबंधित समस्याएँ प्रमुख रूप से सामने आई। इस पर उपायुक्त ने कहा कि प्रशासन का लक्ष्य है कि लोगों को उनके अधिकार समय पर मिले और किसी भी नागरिक को परेशानी न उठानी पड़े। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनता दरबार में प्राप्त शिकायतों की नियमित समीक्षा कर समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करें।

जनता दरबार में आज लगभग ५० ग्रामीणों ने अपनी समस्या को उपायुक्त के समक्ष रखा। उपायुक्त ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उक्त सभी लोगों की समस्या से संबंधित आवेदन को निष्पादन हेतु सम्बंधित अधिकारियों को भेजा तथा उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि उनके आवेदन पर कार्रवाई करते हुए सम्बंधित आवेदकों को सूचित करें।

मौके पर अपर समाहर्ता मो मुमताज अंसारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी शालिनी खलको, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा सह प्रभारी पदाधिकारी जनशिकायत कोषांग पियूष, जिला भू अर्जन पदाधिकारी द्वारिका बैठा सहित अन्य उपस्थित थे।

कल्याण विभाग की छात्रवृत्ति वितरण से संबंधित समीक्षा बैठक सम्पन्न

बोकारो (ससे):ो समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त श्री अजय नाथ झा की अध्यक्षता में कल्याण विभाग से संबंधित छात्रवृत्ति वितरण कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में चल रही विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं की प्रगति, लंबित आवेदनों का निपटारा, सत्यापन की स्थिति और भुगतान अद्यतन पर विस्तृत चर्चा की गई। मौके पर जिला कल्याण पदाधिकारी नीलम सरोज कुजूर, जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा, जिला शिक्षा अधीक्षक अतुल चौबे, पिरामल फाउंडेशन, टीम तथा सभी प्रखंड कल्याण पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में विभिन्न प्रखंडों से प्राप्त प्रगति रिपोर्ट पर भी विमर्श किया गया तथा जहां-जहां कार्य में देरी पाई गई, वहां सुधार के निर्देश उपायुक्त ने दिए।

उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि छात्रवृत्ति योजनाएँ कमजोर एवं वंचित तबके के विद्यार्थियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, इसलिए इनकी समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से वितरण प्रणाली सुनिश्चित करना सभी अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि लंबित छात्रवृत्ति आवेदनों की शीघ्र सत्यापन प्रक्रिया पूरी की जाए तथा पोर्टल पर अपलोड दस्तावेजों की त्रुटियों को दूर कर विद्यार्थियों को सहायता उपलब्ध कराई जाए।

साथ ही विद्यालय स्तर से लेकर जिला स्तर तक समन्वय बनाते हुए पात्र विद्यार्थी किसी भी प्रकार की तकनीकी या प्रशासनिक बाधा से वंचित न हों। उन्होंने पिरामल फाउंडेशन एवं टीम को डेटा सत्यापन, मॉनिटरिंग और तकनीकी सहायता के लिए और सक्रिय भूमिका निभाने का निर्देश दिए। उन्होंने प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों से छात्रवृत्ति वितरण कार्य में तेजी लाने और लक्षित समय सीमा के भीतर सभी लंबित मामलों का निपटारा सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने आगे कहा कि छात्रवृत्ति वितरण कार्य राज्य सरकार की प्राथमिकता है। पात्र हर विद्यार्थी तक उसका हक पहुँचाना जिला प्रशासन की जिम्मेदारी है। सभी अधिकारी मिशन मोड में कार्य करें।

जिला कल्याण पदाधिकारी नीली नीलम सरोज कुजूर ने कहा कि वित्तीय वर्ष २०२४-२५ में प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति योजना में छात्रवृति का भुगतान आवंटन उपलब्ध नहीं रहने के कारण लम्बित है। सरकार से आवंटन प्राप्त होने के उपरांत सभी छात्र-छात्राओं को छात्रवृति राशि का भुगतान कर दिया जाएगा।

उन्होंने आगे बताया कि वित्तीय वर्ष २०२५-२६ में प्री-मैट्रिक छात्रवृति योजना (कक्षा ०१ से ०८ तक) में कुल-६२५३५ छात्र-छात्राओं के द्वारा आवेदन किया गया है, जिसमें से कुल-३९०९८ छात्र-छात्राओं जिला नोडल पदाधिकारी के द्वारा स्वीकृती प्रदान की गई है, जिसे जिला स्तरीय समिति के स्वीकृति के उपरांत एक सप्ताह के अन्दर छात्र-छात्राओं को भुगतान कर दिया जाएगा एवं वित्तीय वर्ष २०२५-२६ में प्री-मैट्रिक छात्रवृति योजना (कक्षा ०९ से १० तक) में कुल ५५६५ छात्र-छात्राओं के द्वारा आवेदन किया गया है, जिसमें से कुल-२४३१ छात्र-छात्राओं को जिला नोडल पदाधिकारी द्वारा स्वीकृती प्रदान की गई है, जिसमें सरकार से आवंटन प्राप्त होने के उपरांत सभी छात्र-छात्राओं को छात्रवृति राशि का भुगतान कर दिया जाएगा। साथ ही वित्तीय वर्ष २०२५-२६

प्री-मैट्रिक एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति योजना में छात्र-छात्राओं का आवेदन पत्र काफी कम प्राप्त हुआ है, जिसपर उपायुक्त अजय नाथ झा के द्वारा छात्रवृति आवेदन पत्रों की संख्या बढ़ाने हेतु जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा अधीक्षक को आवश्यक निदेश दिया गया है।

उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि झारखण्ड राज्य से बाहर विभिन्न संस्थानों में अद्ययनरत छात्र-छात्राओं की जाँच हेतु पिरामल फाउण्डेशन को शीघ्र जाँच प्रतिवेदन समर्पित करने का निदेश दिया। साथ ही बोकारो जिला के जिन विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को छात्रवृति योजना का लाभ बैंको में आधार सीडिंग एवं मैपिंग के आभाव में लम्बित है।

उन्हें ७२ घंटे के भीतर मैपिंग करने का निर्देश दिया तथा वैसे जिन विद्यालयों के प्राचार्य जब तक छात्र-छात्राओं का बैंकों में आधार सीडिंग एवं मैपिंग का कार्य पूर्ण नहीं किया जाता तब तक अगले शनिवार तक मैपिंग नहीं करते है तो अगले आदेश तक वेतन स्थगित रखने का निदेश डीईओ को दिया।

निरीक्षण में विद्यालय छात्रावास भवन निर्माण में मिली अनियमितता

डुमरी (ससे): डुमरी प्रखंड के बलथरिया पंचायत स्थित मॉडल विद्यालय में चल रहे छात्रावास भवन एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्य में भारी अनियमितता बरते जाने की शिकायत मिलने के बाद मंगलवार को अंचलाधिकारी सह प्रभारी बीडीओ शशिभूषण वर्मा ने निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और कई अनियमितता पाई।वहीं इस दौरान कार्य कर रहे मजदूरों से भी पूछताछ की जबकि इस दौरान साइड इंचार्ज या संवेदक नहीं था।

बताया जाता है कि सीओ ने पाया कि उपयोग में लाये जा रहे बालू में मिट्टी का अंश अधिक है जबकि लगाये जा रहे ईंट की गुणवत्ता भी निम्न है साथ ही पीलर में जहां तहा छड़ बाहर से ही दिखाई दे रहा है।वहीं पीलर की गुणवत्ता और मजबूती भी निम्न है।वहीं प्लींथ की लेबलिंग ठीक से नहीं की गई है।बतादें कि इससे पूर्व झारखंड शिक्षा परियोजना के कनीय अभियंता (जेई) दिनेश प्रसाद ने भी निर्माण स्थल का औचक निरीक्षण किया था।निरीक्षण के दौरान कमियों को चिह्नित कर ठेकेदार को तत्काल सुधार करने का कड़ा निर्देश दिया था परंतु संवेदक के कानों में जूं तक नहीं रेंगा।ज्ञातव्य हो कि यह निर्माण कार्य झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद रांची के तहत चल रहा है।

बीएसएल में विभिन्न प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन

बोकारो (ससे): बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) में प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी नवंबर २०२५ माह को गुणवत्ता माह के रूप में मनाया गया. इसी क्रम में, संगठन के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए गुणवत्ता के महत्व को सुदृढ़ करने हेतु बिजनेस एक्सिलेंस (बीई) विभाग के तत्वावधान में विभिन्न प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया. इस वर्ष की थीम गुणवत्ता : कुछ अलग सोचें पर आधारित इन प्रतियोगिताओं में कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया.

गुणवत्ता से सम्बंधित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन मानव संसाधन विकास के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मिनी ऑडिटोरियम में किया गया. दिनांक २६ नवम्बर को तत्काल अनुच्छेद लेखन (हिंदी एवं अंग्रेजी) प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें १९ प्रतिभागियों ने गुणवत्ता : कुछ अलग सोचें विषय पर अपने विचार व्यक्त किए. गुणवत्ता : कुछ अलग सोचें विषय पर वक्तृत्व कला (हिंदी एवं अंग्रेजी) प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें १५ प्रतिभागियों ने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति दी.

इसके अतिरिक्त, गुणवत्ता माह की थीम पर आधारित स्लोगन प्रतियोगिता (हिंदी एवं अंग्रेजी) का भी आयोजन किया गया. इन व्यक्तिगत प्रतियोगिताओं के उपरांत दिनांक २८ नवंबर को गुणवत्ता क्विज़ प्रतियोगिता आयोजित की गई. इस क्विज़ में विभिन्न विभागों से २० टीमों (प्रत्येक में दो सदस्य) ने अपनी बौद्धिक क्षमता का प्रदर्शन किया. क्विज़ प्रतियोगिता में क्विज़ मास्टर्स की भूमिका महाप्रबंधक (बीई) श्रीमती अनुपमा तिवारी तथा वरीय प्रबंधक (बीई) श्रीमती सागरिका साहू ने सफलतापूर्वक निभाई.

इन सभी प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन एवं समन्वय बिजनेस एक्सिलेंस (बीई) विभाग की टीम के द्वारा किया गया जिसमें महाप्रबंधक (बिजनेस एक्सिलेंस) श्रीमती अनुपमा तिवारी, वरीय प्रबंधक (बिजनेस एक्सिलेंस) श्रीमती डी चक्रवर्ती, वरीय प्रबंधक (बिजनेस एक्सिलेंस) श्रीमती सागरिका साहू और श्री अबू नसर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन बीएसएल की उत्पादकता और गुणवत्ता में सुधार की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है. यह पहल कर्मचारियों को नवीन समाधानों के बारे में सोचने के लिए प्रेरित करता है जिससे संगठन को विश्व स्तरीय गुणवत्ता के मानकों को प्राप्त करने और बनाए रखने में सहायता मिलती है.

बीएसएल ने नवंबर माह में दर्ज किया उत्पादन का शानदार प्रदर्शन

बोकारो (ससे): बोकारो स्टील प्लांट ने नवंबर २०२५ में उत्पादन, गुणवत्ता और परिचालन दक्षता के लगभग सभी प्रमुख आयामों में उल्लेखनीय और ऐतिहासिक उपलब्धियाँ दर्ज करते हुए अब तक का सर्वश्रेष्ठ नवंबर माह का प्रदर्शन दर्ज किया है.

अधिशासी निदेशक (संकार्य) श्री प्रिय रंजन तथा अधिशासी निदेशक (ऑपरेशन्स) श्री अनूप कुमार दत्त के नेतृत्व में संयंत्र ने उत्पादन, प्रक्रिया स्थिरता तथा विक्रय से जुड़े कई अहम संकेतकों पर नए उच्चतम स्तर प्राप्त किए। दैनिक उत्पादन में बीएसएल ने प्रभावशाली उपलब्धियाँ हासिल की. ३० नवंबर को सिंटर प्लांट की २.५ सिंटर मशीन ने १९,५१४ टन का रिकॉर्ड उत्पादन किया, जो पूर्व के १९,३५९ टन के सर्वोच्च स्तर से बेहतर रहा । इसी क्रम में, २६ नवंबर को ग्रैन्युलेटेड स्लैग उत्पादन भी बढ़कर ६,८५० टन के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गया. मासिक प्रदर्शन के स्तर पर भी बीएसएल ने मजबूत प्रगति दर्ज करते हुए २.५ सिंटर मशीन से ५.२७ लाख टन उत्पादन हासिल किया. वहीं कोल केमिकल्स की बिक्री अक्टूबर २०२५ के ८५.७ करोड़ रुपये की तुलना में नवंबर माह में १०६.३ करोड़ रुपये पर पहुँच गई, जो एक उल्लेखनीय वृद्धि है.

डाउनस्ट्रीम इकाइयों में भी सकारात्मक वृद्धि देखने को मिली। सीआर सेलेबल उत्पादन बढ़कर १.२१ लाख टन रहा,जो पिछले वर्ष के १.१३ लाख टन की तुलना में बेहतर है. इसी प्रकार, सेलेबल स्टील डिस्पैच ३.५५ लाख टन तक पहुँचा। नवंबर माह में टेक्नो-इकोनॉमिक पैरामीटर्स में भी निरंतर सुधार दर्ज करते हुए ऊर्जा खपत घटकर ६.३९२ त्र्लरश्र/ïली रहा, जो संयंत्र की बढ़ती परिचालन दक्षता का संकेत है. उल्लेखनीय है कि नवंबर माह में दो महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धियाँ भी दर्ज की गईं. बीएसएल ने पहली बार सफलतापूर्वक उच्चतन्यता वाले ऑटोमोटिव ग्रेड का उत्पादन किया, जो गुणवत्ता और उन्नत प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है. वहीं दूसरी ओर, एसएमएस-खख में एक ही टंडिश से ३५ हीट्स की कास्टिंग का नया रिकॉर्ड भी बना, जो ताप प्रबंधन, प्रक्रिया दक्षता और तकनीकी कौशल का उत्कृष्ट उदाहरण है. अधिकारियों ने इस उपलब्धि पर कर्मियों को बधाई देते हुए कहा कि नवंबर २०२५ के परिणाम बोकारो स्टील प्लांट की सतत प्रगति, तकनीकी श्रेष्ठता और मजबूत टीम भावना को परिलक्षित करते हैं. उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले महीनों में भी बीएसएल इसी गति को बनाए रखते हुए नए कीर्तिमान स्थापित करेगा.

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

सड़क हादसे में महिला की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर ऊपर बाजार में जीटी रोड पर हुई दुर्घटना में संगीता कुमारी, उम्र लगभग ५६ वर्ष की मौत हो गई। वह बिहार के गया जिला के सरकारी अस्पताल में एएनएम का काम करती थी। उनका परिवार सरायढेला थाना अंतर्गत सुगियाडीह गांव में घर बनाकर रहता है।

सुबह वह पति सुनील कुमार सिंह के साथ उनके घर पूर्वी टुंडी थाना अंतर्गत मोहलीडीह ग्राम पंचायत के बिसवाडीह गांव जा रही थी। इस बीच गोविंदपुर ऊपर बाजार के पास जीटी रोड के कोलकाता लेन में यह हादसा हुआ। सड़क जाम के कारण वह पैदल सड़क पार की और उनके पति वापसी का इंतजार कर रहे थे। वह वापस आई और पति की स्कूटी संख्या जेएच१० सीए २५५० पर बैठ गई। स्कूटी आगे बढ़ती, इस बीच पीछे से एक बारह चक्का ट्रक ने स्कूटी को धक्का मार दिया। इससे दोनों गिर गए। सड़क किनारे गिरने से पति को चोट नहीं आई और पत्नी संगीता के सिर पर ट्रक का चक्का चढ़ गया। इससे सर पूरी तरह कुचल गया।

घटना की खबर सुनते घटनास्थल के समीप रहने वाले वीरेंद्र रजक एवं और ग्रामीण पहुंचे तथा पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल संगीता को निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले गई, जहां पहुंचते ही चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की खबर सुनकर सुगियाडीह और बिसवाडीह गांव के अनेक लोग मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे। गोविंदपुर पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद संगीता का शव परिजनों को सौंप दिया।

सुनील सिंह हाईवा मालिक है और बालू का कारोबार करते हैं। आसपास के नागरिकों ने बताया कि इस घटना का कारण सड़क जाम था। यदि सड़क पर जाम नहीं लगता तो यह घटना नहीं होती। नागरिकों ने यह भी बताया कि एलिवेटेड निर्माण कंपनी में जीटी रोड किनारे के डिवाइडर को तो हटा दिया है पर स्थान को सड़क के बराबर समतल नहीं किया है और यह उबड़खाबड़ सड़क है। इससे दोपहिया वाहन फिसल जा रहे हैं और इससे भी दुर्घटनाएं हो रही है।

सड़क हादसे में राजगंज के दो युवक जख्मी

बलियापुर (ससे) : बलियापुर-सिंदरी रोड पर बलियापुर हाई स्कूल के पास देर शाम अज्ञात चार पहिया वाहन ने बाइक सवार को धक्का मार दिया। घटना में बाइक पर सवार लक्ष्मण महतो तथा सुमित महतो गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

दोनों जख्मी राजगंज के रहने वाले हैं। दोनों को इलाज हेतु बलियापुर स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। दोनों के पैर में गंभीर चोटें बताई जाती है। जानकारी के अनुसार बाइक सवार दोनों युवक बाघमारा स्थित अपने एक रिश्तेदार से मुलाकात कर राजगंज जा रहे थे। बलियापुर हाई स्कूल के पास विपरीत दिशा से आ रही चार पहिया वाहन ने बाइक को जोरदार धक्का मार दिया।

प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव ने एना माइन्स प्रोजेक्ट का किया भ्रमण

धनबाद (कासं) : प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव सह राज्य के अतिथि डॉ प्रमोद कुमार मिश्रा, चेयरमैन कोल इंडिया सनोज कुमार झा तथा डायरेक्टर पीएमओ पार्थिबन पी. ने धनबाद स्थित एना माइन्स प्रोजेक्ट का भ्रमण किया।

इस दौरान उपायुक्त आदित्य रंजन ने बेलगड़िया टाउनशिप में चल रहे विकास कार्यों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि पुनर्वास में विस्थापितों को उत्तम सुविधाए, विभिन्न योजनाओं का लाभ और उन्हें उनका अधिकार मिल सके, इसको लेकर कार्य किये जा रहें हैं, ताकि विस्थापितों को किसी तरह की कोई परेशानी नहीं हो।

इस दौरान प्रधान सचिव डॉ प्रमोद कुमार मिश्रा ने विस्थापितों से भी बातचीत कर चल रहे कार्यों तथा समस्याओं की जानकारी ली। साथ ही रोजगार, स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग के प्रति टाउनशिप के विस्थापितों से अपेक्षा भी जानने का प्रयास किया, ताकि उन्हें अन्य रोजगार के साधन उपलब्ध कराए जा सके। मौके पर उपस्थित लोगों ने उन्हें २० ईरिक्शा वितरण को लेकर भी आभार प्रकट किया। माननीय प्रधान सचिव ने ईरिक्शा पर बैठ कर उनका हौसला बढ़ाया।

प्रधान सचिव डॉ प्रमोद कुमार मिश्रा ने उपायुक्त आदित्य रंजन को बेलगड़िया टाउनशिप में रह रहे विस्थापितों को बेहतर से बेहतर व्यवस्था, रोजगार, शिक्षा तथा स्वास्थ्य सुविधाओं तथा सरकार की महत्वाकांक्षी योजना का लाभ देने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मौके पर एसएसपी प्रभात कुमार, भारत कोकिंग कॉल लिमिटेड के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक मनोज कुमार अग्रवाल के अलावा अन्य प्रशासनिक व पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

राष्ट्रीय पदयात्रा के समापन पर भाजपाइयों ने किया अभिनंदन

गोविंदपुर (ससे) : सरदार वल्लभभाई पटेल की १५०वीं जयंती के उपलक्ष्य में भाजपा द्वारा आयोजित राष्ट्रव्यापी अभियान यूनिटी मार्च राष्ट्रीय पदयात्रा के समापन पर भाजपा ग्रामीण जिला कार्यालय में गोविंद राय को समारोह पूर्वक अभिनंदन किया गया।

अध्यक्षता जिलाध्यक्ष घनश्याम ग्रोवर, संचालन जिला महामंत्री निताई रजवार एवं धन्यवाद ज्ञापन वरीय जिला उपाध्यक्ष बलदेव महतो ने किया। गोविंद राय एक दिन पूर्व ही स्टैचू ऑफ यूनिटी पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर गुजरात से लौटे हैं। यूनिटी मार्च के लिए धनबाद जिला से दो एवं पूरे झारखंड से ५२ युवा प्रतिनिधियों का चयन किया गया था।

सात दिवसीय यात्रा संस्करण सुनते हुए गोविंद राय ने कहा कि यूनिटी मार्च से भाजपा के एक भारतश्रेष्ठ भारत मिशन को बल मिला है। कार्यक्रम में जिला महामंत्री मनोज मिश्र, जिला उपाध्यक्ष राजेश चौधरी, जिला मंत्री आशीष मुखर्जी, अमर बाउरी, जिला मीडिया प्रभारी रतिरंजन गिरि, युवा नेता बमबम साव, महिला मोर्चा अध्यक्ष दीपा दास, महामंत्री नीतू शंकर, किसान मोर्चा अध्यक्ष समीर साहू, अरविंद पाठक, बीरंची सिंह, तालेश्वर साव, रणजीत सिंह, बृहस्पति पासवान, गोपाल भारती, सुजीत चंद्र, जगन्नाथ आदि भाजपा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

रिक्शा चालकों के बीच कंबल वितरण

धनबाद (कासं) : युवा संघर्ष मोर्चा (जनवादी) के केंद्रीय संयोजक दिलीप सिंह ने कड़ाके की ठंड के मद्देनजर देर रात सड़क पर काम कर रहे रिक्शा चालकों को कंबल वितरित किए। सर्दी के अचानक बढ़ने के कारण जरूरतमंदों को राहत देने के इस सेवा कार्यक्रम में रिक्शा चालकों ने दिलीप सिंह का धन्यवाद किया। दिलीप सिंह ने कहा कि समाज सेवा हमारा उद्देश्य है और हमारी कोशिश है कि इस ठंड में कोई भी व्यक्ति गर्म कपड़ों के बिना न रहे। श्री सिंह ने कहा कि आगे भी बरमसिया शनि मंदिर और साईं मंदिर में कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। ठंड में राहगीर जरूरतमंदों को कम्बल देने का कार्य युवा संघर्ष मोर्चा जारी रखेगा।

चार श्रम कानून के विरोध में संयुक्त मोर्चा ने किया कार्यशाला आयोजन

धनबाद (कासं) : चार नए श्रम क़ानून के खिलाफ कुसुंडा क्षेत्र में आंदोलन का बिगुल फूँक दिया गया है। इस कड़ी में धनसार के विश्वकर्मा प्रोजेक्ट में बीसीकेयू, आरसीएमयु, एटक, जेमसं जेश्रसं, केआईएमपी सहित संयुक्त मोर्चा के द्वारा आंदोलन के पहले चरण में एक कार्यशाला सह सभा का आयोजन किया गया। जिसमे पूरे कुसुंडा एरिया से काफी संख्या में आये मजदूरों ने भाग लिया। सभा की अध्यक्षता करते हुए बीसीकेयू के संयुक्त महामंत्री हरिप्रसाद पप्पू ने कहा कि केंद्र सरकार के लाये तीन लेबर कोड के कारण मोदी सरकार की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। ये सरकार अब अपने पांच वर्ष पूरे नहीं करेगी।

आरसीएमयु के ए के झा ने इसे पूरे देश के संगठित और असंगठित मजदूरों के लिए काला कानून बताया साथ ही कहा कि देश के कोयला मजदूरों के साथसाथ देश के तमाम मजदूरों को एक होकर केंद्र सरकार के खिलाफ सड़क से सांसद तक आंदोलन करना होगा। सरकार के द्वारा बनाये काले क़ानून को सभी पार्टियों को एक जुट होकर किसान आंदोलन की तरह आंदोलन करना होगा तभी मजदूरों की जीत होंगी।

सभा का संचालन उमा चौहान ने किया। मौक़े पर मिथिलेश कुमार सिंह, नंदू यादव, शिशिर महतो, छोटू राम, पार्थ सारथी दत्ता, जनता मजदूर संघ के सचिव विनय सिंह, सच्चिदानंद तिवारी, मनोज सिंह, मानस चटर्जी, ऐ एम पाल, एस एस डे, नंदलाल महतो, भोला पासवान, उमेश पासवान, कुंवर सिंह, राजू सिंह आदि ने सभा को सम्बोधित किया।

एसएसबी के 62वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हो सकते हैं गृहमंत्री शाह

ज्वालामुखी (ईएमएस) : केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह दिसंबर के तीसरे सप्ताह में हिमाचल प्रदेश के ज्वालामुखी में होने वाले सशस्त्र सीमा बल के ६२वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल होने जा सकते हैं। इस बारे में कांगडा जिला प्रशासन को अस्थायी सूचना मिली है। वहीं एसएसबी सपडी में भी इन दिनों तैयारियां जोर शोर से चल रही हैं। गौरतलब है कि केंद्रीय मंत्री अमित शाह पिछले साल पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में सशस्त्र सीमा बल के ६१वें स्थापना दिवस परेड में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए थे। इस बार वह हिमाचल प्रदेश आ सकते हैं। ज्वालामुखी के पास सपड़ी में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) का केंद्रीयकृत प्रशिक्षण केंद्र है। बताया जा रहा है कि दिसंबर के तीसरे सप्ताह में एसएसबी का स्थापना दिवस है। शाह के इस कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है। उनके कार्यक्रम को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है।

पुलिस ने विद्यालय के डोजरिंग का काम कराया बंद

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर बाजार के हृदय स्थल स्थित बुनियादी विद्यालय की चारदीवारी तोड़कर पूजा करने के लिए डोजरिंग की जा रही थी। विद्यालय खुलने पर बेसिक स्कूल के प्रधान और शिक्षकों ने देखा तो गोविंदपुर थाना को सूचना दी। गोविंदपुर पुलिस मौके पर पहुंची और डोजरिंग का काम बंद करा दिया।

पुलिस ने दोनों पक्षों को विद्यालय की जमीन का कागजात लाने का निर्देश दिया है। उन्होंने यह भी निर्देश दिया है कि यदि इस संबंध में कोर्ट का कोई निर्देश हो तो उसे भी थाना लाये। बताया जाता है कि गोविंदपुर टुंडी रोड के मुहाने पर बेसिक स्कूल १९५० से संचालित है। विद्यालय को ७ एकड़ से अधिक जमीन है। विद्यालय के लिए स्थानीय ग्रामीणों ने जमीन दी थी।

इस परिसर में बुनियादी विद्यालय गोविंदपुर है, जहां वर्ग आठवीं तक की पढ़ाई होती है और इसी परिसर में गोविंदपुर प्रखंड के सभी विद्यालयों का नियंत्रित कार्यालय प्रखंड संसाधन केंद्र भी है।

स्थानीय ग्रामीण विनोद कुमार बर्मन एवं हसीमुद्दीन अंसारी ने बताया कि आसपास के विद्यार्थी इसी विद्यालय में शिक्षा ग्रहण करते हैं। गोविंदपुर मुख्य बाजार में एकमात्र सरकारी विद्यालय यही है। उन्होंने कहा कि जब से जमीन कारोबार शुरू हुआ है तब से ही कुछ लोगों की नजर बेसिक स्कूल की जमीन पर है। उन्होंने कहा कि विद्यालय और प्रखंड संसाधन केंद्र बंद होने का फायदा उठाकर लोगों ने बलपूर्वक विद्यालय के उत्तर-पश्चिम तथा उत्तर दिशा की चाहरदीवारी बुलडोजर लगाकर तोड़ दी और प्रवेश कर गए। इस बीच विद्यालय खुला तो विद्यालय प्रधान और शिक्षकों को इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने गोविंदपुर थाना पहुंचकर इसकी सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने जाकर काम बंद करा दिया।

एंटी क्राइम अभियान में 1416 वाहनों की सघन जांच

धनबाद (कासं) : वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के दिशानिर्देश पर जिले के सभी थाना क्षेत्रों में व्यापक एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया। यह अभियान देर शाम तक अलगअलग स्थानों पर एक साथ संचालित किया गया, जिसमें जिले की सभी पुलिस टीमों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

अभियान के दौरान पुलिस ने मुख्य सड़कों, चौकचौराहों, बाजार क्षेत्रों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन तथा संवेदनशील इलाकों में वाहनों की सघन जांच की। कुल १४१६ वाहनों की जांच की गई, जिनमें १००६ दोपहिया वाहन तथा ४१० चारपहिया वाहन शामिल थे। कई जगहों पर हेलमेट, वाहन दस्तावेज, ड्राइविंग लाइसेंस और अन्य आवश्यक कागजातों की भी जांच की गई। वाहन जांच के साथसाथ पुलिस ने संदिग्ध व्यक्तियों की तलाशी ली और उनकी पहचान सत्यापित की। अभियान के दौरान उन लोगों पर विशेष ध्यान दिया गया, जो बिना दस्तावेज के वाहन चलाते पाए गए या जिनका व्यवहार संदिग्ध प्रतीत हो रहा था।

एसएसपी प्रभात कुमार ने बताया कि यह कार्रवाई अपराध की गतिविधियों पर अंकुश लगाने, असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखने और कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से की गई है। ऐसे अभियान आगे भी लगातार चलाए जाएंगे ताकि जिले में अपराध को समाप्त किया जा सके और आम जनता खुद को सुरक्षित महसूस करे।

कांग्रेस की मानसिकता सेना विरोधी : रेणुका चौधरी

नई दिल्ली (ईएमएस) : कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी ने फिर विवादास्पद बयान दिया है, जिसमें उन्होंने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार के पक्ष में बोलने के लिए आर्मी पर दबाव डाला जा रहा है, इस मामले को उन्होंने बेहद डरावना बताया है। कांग्रेस नेत्री चौधरी ने कहा कि सबसे भयानक स्थिति यह है कि फौज के लोग बाहर आकर मीडिया में बयान दे रहे हैं। उनके ऊपर जुल्म किया जा रहा है। फौज के लोगों को सरकार के समर्थन में इसतरह के बयान देने पड़ रहे हैं। यह बहुत खतरनाक है। वहीं भाजपा प्रवक्ता सीआर केसवन ने रेणुका चौधरी के बयान को शॉकिंग, बांटने वाला, और दुर्भावनापूर्ण बताया है। केसवन ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी की मानसिकता को सेना विरोधी करार दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोग पूर्व में भी सेना प्रमुख पर सड़क का गुंडा जैसी टिप्पणियां कर चुके हैं। संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन रेणुका चौधरी एक कुत्ता लेकर संसद भवन परिसर पहुंची थीं।

बीजेपी के राष्ट्रीय रोचक रहा नड्डा का राजनैतिक कैरियर

नई दिल्ली (ईएमएस) : भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा के जीवन और राजनीतिक सफर के बारे में आज उनके जन्मदिन पर कुछ रोचक बातें मीडिया पर बताई जा रही हैं। दरअसल जगत प्रकाश नड्डा को जन्म ०२ दिसंबर १९६० को पटना, बिहार में हुआ था। वर्तमान में वे भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री (मोदी सरकार ३.० में) है।

उन्होंने पटना विश्वविद्यालय से बीए किया और एलएलबी पढ़ाई हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय से की। उन्होंने अपने सियासी सफर की शुरुआत छात्र राजनीति से की। वह १९८३८४ में सक्रिय हुए। छात्र राजनीति के बाद उन्होंने भारतीय जनता युवा मोर्चा और फिर भाजपा में काम करना शुरू किया। १९९३ में, भाजपा की खराब स्थिति (सिर्फ ८ विधायक) के बावजूद, वह केंद्रीय नेतृत्व के कहने पर चुनाव लड़ने हिमाचल आए और जीतकर विधानसभा पहुंचे। वरिष्ठ नेता जगदेव चंद के निधन के बाद, नड्डा को भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया, जिससे वह हिमाचल की राजनीति में चर्चा में आए। उन्होंने १९९३ से १९९८ तक भाजपा विधायक दल को विधानसभा में चलाया। २००३ में मंत्री रहते हुए कांग्रेस के तिलक राज से चुनाव हार गए। फिर २००७ में उन्होंने दोबारा जीत हासिल की। हिमाचल के नेताओं से अनबन के कारण, वह केंद्र की राजनीति में चले गए और हिमाचल से राज्यसभा सांसद बने। भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व में २०१९ में उन्हें मंत्री पद नहीं मिला। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष बने। (नोटः लेख में यह तिथि १९ जून २०२१ दी गई है, जबकि आमतौर पर यह जून २०१९ होता है जब उन्हें कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था। इसके बाद २०२० से भारतीय जनता पार्टी के पार्टी अध्यक्ष चुने गए और अब भी इसी पद पर हैं। मोदी सरकार ३.०: उन्हें केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री बनाया गया। जेपी नड्डा का सफर एक छोटे पहाड़ी राज्य (हिमाचल प्रदेश) की राजनीति से निकलकर देश के सबसे बड़े राजनीतिक दल के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री बनने तक का रहा है, जिसमें छात्र राजनीति, चुनावी जीतहार, और संगठन में महत्वपूर्ण भूमिकाएं शामिल हैं।

ट्रांसजेंडर्स के हाथों में सौंपी मेट्रो की सुरक्षा

हैदराबाद (ईएमएस) : तेलंगाना में ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए रोजगार के दरवाजे अब खुलने लगे हैं। अब कई क्षेत्रों में उन्हें जिम्मेदार और उच्चस्तरीय काम करने के अवसर मिल रहे हैं। वहीं समाज भी अब अपनी पुरानी सोच बदल रहा है। यह बदलाव सिर्फ नौकरी पाने का नहीं, बल्कि उनके लंबे संघर्ष का नतीजा है। हैदराबाद मेट्रो रेल लिमिटेड ने अपनी फ्रंटलाइन सुरक्षा सेवाओं में २० ट्रांसजेंडर कर्मियों की नियुक्ति का ऐलान किया है। यह कदम लोगों को सशक्त बनाने और यात्रियों की सुरक्षा तय करने की दिशा में बड़ा माना जा रहा है।

पंजाब पुलिस ने चार लोगों को किया गिरफ्तार

चंडीगढ़ (ईएमएस) : गुरदासपुर पुलिस ने पंजाब काउंटर इंटेलिजेंस विंग के साथ एक संयुक्त ऑपरेशन में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। ऑपरेशन में एक चीनी टाइप का पी८६ हैंड ग्रेनेड और हथियारों का एक बड़ा जखीरा बरामद हुआ, जिससे सीमावर्ती राज्य में एक और आतंकवादी हमले की प्लानिंग को फेल कर दिया गया है। गिरफ्तार लोगों की पहचान प्रदीप कुमार, गुरदित दोनों गुरदासपुर के रहने वाले हैं वहीं नवीन चौधरी और कुश यह दोनों होशियारपुर के तलवाड़ा के रहने वाले हैं। पुलिस ने उनके पास से एक जिगाना पिस्टल और एक .३२ बोर पिस्टल जिंदा कारतूस के साथ बरामद की है।

बॉर्डर रेंज के डीआईजी ने पिछले महीने २५ नवंबर को गुरदासपुर सिटी पुलिस स्टेशन पर हुए हमले के पीछे की हाई-लेवल साज़िश का खुलासा किया, जो शाम करीब ७.३० बजे हुआ था। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार व्यक्तियों के पास से एक पी-८६ हैंड ग्रेनेड और दो पिस्तौल बरामद हुई हैं।

जानकारी के मुताबिक गुरदासपुर में २५ नवंबर को सिटी पुलिस थाने के बाहर ग्रेनेड हमला हुआ था। शुरुआत में पुलिस ने ऐसे किसी हमले से इनकार किया था। पुलिस उप महानिरीक्षक ने कहा कि शुरुताअी जांच से पता चला है कि गुरदासपुर में पुलिस थाने पर ग्रेनेड हमले की साजिश पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई प्रायोजित गैंगस्टर शहजाद भट्टी और उसके सहयोगी जीशान अख्तर ने रची थी, जिसमें गुरदासपुर के उनके अमेरिकी हैंडलर अमनदीप सिंह उर्फ अमन पन्नू ने मदद की।

पुलिस ने 84 लापता बच्चोंबयस्कों को सुरक्षित परिवार से मिलवाया

नई दिल्ली (ईएमएस) : दक्षिण पश्चिम दिल्ली पुलिस ने ऑपरेशन मिलाप के तहत नवंबर में कुल ८४ लापता लोगों और बच्चों को बरामद कर उनके परिवारों से मिलवाया। दिल्ली पुलिस के मुताबिक १ से ३० नवंबर तक चलाए गए इस सफल ऑपरेशन में ३० लापता और अपहृत बच्चों और ५४ लापता वयस्कों की सुरक्षित घर वापसी कराई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक अधिकारी ने बताया कि लापता लोगों की रिपोर्ट जैसे ही पुलिस को मिली, उसके बाद पुलिस टीमों ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया। इसमें सीसीटीवी फुटेज की जांच, ऑटो, बस स्टैंडों और रेलवे स्टेशनों की तस्वीरों की जांच, बस चालक से पूछताछ और स्थानीय मुखबिरों को शामिल करने जैसे बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाए गए। इसके अलावा आसपास के थानों और अस्पतालों के रिकॉर्ड की भी व्यापक जांच की गई। इस दौरान १० से १८ साल के नौ लापता बच्चों जिनमें आठ लड़कियां थी का पता चला। उन्होंने १४ लापता लोगों का भी पता लगाया, जिनमें आठ पुरुष और छह महिलाएं थीं।

इसके बाद पुलिस स्टेशन पालम गांव की टीम ने इसी उम्र के चार लापता बच्चों, दो लड़कों और दो लड़कियों का पता लगाया और पुलिस स्टेशन वसंत कुंज नॉर्थ के स्टाफ ने १० से १८ साल की दो लापता लड़कियों के साथसाथ दो लापता वयस्कों, एक पुरुष और एक महिला का पता लगाया। वहीं पुलिस स्टेशन सागरपुर के कर्मचारियों ने आठ लापता लोगों का पता लगाया, जिनमें तीन पुरुष और पांच महिलाएं शामिल थीं। पुलिस स्टेशन किशनगढ़ ने १० से १८ साल की दो लापता लड़कियों का पता लगाया, इसके अलावा सात लापता वयस्कों का भी पता लगाया, जिनमें चार पुरुष और तीन महिलाएं शामिल थीं।

पुलिस स्टेशन वसंत कुंज साउथ के स्टाफ ने १० से १८ साल के तीन लापता बच्चों के साथसाथ पांच लापता को भी ढूंढ निकाला, जिनमें तीन लड़के और दो लड़कियां थीं। इसके साथ कई पुलिस स्टेशनों से लोगों को खोजा गया है। इस साल दिल्ली पुलिस की ओर से बचाए गए लापता या अपहृत लोगों की कुल संख्या १,२०१ हो गई है, जिसमें ३९९ बच्चे और ८०२ वयस्क शामिल हैं।

दुनिया भर के नेता ध्यान से सुनते हैं, भारत की बढ़ती हुई ताकत : मोहन भागवत

पुणे (ईएमएस): आरएसएस की स्थापना के सौ साल पूरे होने के मौके पर में पुणे में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बोलते हैं, तब विश्व के नेता ध्यान से सुनते हैं। इसका मुख्य कारण भारत की ताकत सामने आ रही है और देश को उसका उचित स्थान मिल रहा है। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री मोदी को वैश्विक स्तर पर इतने ध्यान से इसलिए सुना जा रहा है, क्योंकि भारत की शक्ति अब उन जगहों पर दिखने लगी है, जहां भारत को उचित रूप से प्रकट होना चाहिए, और इसने दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है। आरएसएस के १०० साल पूरे होने पर, उन्होंने जोर दिया कि किसी को केवल जश्न मनाने के बारे में नहीं सोचना चाहिए, बल्कि दिए गए कार्य को निर्धारित समय के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि संघ ने चुनौतियों और तूफानों से जूझते हुए १०० साल पूरे किए हैं, लेकिन अब आत्मचिंतन का समय है कि पूरे समाज को एकजुट करने के काम में इतना समय क्यों लगा।

भारत का महत्व और वैश्विक शांति: आमतौर पर यह माना जाता है कि जब भारत आगे बढ़ता है, तो वैश्विक समस्याएं हल हो जाती हैं, संघर्ष कम हो जाते हैं और शांति कायम होती है। उन्होंने कहा कि यह बात इतिहास में दर्ज है और हमें इसे फिर से साकार करना होगा, क्योंकि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियां भारत से इसकी मांग करती हैं। उन्होंने आरएसएस के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के बलिदानों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संघ के स्वयंसेवकों ने कई बाधाओं और चुनौतियों के बीच अपना मिशन शुरू किया था, और उन्होंने सफलता के बीज बोए और अपना जीवन समर्पित करके परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त किया। भागवत ने कहा कि जब संघ संवाद और सामूहिक कार्य की ताकत की बात करता है, तो इसका तात्पर्य पूरे समाज से होता है। उन्होंने जोर दिया कि संघ की नींव विविधता में एकता में निहित है, और सभी को साथ मिलकर चलना होगा, जिसके लिए धर्म आवश्यक है। उनका मानना है कि भारत में सभी दर्शन एक ही स्रोत से उत्पन्न हुए हैं, और चूंकि सब कुछ आपस में जुड़ा हुआ है, इसलिए हमें सद्भाव के साथ आगे बढ़ना होगा।

हिमालय के शिकारी लगा रहे आग

पिथौरागढ़(ईएमएस): उत्तराखंड के हिमालयी क्षेत्रों में स्थित बुग्यालों में इन दिनों शिकारी एक्टिव हो गए हैं, जंगली जानवरों के शिकार के लिए वह यहां पर आग लगा रहे हैं। आंशका जताई जा रही है कि ये सब शिकारियों ने किया है, जो दुर्लभ जंगली जानवरों का शिकार करते हैं। जिसके बाद अब पिथौरागढ़ का वन विभाग भी अलर्ट हो गया है।
डीएफओ ने इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए सेना को लेटर लिखा है, जिसमें आईटीबीपी और एसएसबी की मदद मांगी है। उच्च हिमालयी क्षेत्रों में ठंड बढने के कारण राज्य पशु कस्तूरी मृग और हिम तेंदुए बुग्यालों में आ रहे हैं। जहां इन्हें चरने और शिकार करने के लिए बेहतर अवसर मिलते हैं।

कस्तूरी मृग और हिम तेंदुए के शिकार के लिए शिकारी भी सक्रिय हो गए हैं।

केके मुहम्मद ने की मंदिर-मस्जिद विवादों में संयम बरतने की अपील

नई दिल्ली, (ईएमएस): आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के पूर्व रीजनल डायरेक्टर केके मुहम्मद ने मंदिर-मस्जिद विवादों में संयम बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि चर्चा के सेंटर में अब सिर्फ तीन जगहें- राम जन्मभूमि, मथुरा और ज्ञानवापी होनी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि मुसलमानों को अपनी मर्जी से ये जगहें सौंप देनी चाहिए। केके मुहम्मद ने हिन्दुओं से भी कहा कि वे अब नया दावा पेश ना करें। उन्होंने जोर देकर कहा कि दावों को बढ़ाने से और ज्यादा दिक्कतें पैदा होंगी। केके मुहम्मद की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब मंदिर-मस्जिद विवाद से जुड़ी कई याचिकाएं देश भर की अदालतों में पेंडिंग हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक केके मुहम्मद ने बताया कि राम जन्मभूमि के अलावा मथुरा और ज्ञानवापी दो और जगहें हैं जो हिंदूओं के लिए उतनी ही ज़रूरी हैं जितनी मुसलमानों के लिए मक्का और मदीना हैं। अयोध्या विवाद पर बात करते हुए केके मुहम्मद ने १९७६ में बीबी लाल की अगुआई में बाबरी मस्जिद की खुदाई में खुद के शामिल होने के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि यह विवाद एक कम्युनिस्ट इतिहासकार के असर की वजह से बढ़ा। उनके मुताबिक कम्युनिस्ट इतिहासकारों ने मुस्लिम कम्युनिटी को इस बात के लिए मनाया कि वे मस्जिद के नीचे मंदिर होने के सबूत को खारिज कर दें। मुहम्मद के मुताबिक ज्यादातर मुसलमान शुरू में विवादित जगह पर मंदिर बनाने की इजाजत देकर मामले को सुलझाने के पक्ष में थे। उन्होंने कहा कि इतिहासकार आर्कियोलॉजिस्ट नहीं थे और खुदाई के किसी भी स्टेज पर वह उस जगह पर नहीं गए थे। उन्होंने झूठी बातें फैलाने की आलोचना की और उस समय लोगों की राय पर असर डालने वालों के बीच सीधी जानकारी की कमी की ओर इशारा किया।

मोहम्मद ने कहा है कि उस बहुत जरूरी समय में एक कम्युनिस्ट इतिहासकार ने इन सब चीजों में दखल दिया और मुस्लिम समुदाय को यकीन दिलाया कि प्रोफेसर लाल ने उस जगह की खुदाई की थी और उन्हें ऐसा कुछ नहीं मिला जिससे मंदिर के पहले से होने का पता चले। तो यह उनकी बनाई हुई चीज थी। इसलिए मुसलमानों के पास कोई और रास्ता नहीं था। उन्होंने कहा कि वे कभी उस जगह पर नहीं गए थे, न खुदाई से पहले, न खुदाई के दौरान और न ही खुदाई के बाद।

केके मोहम्मद ने कहा कि इसलिए बिना सब्जेक्ट जाने, कम्युनिस्ट इतिहासकार इस तरह की झूठी कहानियां फैला रहे थे। इसलिए किसी को तो इसका जवाब देना ही था। इसलिए पहली बार प्रोफेसर बीबी लाल जिन्होंने टीम को लीड किया था, उन्होंने इसका करारा जवाब दिया। मंदिर-मस्जिद बहस के बड़े मुद्दे पर केके मुहम्मद ने सावधानी बरतने की सलाह देते हुए कहा कि हमें बहुत सावधान रहना चाहिए। उन्होंने राम जन्मभूमि के साथ-साथ मथुरा और ज्ञानवापी को हिंदू समुदाय के लिए खास महत्व वाली जगहों के तौर पर पहचाना और मुसलमानों के लिए उनकी अहमियत मक्का और मदीना जितनी बताई।

एअर इंडिया ने एक्सपायर फिटनेस सर्टिफिकेट वाला प्लेन उड़ाया

नई दिल्ली(ईएमएस): एयरलाइन कंपनी एअर इंडिया ने अपने ए ३२०एनईओ प्लेन को एयरवर्दीनेस सर्टिफिकेट की अवधि खत्म होने के बाद भी उड़ाया। २६ नवंबर को ऑपरेटर ने डीजीसीए को इसकी जानकारी दी। एआरसी किसी भी प्लेन का फिटनेस सर्टिफिकेट होता है। यह ऑफिशियल डॉक्यूमेंट बताता है कि विमान पूरी तरह सुरक्षित और उड़ान के लिए योग्य है। इसे नियमों के अनुसार समय-समय पर जांचा जाता है।

फिलहाल, डीजीसीए ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्लेन को तुरंत ग्राउंड (उड़ान से रोकने) के निर्देश दिए हैं। मामले से जुड़े सभी लोगों को ड्यूटी से हटा (डिरोस्टर) दिया है।

ए३२०नियो विमान पहले विस्तारा एयरलाइन के बेड़े में था। इसे इसे नवंबर २०२४ में एअर इंडिया में शामिल कर दिया गया। मर्जर के बाद तय हुआ कि पहला एआरसी सर्टिफिकेट डीजीसीए जारी करेगा। डीजीसीए के अनुसार, अब तक ६९ विमानों को एआरसी जारी किया जा चुका है। ७०वें विमान को एआरसी के लिए आवेदन मिला था, लेकिन इसी दौरान उसका इंजन बदला जा रहा था। इंजन बदलने के दौरान एआरसी की अवधि खत्म हो गई, लेकिन इंजन चेंज के बाद विमान को रूट्स पर ऑपरेट किया गया। यह एयरलाइन कंपनी की गलती थी।

भारत की तीसरी बड़ी एयरलाइन विस्तारा ने ११ नवंबर को अपनी आखिरी फ्लाइट का संचालन किया। इसके बाद से विस्तारा के सभी फ्लाइट्स का ऑपरेशन एअर इंडिया कर रही है। विस्तारा एअर इंडिया और सिंगापुर एयरलाइन की जॉइंट वेंचर है। इसमें सिंगापुर एयरलाइन की ४९ प्रतिशत हिस्सेदारी है। फिर दोनों का मर्जर हो गया। इसके लिए नवंबर २०२२ में डील साइन हुई थी। भारतीय रेगुलेटर कॉम्पिटिशन कमीशन ऑफ इंडिया की ओर से इसे सितंबर २०२३ में मंजूरी मिली थी।

पाक का झूठ फिर हो गया बेनकाब

नई दिल्ली,(ईएमएस): श्रीलंका में आए भीषण चक्रवात डिटवा के बाद भारत राहत और बचाव कार्यों में लगातार अग्रणी भूमिका निभा रहा है। भारत ने ऑपरेशन सागर बंधु के तहत नौसेना, वायुसेना और एनडीआरएफ की टीमें भेजी हैं, साथ ही राहत सामग्री, चिकित्सा सहायता और आपातकालीन आपूर्ति भी जारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीलंकाई राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से फोन पर बात की और उन्हें भारत की ओर से त्वरित मदद का आश्वासन दिया। श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने इस तेज प्रतिक्रिया के लिए कृतज्ञता व्यक्त की।

वहीं पाकिस्तान के कुछ मीडिया संस्थानों ने यह झूठा दावा किया कि भारत ने श्रीलंका जा रही पाकिस्तान की मानवीय सहायता उड़ान को अपने वायु-क्षेत्र से गुजरने की अनुमति देने से इंकार किया। सरकार के आधिकारिक सूत्रों ने स्पष्ट किया कि भारत ने यह अनुमति न केवल दी, बल्कि बेहद कम समय में दी। पाकिस्तान ने १ दिसंबर को दोपहर लगभग १ बजे (आईएसटी) औपचारिक अनुमति मांगी, और भारत ने केवल चार घंटे के भीतर, शाम ५:३० बजे इसकी आधिकारिक सूचना भेजकर, मानवीय आधार पर अनुमति जारी कर दी। यह कदम शुद्ध रूप से मानवीय आधार पर उठाया गया, भले ही पहलगाम आतंकी हमले के बाद से भारत ने अपना हवाई क्षेत्र पाकिस्तान के लिए बंद रखा है, और पाकिस्तान ने अभी भी भारतीय विमानों के लिए अपना वायु-क्षेत्र बंद रखा हुआ है। सरकारी सूत्रों ने पाकिस्तानी मीडिया के दावों को बेवजह का प्रोपेगैंडा और भ्रामक रिपोर्टिंग बताया, जो क्षेत्रीय मानवीय सहयोग के मुद्दे को भी गलत सूचना फैलाने के लिए इस्तेमाल करता है।

भारत दुश्मनी के ऊपर इंसानियत को महत्व देता है, जबकि पाकिस्तान का एक वर्ग मानवीय संकटों के बीच भी झूठी सूचनाएं फैलाकर क्षेत्रीय भरोसे को तोड़ने की कोशिश करता है। भारत का त्वरित और पारदर्शी निर्णय उसकी फर्स्ट रिस्पॉन्डर की भूमिका और पड़ोसी धर्म की भावना को मजबूत करता है।

5 से दो दिवसीय गुजरात दौरे पर आएंगे अमित शाह विकास परियोजनाओं का करेंगे शुभारंभ

अहमदाबाद (ईएमएस): केंद्रीय गृहमंत्री और गांधीनगर सांसद अमित शाह ५ दिसंबर को अपने गृह राज्य गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर आएंगे। इस यात्रा के दौरान वे गांधीनगर और अहमदाबाद में विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन करेंगे, जिनमें 'द अर्थ समिट २०२५' का शुभारंभ, योग स्टूडियो, ओवरब्रिज, पुलिस कचहरी परिसर का गार्डन और अन्य खातमूहर्त कार्यक्रम शामिल हैं। उनकी यह यात्रा विकास और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'हर घर स्वदेशी' अभियान के तहत आयोजित स्वदेशी मेले का उद्घाटन भी शामिल है।

दौरे के पहले दिन, ५ दिसंबर को अमित शाह गांधीनगर में कई कार्यक्रमों में उपस्थित रहेंगे। सूत्रों के अनुसार, वे 'द अर्थ समिट २०२५' का उद्घाटन करेंगे, जो आर्थिक विकास और नवाचार पर केंद्रित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन है। यह समिट गुजरात की अर्थव्यवस्था को वैश्विक स्तर से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जिसमें व्यापारिक नेताओं, नीति-निर्माताओं और विद्वानों की भागीदारी होगी।

इसके अलावा, सेक्टर-२२ में नए योग स्टूडियो का उद्घाटन कर वे स्वास्थ्य और योग के प्रसार को बढ़ावा देंगे। यह पहल पंडित दीनदयाल उपाध्याय आयुष्मान भारत अभियान से जुड़ी हुई है। शहर के छ लेआउट सर्कल के पास बने १२७ करोड़ रुपये की लागत वाले ओवरब्रिज का उद्घाटन भी इस यात्रा का प्रमुख आकर्षण रहेगा। अहमदाबाद म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन के अधिकारियों के अनुसार, यह परियोजना ट्रैफिक जाम में कमी लाकर लगभग १.५ लाख वाहन चालकों को राहत देगी और शहरी परिवहन को सुगम बनाएगी।

एसपी कार्यालय परिसर में विकसित गार्डन का उद्घाटन कर वे पर्यावरण और जनसुरक्षा के ढांचे को मजबूत करेंगे। यह गार्डन पुलिसकर्मियों और आम जनता के लिए शांति का केंद्र बनेगा। इसके अतिरिक्त, अमित शाह -चउ और डाक विभाग की विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास सहित कई खातमूहर्त कार्यक्रमों में भी शामिल होंगे। इन कार्यक्रमों के दौरान खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (घतखउ) के लाभार्थियों को उपकरणों का वितरण भी किया जाएगा, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।

इस यात्रा के दौरान ५ से ९ दिसंबर तक ऋचवऊ ग्राउंड में आयोजित स्वदेशी मेले का भी उद्घाटन किया जाएगा। यह मेला प्रधानमंत्री मोदी के 'हर घर स्वदेशी' अभियान का हिस्सा है, जिसमें स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प और आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को प्रदर्शित किया जाएगा। गुजरात भाजपा नेताओं ने कहा कि अमित शाह की यह यात्रा राज्य के विकास को नई दिशा देगी और आर्थिक प्रगति को गति प्रदान करेगी। अमित शाह की यह यात्रा उनकी पूर्ववर्ती यात्राओं की तरह ही विकास परियोजनाओं पर केंद्रित रहेगी।

दिल्ली में हवा का ज़हरीला कहर एक्यूआई 380 के पार

नई दिल्ली (ईएमएस): दिल्ली में वायु गुणवत्ता फिर से लोगों के लिए खतरे का संकेत दे रही है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, मंगलवार सुबह आनंद विहार और गाज़ीपुर में एक्यूआई ३८३ रिकॉर्ड किया गया, जो गंभीर स्तर के करीब है। अक्षरधाम मंदिर के आसपास भी एक्यूआई ३८३ दर्ज किया गया, जबकि आईटीओ इलाके में एक्यूआई ३३१ और इंडिया गेट व कर्तव्य पथ के आसपास ३१२ रही। सीपीसीबी के अनुसार एक्यूआई ३०१-४०० बहुत खराब और ४०१-५०० गंभीर श्रेणी में आता है। शहर में स्मॉग की मोटी परत देखी जा रही है।

कार्यालय नगर पंचायत, जामताड़ा

Email Id- Jamtaranagarpanchayat@gmail.com

!! आम–सूचना !!

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) चतुर्थ घटक अन्तर्गत किस्त प्राप्त कर आवास निर्माण कार्य नहीं करने वाले लाभुकों से संबंधित अतिमहत्वपूर्ण सूचना।

निदेशक, नगरी प्रशासन निदेशालय, नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखण्ड, राँची के पत्रांक– 03/न0प0नि0/PMAY-U/अंगीकार/264/2019.......1509, दिनांक– 11.11.2025 के माध्यम से प्राप्त आदेश के आलोक में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) चतुर्थ घटक अन्तर्गत स्वीकृत लम्बित पड़े आवासों को दिनांक– 31.12.2025 तक पूर्ण किया जाना है।

अतएव किस्त प्राप्त कर आवास निर्माण कार्य नहीं करने वाले लाभुकों को सूचित किया जाता है कि विभाग द्वारा निर्धारित समय सीमा दिनांक– 31.12.2025 तक आपने आवास निर्माण कार्य अवश्य पूर्ण कर कार्यालय को सूचित करना सुनिश्चित करेंगे।

01.01.2026 के उपरांत आवास पूर्ण करने की पूरी जिम्मेवारी स्वयं लाभुक की होगी। उसे स्वयं के संसाधन से आवास निर्माण का कार्य पूर्ण कराना होगा, नगर पंचायत, जामताड़ा कार्यालय किसी भी प्रकार का भुगतान करने में असमर्थ होगा।

इसे अतिमहत्वपूर्ण समझा जाय।

कार्यपालक पदाधिकारी
नगर पंचायत,जामताड़ा

PR 367522 Urban Development and Housing(25-26)D

Government of Jharkhand
Urban Development & Housing Department
Chas Municipal Corporation, Chas

Very Short Notice Inviting Tender
Reference No. - UDD/CMC/08/2025-26

Group No.	Name of work	Tender Cost (Rs.)	Earnest Money	Cost of BOQ	Completion period
01	CONSTRUCTION OF PCC ROAD NATRAJ APARTMENT TO GANPATI APARTMENT THROUGH MAA TARA APARTMENT IN WARD NO.-02 UNDER CHAS MUNICIPAL CORPORATION	874043.00	Rs-18000.00	Rs-5000.00	03 MONTH
02	CONSTRUCTION OF PCC ROAD FROM HOUSE OF KOSHALIYA DUBEY TO KANCHAN SINGH IN WARD NO-04 UNDER CHAS MUNICIPAL CORPORATION	997400.00	Rs-20000.00	Rs-5000.00	03 MONTH
03	CONSTRUCTION OF PCC ROAD FROM HOUSE OF KIRAN KUMARI TO SHWETA KUMARI IN WARD NO-04 UNDER CHAS MUNICIPAL CORPORATION	999740.00	Rs-20000.00	Rs-5000.00	03 MONTH
04	CONSTRUCTION OF PCC ROAD FROM BIMLA SADAN TO HOUSE OF BANKIM CHANDRA MAHATO IN WARD NO-06 UNDER CHAS MUNICIPAL CORPORATION	405161.73	Rs-8500.00	Rs-1000.00	03 MONTH
05	CONSTRUCTION OF PCC ROAD FROM H/O MANTU BAURI (NEAR BRIDGE) TO GANESH BHANDAR SHOP AT NANDUA STHAN IN WARD 07 UNDER CHAS MUNICIPAL CORPORATION	999835.17	Rs-20000.00	Rs-5000.00	03 MONTH
06	CONSTRUCTION OF PCC ROAD FROM SHAMSHER KHAN TO HOUSE OF SHABBENOOR ARAFEEN IN WARD NO-08 UNDER CHAS MUNICIPAL CORPORATION	996873.64	Rs-20000.00	Rs-5000.00	03 MONTH
07	CONSTRUCTION OF PCC ROAD FROM HOUSE OF TAPAN CHAKRABARTY TO HOUSE OF NARAYAN JI AND HOUSE OF METHAR DEY TO HOUSE OF KAMAL THAKUR IN BAD KULHI BAURY MAHALLA IN WARD NO-15 AND PCC WORK AT JUNCTION OF GAYTRI MANDIR *ROAD* TO MAIN ROAD CHAS IN WARD NO-17 UNDER CHAS MUNICIPAL CORPORATION	558489.91	Rs-12000.00	Rs-5000.00	03 MONTH
08	CONSTRUCTION OF PCC ROAD FROM LALTI BHAWAN TO MITHILESH LALDEO HOUSE VIA JORIYA IN BANSIDIH IN WARD NO 28.- UNDER CHAS MUNICIPAL CORPORATION	997000.00	Rs-20000.00	Rs-5000.00	03 MONTH
09	LAYING OF PAVER BLOCK ROAD FROM HOUSE OF CHHOTELAL KARMKAR TO HOUSE OF NILKHANTH GORAIN AND HOUSE OF ANADI JHA TO BANSHI DHAR JHA AT WARD NO -34 UNDER CHAS MUNICIPAL CORPORATION	823150.00	17000.00	Rs-5000.00	03 MONTH
A	परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि एवं समय	08/12/2025 को पूर्वाह्न 10:00 बजे से अपराह्न 02:00 बजे तक।			
B	निविदा प्राप्त करने की अन्तिम तिथि एवं समय	10/12/2025 को अपराह्न 02:00 बजे तक।			
C	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	10/12/2025 को अपराह्न 03:00 बजे ।			
D	निविदा आमंत्रित करनें वाले पदाधिकारी	Additional Municipal Commissioner Chas Municipal Corporation, Chas.			
E	निविदा आमंत्रित करनें वाले पदाधिकारी का टेलीफोन नं0/ प्रोक्योरमेन्ट सैल का सं0	7766907810			

प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है अतः परिमाण विपत्र खरीदनें के पूर्व कार्यालय सूचना पट्ट पर प्रकाशित सूची के अनुसार ही अग्रधन देय होगा निविदा समिति का निर्णय को चुनौती नहीं दी जा सकती है। विशेष शर्त्तें सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।

प्रशासक
–सह–
अपर नगर आयुक्त, चास नगर निगम

PR 367487 Urban Development(25-26).D

जिला परिषद, धनबाद

अति अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना सं0 –23/2025-26/DE/ZPDH/DHANBAD

क्र	प्रखण्ड	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	B.O.Q. मूल्य	अग्रधन राशि	समय अवधि
01	धनबाद	जिला योजना अनाबद्ध निधि धनबाद प्रखण्ड अन्तर्गत मौजा धैया में बने वन प्रमंडल कार्यालय एवं वन–विश्रामागार में जाने हेतु पथ का निर्माण एवं 300 स्ट्रीट लाईट का अधिष्ठापन।	57,89,600	10,000	B.O.Q. का 2%	3 माह
02	धनबाद	पुलिस केन्द्र धनबाद परिसर में बाउण्ड्री के किनारे/अन्दर नाली निर्माण।	51,80,900	10,000	B.O.Q. का 2%	3 माह
03	धनबाद	नवनिर्मित बरवाअड्डा थाना से जी0टी0 रोड तक सम्पर्क पथ का निर्माण।	46,48,000	5,000	B.O.Q. का 2%	3 माह
04	धनबाद	अंचल कार्यालय, धनबाद का चाहरदिवारी निर्माण।	18,43,200	5,000	B.O.Q. का 2%	3 माह

1. वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि : **06-12-2025**
2. ई0–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय : दिनांक **16-12-2025** को **5 P.M.** बजे तक
3. निविदा खोलने कि तिथि एवं समय : दिनांक **18-12-2025** को **3:00 P.M.** बजे।
4. केवल ई–निविदा **(E-Tender)** ही स्वीकार की जाएगी।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी : जिला अभियंता, जिला परिषद, धनबाद
6. ई–निविदा प्रकोष्ट का दूरभाष संख्या– **9431396945**
7. जिला परिषद, धनबाद के अन्तर्गत समुचित श्रेणी से निबंधित संवेदक ही निविदा में भाग लेगें।
8. परिमाण विपत्र विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है, तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल **Online Mode** द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। यदि खाता बन्द कर दिया जाता है तो सारी जवाबदेही संवेदक की होगी।
11. योजनाओं की विवरणी एवं अन्य विस्तृत जानकारी वेबसाईट https://jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

ह0/–
जिला अभियंता
जिला परिषद, धनबाद

PR 367480 Urban Development(25-26).D

झारखण्ड सरकार
श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग
अवर प्रादेशिक नियोजनालय, बोकारो

भर्ती कैम्प से संबंधित सूचना

अवर प्रादेशिक नियोजनालय, बोकारो, कैम्प–2, द्वारा नियोजनालय परिसर में दिनांक 05.12.2025 को एक दिवसीय भर्ती कैम्प का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें निजी क्षेत्र के निम्नलिखित प्रतिष्ठानों ने उपस्थित रहने की सहमति प्रदान की है:–

Sl	Employer Name	Post details	Job Location	Qualification	Exeperience	Age	Salary
01	Kalyan Gurukul Bokaro	Tiles Fitter, Bar Bender, Electrician, Plumber, AC Ductman, Pipe Fitter, Insulation Technician, (100) **For Male**	International Dubai,	10th	Fresher	18-35 Years	1000-1300 AED (Approx – 30000-40000)
		Forklift Driving (100) **For Female**	TVS Mobility in Pan India	8th + Lmv License	Fresher	18-35 Years	19000-21000 PF+ ESIC+ Overtime
02	Channel Play Ltd. Gurugram, (Haryana)	Promoter (05)	Kasmar,Gomia, Nawadih, Bermo, Jaridih	10th	Fresher	20+ Years	13K + Incentive + Fuel

योग्य एवं इच्छुक आवेदक जो पूर्व से निबंधित नहीं हैं वे अपने निकटतम नियोजनालय में अथवा https://jharniyojan.jharkhand.gov.in पर अपना निबंधन कराते हुए उपरोक्त भर्ती कैम्प में नियोजक के प्रतिनिधि के समक्ष अपने सभी शैक्षणिक प्रमाण पत्रों (एक छायाप्रति के साथ), निबंधन कार्ड, पासपोर्ट साईज का फोटो एवं बायोडाटा (दो प्रतियों में) के साथ चयन प्रक्रिया हेतु उपस्थित हों। भर्त्ती कैम्प सुबह 11:00 बजे से संध्या 04.00 बजे तक होगा। रिक्तियां निजी क्षेत्र की है। चयन प्रक्रिया में नियोजनालय का कोई हस्तक्षेप नहीं होगा। साक्षात्कार में उपस्थित होने के लिए किसी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।

नियोजन पदाधिकारी
अवर प्रादेशिक नियोजनालय, बोकारो

PR 367517 Labour Employment and Traning(25-26).D

पटना में लालू यादव का नया महल लगभग तैयार

पटना (एजेंसी): बिहार की राजनीति में लालू यादव का नया घर या यूं कहे नया आलीशान 'महल' चर्चा में है. सोशल मीडिया पर वायरल हो रही वीडियो और तस्वीरों के अनुसार, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का पटना में नया बंगला बनकर तैयार होने वाला है और कंस्ट्रक्शन तेजी से चल रहा है. कहा जा रहा है कि १० सर्कुलर रोड पर सरकारी बंगला खाली करने के बाद यहीं पर लालू यादव और उनकी पत्नी राबड़ी देवी के इस घर में शिफ्ट होने की उम्मीद है.

राजद सुप्रीमो लालू यादव का नया बंगला पटना के दानापुर के महुआबाग इलाके में बन रहा है. घर करीब-करीब पूरा हो चुका है और अभी अंदर का काम चल रहा है. घर पिछले डेढ़ साल से बन रहा है. रिपोर्ट्स बताती हैं कि लालू यादव का प्राइवेट घर एक बड़ी हवेली जैसा दिखता है. लालू और राबड़ी देवी दोनों ने अक्सर कंस्ट्रक्शन का इंस्पेक्शन किया है.

सिक्योरिटी कारणों से बिल्डिंग के चारों तरफ १० से १५ फीट ऊंची एक मजबूत बाउंड्री वॉल बनाई गई है. यह हवेली आस-पास रहने वाले लोगों के बीच चर्चा का विषय है. बिल्डिंग का डिजाइन और आर्किटेक्चर आने-जाने वालों का ध्यान खींचता है.

इस बंगले का पूरा कॉम्प्लेक्स खुला, सुरक्षित और मॉडर्न सुविधाओं से लैस है. बंगले में ८ बड़े बेडरूम, एक बड़ा ड्राइंग हॉल, एक गेस्ट रूम, एक प्रार्थना कक्ष, एक फैमिली लाउंज और अलग स्टाफ क्वार्टर हैं. बिल्डिंग के चारों ओर एक बड़ा ग्रीन ज़ोन और एक सुंदर गार्डन भी बनाया जा रहा है. पार्किंग की सुविधा भी दी गई है.

बता दें कि १० सर्कुलर रोड पर सरकारी बंगला खाली करने के आदेश के बाद उम्मीद है कि लालू यादव ३१ हार्डिंग रोड पर दूसरे सरकारी घर में जाने के बजाय इस प्राइवेट घर में जा सकते हैं. हालांकि, कुछ फिनिशिंग के काम, खासकर इंटीरियर का काम अभी भी बाकी हैं और इसमें कुछ और महीने लग सकते हैं.

महागठबंधन की बैठक में नहीं पहुंचे कांग्रेस के चार विधायक

पटना,(ईएमएस): बिहार चुनाव में हार को बाद महागठबंधन के प्रमुख दलों- आरजेडी और कांग्रेस के बीच दरार नजर आ रही है. हार के बाद दोनों दल एक-दूसरे पर हार का ठिकरा फोड़ते नजर आ रहे हैं, जिससे राजनीतिक तनाव और जुबानी जंग तेज हो गई है. इस बीच केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बड़ा दावा किया है उन्होंने कहा कि बिहार में विपक्ष अब पूरी तरह धराशाई हो चुका है और कई विधायक इस डूबती नाव में रुकना नहीं चाहते। चिराग ने कहा कि मुझे नहीं पता कौन किसके साथ जाएगा, लेकिन कई विधायक ऐसे हैं जो एनडीए के साथ जुड़ना चाहते हैं, ताकि अपने क्षेत्र और बिहार के विकास को गति दे सकें।

भूल जाइए राजभवन को, अब बिहार लोक भवन कहने की आदत डाल लीजिए

पटना (एजेंसी): पटना में स्थित ऐतिहासिक राज भवन का नाम अब आधिकारिक रूप से बदल दिया गया है. राज्यपाल के प्रधान सचिव आर. एल. चोंग्थू द्वारा जारी अधिसूचना के बाद यह भवन अब नए नाम 'बिहार लोक भवन' के रूप में जाना जाएगा. यह निर्णय केंद्र सरकार की उस नीति का हिस्सा है, जिसमें राज्यपाल आवासों के नाम अधिक जनसरोकार वाले स्वरूप में परिवर्तित किए जा रहे हैं. अधिसूचना लागू होते ही सभी विभागों में पुराने नाम का उपयोग बंद कर दिया गया है.

केंद्र की ओर से २५ नवंबर २०२५ को जारी आदेश के अनुसार सभी राज्यों के राज भवनों का नाम बदलकर 'लोक भवन' और केंद्र शासित प्रदेशों के राज निवास का नाम 'लोक निवास' करने का निर्देश दिया गया था. इसके बाद बिहार सरकार ने भी इसे तत्काल प्रभाव से लागू किया. यह कदम शासन व्यवस्था को अधिक लोकतांत्रिक स्वरूप देने के उद्देश्य से उठाया गया माना जा रहा है.

नए नाम के लागू होते ही विभागों में रिकॉर्ड अपडेट करने का काम शुरू हो गया है. भवन परिसर के साइन बोर्ड, नेम प्लेट, गेट के बोर्ड और सभी आधिकारिक संकेतकों को बदला जा रहा है. राज्यपाल सचिवालय की वेबसाइट पर भी नया नाम अपडेट कर दिया गया है. अब सार्वजनिक पत्राचार, सरकारी नोट शीट, आदेशों और प्रेस विज्ञप्तियों में केवल 'बिहार लोक भवन' का ही उपयोग होगा.

-राज भवन का इतिहास करीब सौ साल से अधिक पुराना है. इसकी नींव वर्ष १९१३ में तत्कालीन वायसराय लॉर्ड हार्डिंग ने रखी थी और १९१६ में इसका उद्घाटन किया गया था. ब्रिटिश शासन के दौरान इसे प्रशासकों के आवास के रूप में इस्तेमाल किया जाता था. नाम बदलने की प्रक्रिया को केंद्र सरकार के उस प्रयास से जोड़ा जा रहा है, जिसके तहत औपनिवेशिक प्रतीकों को हटाकर भारतीयता और लोकतांत्रिक मूल्यों से जुड़ी पहचान को बढ़ावा दिया जा रहा है.

बिहार लोक भवन नामकरण के बाद इस परिसर की छवि भी एक नए रूप में उभर रही है. सरकारी स्तर पर यह कदम सिर्फ नाम परिवर्तन नहीं माना जा रहा, बल्कि प्रतीकात्मक रूप से इसे जनता से जुड़ी शासन सोच का हिस्सा बताया जा रहा है. इससे संबंधित सभी औपचारिक व्यवस्थाएं आने वाले दिनों में पूरी तरह अपडेट कर दी जाएंगी.

मुख्यमंत्री कलाकार पेंशन योजना मिलेंगे 3 हजार रुपये

पटना (एजेंसी):: बिहार सरकार द्वारा राज्य की सांस्कृतिक धरोहर को सुरक्षित रखने और आजीवन कला के लिए समर्पित वरिष्ठ कलाकारों को आर्थिक सहारा देने के लिए 'मुख्यमंत्री कलाकार पेंशन योजना' चलाया जा रहा है. इस योजना के तहत राज्य के ऐसे कलाकार, जिनकी उम्र ५० वर्ष से अधिक है और जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं, उन्हें हर महीने ३००० रुपये की पेंशन दी जाएगी.

इस योजना का लाभ केवल उन्हीं कलाकारों को मिलेगा, जो बिहार के मूल निवासी हों और कला के क्षेत्र में कम से कम १० साल तक सक्रिय रहे हों. साथ ही उनकी वार्षिक आय १,२०,००० रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए. वहीं सरकारी नौकरी में कार्यरत लोग इस योजना का लाभ नहीं ले सकेंगे. इसके अलावा कलाकारों को विभागीय कलाकार पंजीकरण पोर्टल पर पंजीकृत होना अनिवार्य है.

सरकार का मानना है कि कई वरिष्ठ कलाकार आर्थिक तंगी में अपना जीवन गुजार रहे हैं, जबकि उन्होंने राज्य की सांस्कृतिक परंपराओं को बचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है. यह योजना ऐसे कलाकारों के जीवन में स्थिरता ला रही है और उन्हें सम्मानजनक सहयोग मिल रहा है. ऐसे में जिन कलाकारों को इस योजना का लाभ लेना है उन्हें आवश्यक दस्तावेजों के साथ संबंधित जिलाधिकारी कार्यालय में जाकर आवेदन करना चाहिए. योजना का लाभ लेने के लिए आप डिपार्टमेंट द्वारा दिया गया एप्लीकेशन फॉर्म, डिपार्टमेंट ऑफ़ आर्ट, कल्चर एंड यूथ की ऑफिशियल वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं. योजना को लेकर किसी भी प्रकार की दिक्कत होने पर वह जिले के कला एवं संस्कृति पदाधिकारी से संपर्क कर सकते हैं.

बिहार विधानसभा के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए प्रेम कुमार

पटना (एजेंसी): गया टाउन से लगातार ९वीं बार के विधायक डॉ. प्रेम कुमार को बिहार विधानसभा का १८वां अध्यक्ष निर्विरोध चुन लिया गया है. उन्होंने मंगलवार को कार्यभार ग्रहण किया. दरअसल, अध्यक्ष पद के लिए महागठबंधन की तरफ से किसी अन्य उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल नहीं किया था. इसलिए उनका निर्वाचन तय माना जा रहा था. विपक्षी दल राजद के विधायकों ने भी प्रेम कुमार के नाम पर सहमति जताया.

प्रोटेम स्पीकर नरेंद्र नारायण यादव ने सदन को बताया कि प्रेम कुमार ही अकेले उम्मीदवार थे, जिनका नाम इस पद के लिए आया था. इसके बाद उन्हें वॉयस वोट के बाद बिना किसी सहमति के चुना गया घोषित किया गया. रिवाज के मुताबिक, प्रेम कुमार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव चेयर तक ले गए. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि मैं पूरे सदन की तरफ से प्रेम कुमार जी को बधाई देता हूं. उनके पास लंबा अनुभव है और वे सदन के कामकाज में पूरा सहयोग करेंगे. मैं अनुरोध करता हूं कि पूरा सदन एक बार खड़ा होकर उन्हें सम्मान दे.

राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष को लेकर आरजेडी का समर्थन है. उन्होंने कहा कि अध्यक्ष ऐसा होना चाहिए, जिसका सब दल पर ध्यान रहना चाहिए. भाई वीरेंद्र ने कहा कि ये बात जान लीजिए जैसे महाराष्ट्र में हुआ है वैसा ही बिहार में भी होने वाला है.

आग लगने से तीन नेपाली यात्रियों की मौत

बलरामपुर (ईएमएस): बलरामपुर के फुलवरिया बाईपास पर सोमवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। सोनौली से दिल्ली जा रही एक पैसेंजर बस अनियंत्रित होकर हाई-टेंशन लाइन और ट्रांसफार्मर से टकरा गई। टक्कर के बाद बस में आग लग गई। हादसे में तीन यात्रियों की झुलसकर मौत हो गई।

बस के टकराने के बाद गर्म कपड़े ले जा रहे एक ट्रक में भी आग लग गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। अधिकारियों ने बताया कि हादसे के समय बस में ज्यादातर यात्री नेपाल के थे। हादसे में २४ अन्य यात्री भी घायल हुए, जिनमें से छह की हालत गंभीर बताई जा रही है।

कंगना रणौत की बढ़ेगी मुश्किलें

आगरा (ईएमएस): फिल्म अभिनेत्री और हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा से भाजपा सांसद कंगना रणौत के खिलाफ प्रस्तुत परिवाद में स्पेशल मजिस्ट्रेट एमपी-एमएलए अनुज कुमार सिंह ने इंस्पेक्टर न्यू आगरा को बीएनएसएस की धारा २२५ (१) के तहत आदेश देकर १५ दिनों के अंदर रिपोर्ट भेजने को कहा है। वाद की की अगली सुनवाई के लिए १६ दिसंबर की तिथि नियत की है।

अधिवक्ता और राजीव गांधी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रमाशंकर शर्मा ने ११ सितंबर २०२४ को न्यायालय में कंगना रणौत के खिलाफ वाद प्रस्तुत किया था। आरोप था कि सांसद ने २६ अगस्त २०२४ को किसानों के लिए दिए बयान में अपमानजनक बातें बोली थीं। उनके बयान से उनकी और लाखों लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। अधीनस्थ न्यायालय के छह मई २०२५ को परिवाद खारिज करने के बाद वादी ने आदेश के खिलाफ सत्र न्यायालय में रिवीजन प्रस्तुत किया था। स्पेशल कोर्ट एमपी-एमएलए ने रिवीजन याचिका को स्वीकार कर लिया था। वादी ने पुलिस की रिपोर्ट को अधूरा बताया था। इसके बाद न्यायालय ने दूसरी बार थाना न्यू आगरा से जांच रिपोर्ट मांगी है।

जमा खान ने देखा ओसामा और फूट पड़ा भाई-भाई का जज्बा

पटना (ईएमएस): बिहार विधानसभा के शीतकालीन सत्र में सोमवार को जब २४३ नवनिर्वाचित विधायकों ने विधिवत शपथ ली, तब तक सबकुछ सामान्य दिख रहा था। लेकिन सत्र खत्म होते-होते एक ऐसा दृश्य सामने आया जिसने राजनीतिक गलियारों में नई खिचड़ी पकानी शुरू कर दी। नीतीश सरकार के मंत्री जमा खान को आरजेडी विधायक और दिवंगत शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब से कुछ यूं आत्मीयता दिखाते देखा गया कि लोग शपथ को भूलकर 'रिश्तों' की व्याख्या करने लगे।

शपथ के बाद बाहर निकलते समय जमा खान सीधे ओसामा की गाड़ी पर जा पहुंचे और बड़े गर्मजोशी से हाथ मिलाया। कैमरे चालू थे, माइक आगे बढ़े हुए थे, लेकिन माहौल ऐसा था जैसे किसी बरसों पुराने दोस्त से मुलाकात हो। फिर मंत्री जी ने तुरंत फरमान सुना दिया। घर आइए वह मेरे छोटे भाई की तरह हैं।

अब बिहार की राजनीति में भाई-भतीजावाद नई बात नहीं,

लेकिन यह भाई-प्रेम शपथ मंच से ज्यादा वायरल हो गया। मीडिया ने स्वाभाविक ही पूछा - मंत्री जी, अचानक इतना प्यार क्यों? जवाब आया, इसमें दिक्कत क्या है? विधायक हैं, छोटे भाई हैं, सब भाई हैं

सवाल यह है कि यदि सभी विधायक भाई हैं, तो ओसामा को ही इतना 'विशेष स्नेह' क्यों? राजनीतिक गलियारों में इस दृश्य को लेकर चर्चाओं का सिलसिला तेज है। कुछ लोग इसे राजनीतिक संकेत बता रहे हैं, कुछ इसे भावनात्मक क्षण कहकर टाल रहे हैं, जबकि आलोचक पूछ रहे हैं; क्या यह नई शुरुआत है, या पुरानी यादों की वापसी?

उधर, ओसामा ने अपनी पहली एंट्री में ही सुर्खियां बटोरीं। रघुनाथपुर सीट से जीतने के बाद उनका विधानसभा में पहला दिन वैसे भी खास था, लेकिन मंत्री की यह सार्वजनिक आत्मीयता उनकी जीत में एक नया 'रंग' भर गई। बहरहाल, शपथ ग्रहण तो खत्म हो गया, लेकिन सोशल मीडिया पर अब चर्चा यह है कि बिहार की राजनीति में रिश्तों का गणित बदल रहा है या सिर्फ भाई-भाई खेला जा रहा है।

बस्ती में कई कारणों से दो लाख से ज्यादा मतदाताओं के नाम हटाए

बस्ती,(ईएमएस): विधानसभा क्षेत्रवार निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान का कार्य तेजी से चल रहा है। सोमवार को जनपद के ७४.२६ फीसदी मतदाताओं का डाटा डिजिटाइज्ड हो गया। अभी भी २५ फीसदी मतदाताओं का डिजिटाइजेशन का कार्य होना बाकी है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिले में १९ लाख ४३० मतदाता हैं। इनमें से १४ लाख १२ हजार आठ मतदाताओं का डाटा डिजिटाइज्ड हो गया है। इनमें से ८१६ मतदाताओं ने खुद अपना डाटा फीड किया। एसआईआर के दौरान ४८३२६ मतदाता ऐसे चिह्नित किए गए हैं, जिनकी मृत्यु हो चुकी है।

इनके डाटा को बीएलओ ने परिवार वालों से कलेक्ट किया। इनका नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया है और निर्वाचक नामावली में कटे मतदाता के तौर पर डिजिटाइज्ड कर दिया गया है। यह कुल मतदाताओं का २.५४ फीसदी है। जिले में ३५६५६ मतदाता ऐसे हैं, जो अब्सेंट हैं। उनको बीएलओ खोज नहीं पाए। जानकारी के मुताबिक स्थाई तौर पर ११७७०९ मतदाता स्थाई तौर पर दूसरी जगह पर शिफ्ट हो गए। २३२६७ मतदाता ऐसे हैं, जो दूसरी जगह पर इनरोल्ड हैं और उनका नाम दूसरी जगह से काट दिया जाएगा। अन्य कारणों से २७७७ मतदाताओं का नाम सूची से हटाया गया है।

20 हजार लोगों को मिलेगा आवास

गाजियाबाद (ईएमएस): गाजियाबाद के सबसे पुराने और जर्जर हो चुके तुलसी निकेतन आवासीय परिसर का व्यापक पुनर्विकास करना, ताकि करीब २० हजार से अधिक निवासियों को सुरक्षित और आधुनिक आवास मिल सके। गुरुवार को जीडीए (गाजियाबाद विकास प्राधिकरण) और एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड के बीच परियोजना के लिए समझौता पत्र पर हस्ताक्षर हुए हैं। यह प्रोजेक्ट पीपीपी (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल पर विकसित किया जाएगा। पुनर्विकास की लागत न तो प्राधिकरण पर आएगी और न ही आवंटियों पर, जिससे निवासियों पर कोई आर्थिक भार नहीं पड़ेगा। एनबीसीसी इस प्रोजेक्ट को परियोजना प्रबंधन सलाहकार (पीएमसी) के रूप में दो चरणों में पूरा करेगा। समझौता हस्ताक्षर के बाद, आठ सप्ताह में एनबीसीसी प्राधिकरण को प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपेगा, जिसमें क्रियान्वयन मॉडल का आंकलन होगा। शुरुआती रिपोर्ट के आधार पर डीपीआर (विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट) तैयार की जाएगी। वर्तमान स्थिति: जीडीए ने वर्ष १९८९-९० में ७.८३ हेक्टेयर भूमि पर यह योजना विकसित की थी। कुल २,२९२ फ्लैट (२००४ ईडब्ल्यूएस और २८८ एलआइजी) और ६० दुकानें बनाई गई थीं। वर्तमान में यहां २० हजार से अधिक लोग निवास करते हैं। योजना के १६ एकड़ क्षेत्र में निजी डवलपर्स के सहयोग से नई बहुमंजिला आवासीय इमारतें बनाई जाएंगी।

बिहार में हुआ अब तक का सबसे बड़ा टैलेंट सर्च टेस्ट

पटना (एजेंसी):: बिहार में विज्ञान और गणित के युवा प्रतिभाओं को खोजने के उद्देश्य से आयोजित तीन दिवसीय राज्य स्तरीय टैलेंट सर्च टेस्ट रविवार को समाप्त हो गया. विज्ञान प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के निर्देश पर बिहार काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी ने इसे इंजीनियरिंग कॉलेजों और पॉलिटेक्निक संस्थानों में आयोजित कराया. यह परीक्षा २९ नवंबर से १ दिसंबर तक चली, जिसमें लगभग ९६ हजार छात्रों ने हिस्सा लिया. इतनी बड़ी संख्या को देखते हुए इसे राज्य की अब तक की सबसे व्यापक टैलेंट खोज प्रतियोगिता माना जा रहा है.

बीसीएसटी ने इस बार प्रतियोगिता को दो श्रेणियों में संचालित किया, 'श्रीनिवास रामानुजन टैलेंट सर्च टेस्ट इन मैथमेटिक्स-२०२५' और 'सर सीवी रमन टैलेंट सर्च टेस्ट इन साइंस-२०२५'. गणित दिवस २२ दिसंबर और विज्ञान दिवस २८ फरवरी को मनाए जाने के कारण दोनों ही परीक्षाओं से जुड़े पुरस्कार इन्हीं अवसरों पर छात्रों को प्रदान किए जाएंगे. प्रतियोगिता की पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए इस बार प्रतिभागियों को २५ ऑब्जेक्टिव प्रश्नों का उत्तर देना था, जिसमें नेगेटिव मार्किंग भी रखी गई. बीसीएसटी का मानना है कि इससे केवल सही मायनों में प्रतिभाशाली और मेहनती छात्र आगे आएंगे. परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को अलग-अलग स्तरों पर सम्मानित किया जाएगा. राज्य स्तर पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पाने वालों को लैपटॉप, मेडल और प्रमाण पत्र दिया जाएगा. वहीं जिला स्तर पर टॉप तीन विद्यार्थियों को क्रमशः ५ हजार रुपये, ३ हजार रुपये, मेडल और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा. जिला स्तर पर टॉप-१० में आने वाले छात्रों को स्थानीय प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सम्मानित किया जाएगा.

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

ई.निविदा सूचना सं. : एस.जी. 664–22–संकेत–2025–26 भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्रम सं० : 1. कार्य का नाम : (1) आरयूबी डीएचएन–सीआरपी सेक्शन द्वारा लेवल क्रॉसिंग संख्या – 3/ए/3टी, 4/ए/2टी, 6/सी/3टी, 6ए/ए/टी, एमसी–7 और जेके 07–08 के उन्मूलन के संबंध में सिग्नलिंग कार्य। (2) जीएचडी–सीपीयू सेक्शन:– जीएचडी–सीपीयू सेक्शन में सबवे (एलएचएस) द्वारा लेवल क्रॉसिंग का उन्मूलन (एलसी संख्या – 6/सी/टी और 55/सी/ई = 2 संख्या)। **2. कार्य का आकलित मूल्य :** ₹ 1,76,72,433.91 (लगभग), **3. कार्य का अग्रधन राशि :** ₹ 2,38,400.00, **4. निविदा बंद होने की तिथि एवं समय :** 22.12.2025 (14:00 बजे)।

5. ऐसी ई.निविदाओं के तहत डाक/कुरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई.निविदा के ई.निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : **http//www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध होंगे। द्रष्टव्य :– प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई.निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए ये निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम दस दिन पहले वेबसाइट : **http//www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें।

वरीय मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियंता
पूर्व मध्य रेल, धनबाद

पीआर/1366/डीएसएन/एसडीटी/टी/25–26/44

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत) पूर्व मध्य रेल, धनबाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई.निविदा संख्या : ईएल/43/खुली/2025–26, कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधि : धनबाद मंडल में टाइप II-421, टाइप III-119, टाइप IV-80,और टाइप V-27 स्टाफ क्वार्टरों की रिवायरिंग। (कार्य समापन अवधि : बारह माह), कार्य के लिए प्राक्कलित राशि : ₹2,31,81,325.98, बिड सिक्युरिटी : ₹2,65,900/–

ई.निविदा संख्या : ईएल/44/खुली/2025–26, कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधि : (अ) पहाड़पुर–धनबाद डिवीजन के पहाड़पुर डिपो में ओएचई डिपो और टॉवर वैगन शेड का विस्तार और उन्नयन से संबंधित वैद्युतिक कार्य (ब) धनबाद डिवीजन के विभिन्न पंप हाउसों पर एपीएफसी पैनल का प्रावधान। (कार्य समापन अवधि : बारह माह), कार्य के लिए प्राक्कलित राशि : ₹22,33,718.21, बिड सिक्युरिटी : ₹44,700/–

बिड मूल्यांकन प्रणाली : एक पैकेट प्रणाली, ई–निविदा बंद होने एवं खुलने की तिथि एवं समय : ई–निविदा बंद होने की तिथि : दिनांक 19.12.2025 को 11.00 बजे। ई–निविदा खुलने की तिथि : दिनांक 19.12.2025 को 11.30 बजे के बाद। वेबसाईट का विवरण : वेबसाइट www.ireps.gov.in ई–निविदा के तहत मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत/पूमरे/धनबाद

पीआर/1349/डीएसएन/ईएलईसीटी/टी/25–26/40

सोनपुर मेले में छात्रों के लिए लगा खास स्टॉल

नामांकन प्रक्रिया और ऑनलाइन सुविधाओं की मिल रही जानकारी

पटना (एजेंसी): सोनपुर मेला इस बार शिक्षात्मक पहल का भी केंद्र बन गया है, जहां बी.बोस ने एक विशेष स्टॉल लगाया है. यह स्टॉल छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को नामांकन से लेकर परीक्षा प्रक्रिया तक की पूरी जानकारी उपलब्ध करा रहा है. इसका उद्देश्य उन बच्चों और युवाओं को पढ़ाई का दूसरा मौका देना है जो स्कूलिंग से वंचित रह गए थे.

विश्व प्रसिद्ध सोनपुर मेले में इस बार बिहार मुक्त विद्यालयी शिक्षण एवं परीक्षा बोर्ड (बी.बोस) का सूचना स्टॉल लोगों का ध्यान खींच रहा है. मेला एक माह तक चलता है और इसमें कई सरकारी विभाग अपनी योजनाओं को प्रदर्शित करते हैं. इन्हीं में से बी.बोस का स्टॉल उन विद्यार्थियों और अभिभावकों के लिए खास साबित हो रहा है, जो शिक्षा को लेकर जानकारी हासिल करना चाहते हैं. स्टॉल का उद्देश्य उन युवाओं और किशोरों को पढ़ाई में वापस जोड़ना है, जो किसी कारण से नियमित स्कूल नहीं जा सके.

बी.बोस वर्षों से उन छात्रों को माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर पर मान्यता प्राप्त शिक्षा उपलब्ध कराता है, जो औपचारिक स्कूलिंग से बाहर रह गए हैं. स्टॉल उन्हीं बच्चों और युवाओं को फिर से पढ़ाई जोड़ने में मदद कर रहा है. कई विद्यार्थी, खासकर ग्रामीण इलाकों से आने वाले, यहां आकर नामांकन की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज, विषय विकल्प और परीक्षा संरचना के बारे में विस्तार से जान रहे हैं. यह पहल उन परिवारों के लिए राहत है जो आर्थिक, सामाजिक या व्यक्तिगत कारणों से बच्चों की पढ़ाई पूरी नहीं करा पाए.

स्टॉल पर प्रशिक्षित कर्मी लगातार आगंतुकों को बोर्ड से जुड़ी जानकारी सरल भाषा में समझा रहे हैं. इसमें मुख्य रूप से नामांकन प्रक्रिया, ऑनलाइन सुविधाएं, परीक्षा प्रणाली, परिणाम जारी होने की प्रक्रिया, अध्ययन सामग्री, और विभिन्न अध्ययन केंद्रों के बारे में विवरण शामिल है. स्टॉल पर रोज सैकड़ों लोग पहुंच रहे हैं, जिनमें छात्र तो हैं ही, साथ ही उनके अभिभावक और कई शिक्षक भी इस पहल की सराहना कर रहे हैं. प्रशिक्षित टीम बताती है कि बोर्ड के माध्यम से छात्र आगे की पढ़ाई भी आसानी से जारी रख सकते हैं और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए योग्य बन सकते हैं.

बी.बोस के कर्मियों ने बताया कि यह स्टॉल केवल मेले तक सीमित नहीं है. मेला समाप्त होने के बाद भी बोर्ड अपने कार्यालयों और ऑनलाइन माध्यमों से विद्यार्थियों को सहयोग प्रदान करता रहेगा. यदि कोई छात्र या अभिभावक नामांकन या परीक्षा प्रक्रिया से संबंधित किसी प्रकार की जानकारी चाहता है, तो टीम उन्हें आगे भी पूरी सहायता देती रहेगी. इस तरह स्टॉल केवल एक सूचना केंद्र नहीं, बल्कि शिक्षा को नई दिशा देने का प्रयास भी है.

निकाय चुनाव में आरक्षण तय करने की प्रक्रिया तेज
एससी-एसटी के लिए 2011 की जनगणना होगी आधार

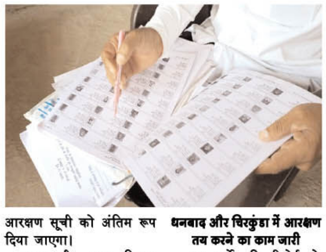

रांची (एजेंसी): झारखंड में निकाय चुनाव की दिशा तेजी से साफ होती जा रही है। वार्डों के आरक्षण को लेकर जिला स्तर पर रिपोर्ट तैयार करने का काम लगभग शुरू हो चुका है।

अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए २०११ की जनगणना को आधार बनाया जाएगा, जबकि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी-१ और श्रेणी-२ के लिए हालिया सर्वे की रिपोर्ट लागू होगी। अंतिम निर्णय चुनाव आयोग करेगा।

धनबाद के जिला पंचायत राज पदाधिकारी बलवंत कुमार ने बताया कि नगर निगम और नगर परिषदों के वार्डों में किस वर्ग को आरक्षण मिलेगा, इसका प्रारंभिक प्रस्ताव जिला प्रशासन तैयार कर चुनाव आयोग को भेजेगा। आयोग की मंजूरी के बाद ही आरक्षण सूची को अंतिम रूप दिया जाएगा।

साथ ही, नगर निकाय चुनाव आयोजन की जिम्मेदारी चुनाव आयोग के निर्देशानुसार पंचायत राज विभाग के पास है।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि ओबीसी आरक्षण के लिए नया सर्वे ही मान्य आधार होगा, जबकि एससी-एसटी के मामले में पुरानी जनगणना को ही स्वीकार किया जाएगा।

धनबाद और चिरकुंडा में आरक्षण तय करने का काम जारी

नए सर्वे की रिपोर्ट के आधार पर धनबाद नगर निगम और चिरकुंडा नगर परिषद की वार्डवार सीटों का आरक्षण तय किया जा रहा है।

वहीं एससी-एसटी आरक्षण के लिए २०११ की जनगणना रिपोर्ट लागू की जाएगी।

जिला प्रशासन ने यह भी साफ किया कि आयोग के निर्णय को ही अंतिम माना जाएगा, पंचायत राज विभाग केवल नियमों के तहत प्रस्ताव भेजेगा।

चुनाव की तैयारी में जुटा जिला प्रशासन

आगामी निकाय चुनाव को लेकर जिला प्रशासन तैयारियों का जायजा ले चुका है। मतदान कर्मियों की तैनाती, बैलेट बॉक्स, डिस्पैच स्थल और मतगणना केंद्रों का निरीक्षण कर लिया गया है।

जिला पंचायत राज पदाधिकारी मुकेश कुमार बाउरी ने बताया कि तीन दिसंबर को उपायुक्त की अध्यक्षता में सभी बीडीओ, सीओ और उपनिर्वाचन पदाधिकारियों की बैठक होगी।

इसमें चुनाव प्रक्रिया और आरक्षण से जुड़ी प्रगति पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि उपायुक्त के निर्देश पर गठित कमेटी वार्डों की आरक्षित सूची तैयार करने में लगी है।

जेल में बंद कारोबारी विनय सिंह अब कंपनी हड़पने के मामले में रिमांड पर

रांची (एजेंसी): वन भूमि और सेवाय भूमि घोटाले में बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार (होटवार) में बंद नामी ऑटोमोबाइल कारोबारी विनय सिंह की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। रांची पुलिस ने उन्हें एक नया और गंभीर मामला (जगन्नाथपुर थाना कांड संख्या ४५८/२०२५) में गिरफ्तार कर कोर्ट से रिमांड ले लिया है। इस गिरफ्तारी के बाद अब विनय सिंह कुल पांच अलग-अलग आपराधिक मामलों में आरोपी बन चुके हैं, जिनमें से केवल शराब घोटाला मामले में ही उन्हें राहत मिली हुई है। जगन्नाथपुर थाने में दर्ज एफआईआर के अनुसार, निलंबित आईएएस अधिकारी विनय प्रताप सिंह चौबे और उनके कथित करीबी व्यवसायी विनय सिंह समेत सात लोगों पर अरगोड़ा निवासी व्यवसायी दीपक कुमार की कंपनी को आपराधिक साजिश के तहत हड़पने और उन्हें झूठे मुकदमों में फंसाकर जेल भिजवाने का गंभीर आरोप है। आरोपियों में विनय सिंह की पत्नी स्निग्धा सिंह, विशाल सिंह, अरविंद वर्मा, राजेश कुमार सिन्हा और राजीव कुमार झा का नाम भी शामिल है।

फर्जीवाड़ा पर अब लगेगी लगाम, पीडीएस दुकानदारों को दी गयी नई 4जी ई-पॉश मशीन

रांची (एजेंसी): रांची शहरी क्षेत्र में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के लाभुकों को और अधिक पारदर्शी, सटीक और तकनीक-आधारित सुविधा देने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री ने मंगलवार को समाहरणालय सभागार में कुल १० राशन डीलरों को नवीनतम ४जी ई-पॉश (इलेक्ट्रॉनिक बिक्री केंद्र) मशीनें प्रदान कीं।

कार्यक्रम में विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी मोनी कुमारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी राम गोपाल पांडेय, जिला जन संपर्क पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारी और संबंधित राशन डीलर मौजूद रहे।

उपायुक्त ने कहा कि प्रशासन का स्पष्ट लक्ष्य है कि अंतिम छोर तक हर लाभुक को पूरी पारदर्शिता के साथ अनाज मिले।

नई ४जी ई-पॉश मशीनों में आधार प्रमाणीकरण, रियल-टाइम ट्रांजेक्शन, डिजिटल स्टॉक मॉनिटरिंग जैसी सुविधाएँ हैं, जिनसे अनाज वितरण प्रक्रिया लगभग फर्जीवाड़ा-मुक्त हो जाएगी। आने वाले समय में शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के सभी डीलरों को भी यह तकनीक उपलब्ध कराई जाएगी।

4जी ई-पॉश मशीनों की प्रमुख खूबियाँ

मशीनें ऑफलाइन मोड में भी काम करने में सक्षम होंगी, जिससे नेटवर्क समस्या होने पर भी वितरण बाधित नहीं होगा।

प्रत्येक मशीन में बायोमेट्रिक (फिंगरप्रिंट) प्रमाणीकरण की सुविधा।

सभी ट्रांजेक्शन का रियल-टाइम डेटा पोर्टल पर अपलोड होगा, जिससे प्रशासन सतत निगरानी कर सकेगा।

उपायुक्त भजन्त्री ने सभी डीलरों से अपील की कि वे इन आधुनिक मशीनों का अनिवार्य रूप से उपयोग करें और लाभुकों को निर्धारित मात्रा में, समय पर और गुणवत्तायुक्त अनाज उपलब्ध कराएं। किसी भी तकनीकी समस्या की स्थिति में तुरंत जिला आपूर्ति कार्यालय से संपर्क करने का निर्देश दिया गया।

धुर्वा थाना का घेराव : अरशद अंसारी हत्याकांड पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

रांची (एजेंसी): अरशद अंसारी हत्याकांड को लेकर मंगलवार को मृतक के परिजन और ग्रामीणों ने धुर्वा थाना परिसर पहुंचकर जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया।

लोगों का आरोप है कि उन्होंने थाना को पहले ही आशंका जताते हुए सूचना दी थी, लेकिन पुलिस ने समय पर कार्रवाई नहीं की।

ग्रामीणों का कहना है कि सिठीयो बस्ती में जमीन माफिया और अपराधियों का लगातार जमावड़ा रहता है, जिसकी शिकायतें पहले भी की जा चुकी हैं।

12 घंटे में तौसीफ गिरफ्तार

सोमवार शाम धुर्वा थाना क्षेत्र के सिठीयो बस्ती में अरशद अंसारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

अरशद घर के बाहर आग ताप रहा था, तभी बाइक से पहुंचे हथियारबंद अपराधियों ने उसके सिर में गोली दाग दी। परिवार और स्थानीय लोग उसे अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पुलिस ने स्पीड में कार्रवाई करते हुए करीब १२ घंटे के भीतर तौसीफ नामक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार, हत्या में शामिल अन्य लोगों की तलाश जारी है।

परिजन ने बताए आरोपियों के नाम

मृतक के भाई मो. जिलानी ने बताया कि अरशद पेंट-पुट्टी का काम करता था और किसी भी जमीन विवाद से उसका कोई संबंध नहीं था।

जिलानी ने आरोप लगाया कि सिठीयो बस्ती के इबरार, संजय कोहड़ा और तौसीफ ने मिलकर अरशद की हत्या की है। ग्रामीणों ने मांग की है कि पुलिस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करे और बस्ती में सक्रिय जमीन माफियाओं पर सख्त कार्रवाई की जाए।

प्रमाण पत्र, पंजी-2 सुधार से लेकर मुआवजा तक, सैकड़ों मामलों का ऑन द स्पॉट निष्पादन

रांची (एजेंसी): रांची उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देश पर २ दिसंबर को जिले के सभी अंचलों में व्यापक जनता दरबार आयोजित किया गया, जिसमें ग्रामीण और शहरी दोनों इलाकों से आए सैकड़ों लोगों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया।

प्रमाण पत्र निर्गमन, पंजी-२ सुधार, राजस्व कार्य, सामाजिक सुरक्षा, आवासीय एवं आय प्रमाण पत्र, केसीसी और मुआवजा से जुड़ी सेवाओं को त्वरित रूप से उपलब्ध कराया गया।

अधिकारियों ने प्रत्येक अंचल में आवेदनों को गंभीरता से सुनते हुए तत्काल कार्रवाई की। जिला प्रशासन ने बताया कि जनता दरबार का मुख्य उद्देश्य लोगों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर से बचाना और सेवाएं सीधे स्थल पर उपलब्ध कराना है।

अंचलवार प्रमुख कार्रवाई

सोनाहातू- जनता दरबार में दिनेश कुमार महतो को आचरण प्रमाण पत्र और मुटुक देवी को पारिवारिक सदस्यता प्रमाण पत्र जारी किया गया।

अनगड़ा- कई लंबित राजस्व मामलों का निपटारा हुआ। चमरू महतो के पंजी-२ सुधार का मामला निष्पादित हुआ। जीतराम भोगता के भूमि-अर्जन संबंधी मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया आगे बढ़ी।

महाबीर भोगता, मोहम्मद जिब्रिल और महताब आलम के पंजी-२ सुधार पूरे हुए। कृष्णा कुमार साहू, सोमरा उरांव और नरसिंह उरांव को लगान रसीदें निर्गत की गईं।

माण्डर- कालीचरण महतो को शुद्धि पत्र और कैम्बो मौजा के बहादुर सिंह को लगान रसीद जारी की गई।

ईटकी- आवासीय, जाति, आय, सदस्यता प्रमाण पत्र, केसीसी, पंजी-२ सुधार, सामाजिक सुरक्षा और आपदा प्रबंधन से जुड़े कुल ७१ मामलों का निष्पादन किया गया।

राहे- आय, जाति, स्थानीयता, पारिवारिक सदस्यता और राजस्व मामलों से जुड़े कुल ८८ आवेदनों का ऑन-दि-स्पॉट निपटारा किया गया।

बेड़ो- राजस्व, प्रमाण पत्र निर्गमन, सामाजिक सुरक्षा और पेंशन से जुड़े कुल १४४ मामलों का त्वरित समाधान किया गया।

जवाबदेही और पारदर्शिता की दिशा में प्रभावी कदम

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि जनता दरबार का उद्देश्य सरकारी सेवाओं को हर व्यक्ति तक तेज और सुगम तरीके से पहुँचाना है। उन्होंने निर्देश दिया कि हर मंगलवार जनता दरबार का नियमित आयोजन सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान हो सके।

पृष्ठ एक का शेषांश

डीए-डीआर को बेसिक---

ने कहा कि अगर मर्जर होता तो पेंशनर्स को बड़ा रिलीफ मिलता। सरकार को इस पर दोबारा सोचना चाहिए। एक्सपर्ट्स का अनुमान है कि बजट २०२५-२६ में आयोग के गठन का ऐलान हो सकता है। फिलहाल, अगला डीए बढ़ोतरी मार्च २०२६ तक तय है।

लोकसभा और राज्यसभा में---

के नारे लगाता रहा। इसके बाद कार्यवाही पहले १२ बजे फिर २ बजे तक स्थगित कर दी गई। उधर, राज्यसभा में भी विपक्ष का प्रदर्शन और नारेबाजी जारी है। इस बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए विरोध-प्रदर्शन जरूरी है। इससे पहले विपक्ष ने सुबह १०:३० बजे संसद परिसर में मकर द्वार के सामने लगातार दूसरे दिन प्रदर्शन किया। इनकी मांग है कि सरकार एसआईआर इस पर फौरन चर्चा करे। लगातार हंगामे के चलते लोकसभा की कार्यवाही ३ दिसंबर सुबह ११ बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। मंगलवार को राज्यसभा में हंगामे के बीच नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा लोग मर रहे हैं, इसके बावजूद एसआईआर की प्रक्रिया तेजी से जारी है। लोकतंत्र की रक्षा के लिए इस पर तुरंत चर्चा होनी चाहिए। खरगे ने कहा कि मैं चाहता हूं कि इस पर अभी चर्चा हो। यह नागरिकों, देश और लोकतंत्र के हित में है। इसके बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि वह इसे लेकर विपक्षी पार्टियों के नेताओं से चर्चा करेंगे, लेकिन इसके लिए विपक्ष समयसीमा तय नहीं कर सकता। रिजिजू ने कहा, संसदीय लोकतंत्र में हमें चर्चा करनी चाहिए। देश में कई अहम मुद्दे हैं, लेकिन आप एक मुद्दे के लिए बाकी को कमतर नहीं आंक सकते। सभी मुद्दे अहम हैं। हम भी चर्चा के लिए तैयार हैं, लेकिन आपको पहले सलाह मशविरा तो करना चाहिए। आप तो समयसीमा तय कर रहे हैं और कह रहे हैं कि सरकार को अभी बताना चाहिए, ये ठीक नहीं है। विपक्ष पर तंज कसते हुए रिजिजू ने कहा, आप चुनाव जीत नहीं पा रहे हैं, लोगों को आप पर विश्वास नहीं है और अपना गुस्सा संसद में निकाल रहे हैं। ये ठीक नहीं है।

सीएए आवेदक एसआईआर---

एनजीओ ने कहा, अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान में प्रताड़ित किए गए इन लोगों को संसद अल्पसंख्यक के रूप में मान्यता दे चुकी है। अब यह सुरक्षा और एकीकरण के हकदार हैं। अधिवक्ता ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष इन लोगों का पक्ष रखते हुए कहा अब ये लोग सामाजिक बहिष्कार और मताधिकार से वंचित होने के खतरे का सामना कर रहे हैं।

रांची में कई नेताओं के---

डिजिटल रिकॉर्ड का परीक्षण किया जा रहा है। जांच एजेंसी अब यह पता लगाने में जुटी है कि विदेशी निवेश के लिए धन किस स्रोत से भेजा गया और क्या इसमें किसी प्रकार का नियम उल्लंघन या जानकारी छिपाने का प्रयास किया गया था। आगे की कार्रवाई बरामद साक्ष्यों के विश्लेषण पर आधारित होगी।

आरोपी को जमानत---

अनुचित ठहराया। यह फैसला अदालतों के लिए एक महत्वपूर्ण दिशानिर्देश है कि वे जमानत देते समय अपराध की विशिष्ट भूमिका, परिस्थितियों, और अन्य प्रासंगिक बातों पर विचार करें, न कि केवल सह-आरोपी को मिली जमानत के आधार पर ही राहत दे दें।

पुतिन के आने से पहले---

मेडिकल ट्रांसिट सुविधा और अलग-अलग सुरक्षा परतें भी तैयार की जा रही हैं। कुल मिलाकर, आने वाले दिनों में दिल्ली एक इसतरह के सिक्योरिटी कवच में ढँकने जा रही है, जैसा दुनिया के सिर्फ कुछ सबसे शक्तिशाली नेताओं के लिए ही देखा जाता है। नई रणनीतिक उलझनों के बीच होने वाले मोदी-पुतिन शिखर सम्मेलन पर इस समय पूरी दुनिया की नजरें लगी हुई हैं। एस -४०० की आगे की तैनातियाँ,एसयू-३०एमकेआई अपग्रेड, लंबी दूरी के ब्रहमोस विकल्प और एसयू-५७ स्टील्थ फाइटर से जुड़े प्रारंभिक विचार-विमर्श पैकेज का हिस्सा हो सकते हैं। इसके अलावा, लॉजिस्टिक समर्थन का पारस्परिक विनिमय (आरईएलएसओ) समझौता दोनों सेनाओं को एक-दूसरे के बेस, पोर्ट और एयरफील्ड के इस्तेमाल की अनुमति देगा। इससे भारत की पहुँच इंडो पैसिफिक तक और रूस की पहुंच भारतीय महासागर तक बढ़ेगी। परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में भी बड़े कदमों की तैयारी है। इसमें वीवीईआर-१२०० रिएक्टरों से लेकर छोटे मॉड्यूलर और संभावित फ्लोटिंग प्लांट तक पर सहमति बन सकती है। सबसे दिलचस्प क्षेत्र वह है जहाँ भविष्य की वैश्विक प्रतिस्पर्धा तय होनी है यानि क्रिटिकल मिनरल्स और रियर अर्थ शामिल है। इससे जुड़े संयुक्त उपक्रम रूस के फार इस्ट में शुरू होने की संभावना है, जिससे इलेक्ट्रिक वाहनों, हाई-एंड इलेक्ट्रॉनिक्स और उन्नत हथियार प्रणालियों की सप्लाई चेन में भारत अधिक आत्मनिर्भर बन सकता है। दोनों देशों के बीच व्यापार अब करीब ६५-६६ अरब डॉलर पर है और २०३० तक १०० अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। रूसी कच्चे तेल पर भारत की निर्भरता ने इस व्यापारिक संबंध को मजबूती दी है, जबकि भारत दवाइयों, इंजीनियरिंग गुड्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ाना चाहता है। दूसरी ओर, पुतिन की यात्रा की कठोर सुरक्षा व्यवस्थाएँ, वैश्विक राजनीति की वर्तमान बेचैनी का भी प्रतीक हैं। पुतिन की सुरक्षा के इंतजामात इस बात का संकेत हैं कि विश्व के सबसे शक्तिशाली नेताओं को आज किस स्तर की असुरक्षा और ख़तरे की चिंता घेरे हुए है।

पीएमओ का नाम---

ने पिछले साल हुई राज्यपालों की कॉन्फ्रेंस में दिए गए सुझाव का जिक्र किया है। जिसमें राजभवन का नाम बदलकर लोकभवन कर दिया जाए क्योंकि राजभवन शब्द से कॉलोनियलिज़्म को दर्शाता है। गृह मंत्रालय के निर्देश में कहा गया है, इसलिए यह गुजारिश की जाती है कि सभी आधिकारिक कामों के लिए राज्यपाल और लेफ्टिनेंट गवर्नर के कार्यालयों का नाम 'लोकभवन' और 'लोक निवास' रखा जाए। गृह मंत्रालय के निर्देशों के बाद राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अपने कार्यालयों से 'राज' शब्द हटाना शुरू कर दिया है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम, उत्तराखंड, ओडिशा, गुजरात और त्रिपुरा ने 'राजभवन' का नाम बदलकर 'लोकभवन' कर दिया है। लद्दाख के राज निवास का नाम बदलकर 'लोक निवास' कर दिया गया है। इस सूची में एक और राज्य जुड़ गया है। राजस्थान ने भी राजभवन का नाम बदलने का एलान कर दिया है। मोदी सरकार भारत में अंग्रेजों की निशानियों को मिटाने पर काम कर रही है। इसने पहले मोदी सरकार ने राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ कर दिया था। सरकारी वेबसाइटें अब पहले हिंदी में कंटेंट दिखाती हैं, हालांकि अंग्रेजी का ऑप्शन भी दिया जाता है। बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी में बैंड अब 'एबाइड विद मी' जैसे इंग्लिश गाने नहीं बजाए जाते हैं।

5 को पंजाब में---

किसानों-मजदूरों के अधिकारों की अनदेखी और अन्य समस्याओं को लेकर यह प्रदर्शन किया जा रहा है। किसान मजदूर मोर्चा के प्रधान सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि अगर सरकार उनकी मांगों पर ध्यान नहीं देती तो आंदोलन और तेज और व्यापक रूप ले सकता है। उनका कहना है कि इस कदम का उद्देश्य किसानों और मजदूरों की आवाज सरकार तक पहुंचाना है।

एसीबी ने सिमडेगा में गृह रक्षक वाहिनी के मुंशी को 5,000 रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा

सिमडेगा (एजेंसी): भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो रांची की टीम ने सिमडेगा में गृह रक्षक वाहिनी कार्यालय के मुंशी श्याम कुमार गुप्ता को ५,००० रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी मुंशी ड्यूटी से संबंधित कमान-पत्र निर्गत करने के बदले रिश्वत की मांग कर रहा था। परिवादी बोनीफास डुगडुग, निवासी सिमडेगा, ने एसीबी रांची में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि मुंशी श्याम कुमार गुप्ता कमान-पत्र जारी करने के लिए ५,००० रुपये की रिश्वत मांग रहा है। परिवादी रिश्वत नहीं देना चाहते थे, इसलिए उन्होंने शिकायत को -एसीबी तक पहुंचाया।

आवेदन मिलने के बाद एसीबी की टीम ने विधिवत सत्यापन किया। जांच में यह पाया गया कि आरोपी द्वारा रिश्वत की मांग वास्तविक है। सत्यापन रिपोर्ट और लिखित आवेदन के आधार पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, रांची थाना कांड संख्या २१/२५, दिनांक ०१.१२.२०२५, धारा ७(ए) भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम २०१८ के तहत मामला दर्ज किया गया। शुक्रवार ०२.१२.२०२५ को -एसीबी टीम ने सिमडेगा स्थित गृह रक्षक वाहिनी कार्यालय में छापेमारी करते हुए मुंशी श्याम कुमार गुप्ता (उम्र ४५ वर्ष, पिता स्व. रामचंद्र प्रसाद गुप्ता, निवासी बोलबा, सिमडेगा) को ५,००० रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। -एसीबी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया जारी है।

सुखदेव नगर थाना प्रभारी और मुंशी निलंबित

रांची (एजेंसी): रांची के सुखदेव नगर थाना क्षेत्र में एक युवक की मौत से जुड़े मामले में पुलिस पर लगे गंभीर आरोपों के बाद कड़ी कार्रवाई की गई है। रांची रेंज के आईजी और एसएसपी द्वारा की गई जांच में थाना प्रभारी अशोक कुमार और मुंशी परशुराम के खिलाफ लगे आरोप सही पाए गए। इसके बाद दोनों अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

परिजनों ने आरोप लगाया था कि थाना प्रभारी और मुंशी ने उनसे रिश्वत मांगी और प्रताड़ित भी किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए उच्च अधिकारियों ने विस्तृत जांच कराई। जांच रिपोर्ट में रिश्वत और उत्पीड़न के आरोपों की पुष्टि हुई, जिसके आधार पर यह कार्रवाई की गई।

झारखंड कांग्रेस ने संगठन को गति देने के लिए सचिवों के बीच जिलों और विभागों का विभाजन किया

रांची (एजेंसी): अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के स्थायी आमंत्रित सदस्य और झारखंड प्रभारी के. राजू ने संगठन को अधिक तेज़ और प्रभावी बनाने के लिए दो सचिव, डॉ. सिरिवेल्ला प्रसाद और भूपेन्द्र मरावी के बीच जिलों और विभागों का नया विभाजन किया है। यह पुनर्गठन सृजन अभियान से लेकर विभिन्न प्रकोष्ठों और मोर्चों को नई गति देने के उद्देश्य से किया गया है। प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने बताया कि दोनों सचिवों के साथ कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की और शहजादा अनवर को भी संयुक्त रूप से जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

डॉ. सिरिवेल्ला प्रसाद और शहजादा अनवर के अधीन 13 जिले

१. संताल परगना के ६ जिले: साहेबगंज, दुमका, पाकुड़, गोड्डा, देवघर, जामताड़ा। २. दक्षिणी छोटानागपुर के ६ जिले: रांची (नगर व ग्रामीण), लोहरदगा, गुमला, खूंटी, सिमडेगा। ३. पलामू संभाग : लातेहार।

आवंटित प्रकोष्ठ, विभाग और मोर्चे:- एससी विभाग, ओबीसी विभाग, अल्पसंख्यक विभाग, महिला कांग्रेस, फिशरमैन कांग्रेस, लॉ, मानव अधिकार और आरटीआई विभाग, एसेट्स/प्रॉपर्टीज, मीडिया और सोशल मीडिया, कांग्रेस कनेक्ट सेंटर।

भूपेन्द्र मरावी और बंधु तिर्की के अधीन 12 जिले

१. उत्तरी छोटानागपुर के ७ जिले: हजारीबाग, गिरिडीह, चतरा, रामगढ़, धनबाद, बोकारो, कोडरमा। २. कोल्हान संभाग के ३ जिले: पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां। ३. पलामू संभाग: पलामू और गढ़वा।

आवंटित प्रकोष्ठ, विभाग और मोर्चे:- आईवाईसी, एनएसयूआई, आदिवासी कांग्रेस, सेवादल, आरजीपीआरएस, किसान कांग्रेस, अनऑर्गनाइज़्ड कांग्रेस, जवाहर बाल मंच।

ज्यादा नारियल तेल लगाने से चेहरे पर बढ़ सकते हैं बाल

चेहरे के दाग-धब्बे मिटाने के लिए महिलाएं कई तरह के नुस्खे इस्तेमाल करती हैं इन्हीं में से एक है नारियल का तेल। नारियल के तेल में पाए जाने वाले गुण और पोषक तत्व त्वचा के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं। चेहरे पर नारियल तेल लगाने से स्किन की कई समस्याएं दूर होती हैं। नारियल के तेल में फैटी एसिड, एंटीबैक्टीरियल गुण, विटामिन-ई, प्रोटीन, आयरन जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। चेहरे पर नियमित नारियल तेल लगाने से त्वचा को कई फायदे होते हैं लेकिन ज्यादा नारियल तेल लगाना भी आपकी त्वचा पर कई समस्याएं खड़ी कर सकता है।

नारियल तेल चेहरे पर लगाने के नुकसान

नारियल तेल में विटामिन-ई, फैटी एसिड और एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। इसका इस्तेमाल आप एक सीरम के तौर पर भी कर सकते हैं परंतु कई लोगों के लिए यह नुकसानदायक भी हो सकता है। इससे उनकी त्वचा में एलर्जी और कई स्किन प्रॉब्लम्स हो सकती हैं।

स्किन पर हो सकते हैं मुहांसे

ज्यादा नारियल तेल चेहरे पर लगाने से त्वचा पर पिंपल्स की समस्या बड़ सकती है। इसके अलावा चेहरे पर ऑयल और गंदगी जमा होने लगती है। जिसके कारण आपके चेहरे पर मुंहासे और पिंपल्स की समस्या बढ़ सकती है।

स्किन हो सकती है ऑयली

चेहरे पर ज्यादा नारिल तेल लगाने से स्किन पर ऑयल भी बढ़ने लगता है जिसके कारण चेहरे पर धूल-मिट्टी जमा होने लगती है। लंबे समय तक चेहरे पर नारियल तेल लगाने से स्किन भी ऑयली होने लगती है।

बढ़ सकते हैं चेहरे पर बाल

इसके अलावा चेहरे पर ज्यादा नारियल तेल लगाने से बाल भी बढ़ सकते हैं। नारियल तेल से उगने वाले बाल हल्के नहीं बल्कि मोटे होते हैं। इसलिए यदि आपके चेहरे पर बाल बढ़ रहे हैं तो नारियल तेल का इस्तेमाल न करें।

चेहरे पर हो सकती है एलर्जी

ज्यादा नारियल तेल लगाने से भी स्किन पर एलर्जी हो सकती है। नारियल तेल की तासीर गर्म होती है और गर्मी के मौसम में स्किन पर नारियल तेल ज्यादा इस्तेमाल करने से स्किन खराब भी होने लगती है।

ब्लैकहेड्स मिनटों में होंगे दूर

खूबसूरती से हर किसी बेहद प्यार होता है। वहीं चेहरे व नाक पर नजर आने वाले ब्लैकहेड्स और व्हाइटहैड्स पूरी पर्सनैलिटी पर विपरीत प्रभाव डाल सकते हैं। इन्हें हटाने के लिए लड़कियां कई उपचार करती है, जिनसे दर्द के साथ खर्चा भी बेहद होता हैं। ऐसे में आप बिना किसी दर्द व खर्च घरेलू चीजों का इस्तेमाल करके ब्लैकहैड्स से छुटकारा पा सकती हैं।

बेकिंग सोडा

बेकिंग सोडा में गुलाबजल व पानी मिलाकर पेस्ट तैयार करें। फिर इस पेस्ट को ब्लैकहैड्स वाली जगह पर अप्लाई करें। थोड़ी देर ऐसे ही रहने दें जब पेस्ट सूख जाए तो इसे वैक्सिंग की तरह हल्के हाथों से खींचते हुए उतारें।

टूथब्रश

खराब टूथब्रश को फैंकने के बजाएं उसे ब्लैकहैड्स निकालने के लिए इस्तेमाल करें। पहले ब्रश पर थोड़ा सा टूथपेस्ट लगाएं और ब्लैकहेड्स वाली जगह पर इसे हल्के से रगड़ें। इससे रोजाना इस्तेमाल करने से आपको ब्लैकहैड्स खुद व खुद निकलते नजर आएगें।

शहद और चीनी

शहद और चीनी को मिलाकर पेस्ट बनाएं। अब इसे ब्लैकहेड्स से प्रभावित जगहों पर लगाएं और कम से कम 2 मिनट तक रगड़ें। रगड़ने के बाद इसें 5 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें और बाद में चेहरा धो लें।

एक्टिवेटेड चारकोल

रात को 2-3 एक्टिवेटेड चारकोल कैप्सूल लेकर अच्छी तरह पीस लें। फिर इसमें 1/4 चम्मच जेलेटिन, 1 विटामिन ई कैप्सूल मिलाकर मास्त तैयार करें। अब इसे पेस्ट को ब्लैकहैड्स से प्रभावित जगह पर लगाएं और सूख जाने के बाद खींचकर निकालें।

सर्दियों में इन 7 कारणों से फटती हैं एड़ियां! घर पर ऐसे करें इलाज जिससे तलवे भी बनेंगे सॉफ्ट

सर्दियों का मौसम शुरू होते ही सबसे आम समस्या है फटी हुई एड़ियां। ठंड, सूखी हवा और कम नमी के कारण पैरों की त्वचा तेजी से ड्राई होने लगती है। अगर समय रहते इसकी देखभाल न की जाए, तो एड़ियों में गहरी दरारें, दर्द, खून आना और इन्फेक्शन तक हो सकता है। जानिए सर्दियों में एड़ियां क्यों फटती हैं और घर पर उन्हें कैसे ठीक किया जा सकता है। इन प्रमुख कारणो की वजह से फटने लगती है एड़ियां।

ड्राई मौसम और कम नमी

सर्दियों के दौरान हवा में नमी बहुत कम होती है, जिससे त्वचा तेजी से नमी खोने लगती है। पैरों में वैसे भी प्राकृतिक तेल कम होते हैं, इसलिए एड़ियों पर इसका असर और ज्यादा दिखाई देता है। त्वचा सूखकर सख्त होने लगती है और कुछ ही दिनों में फटने लगती है।

एड़ियों पर ज्यादा दबाव

ज्यादा वजन होने या लंबे समय तक लगातार खड़े रहने से एड़ियों पर दबाव बढ़ जाता है। इससे एड़ी के नीचे मौजूद फैट पैड फैलकर त्वचा को खींचने लगता है, जिसके कारण त्वचा में दरारें पड़ने लगती हैं और एड़ियां फटने लगती हैं।

बढ़ती उम्र

उम्र बढ़ने पर त्वचा की लचक कम होने लगती है और प्राकृतिक तेलों का उत्पादन भी घट जाता है। इसी वजह से पैरों की त्वचा धीरे-धीरे सख्त, सूखी और रफ हो जाती है, जिससे एड़ियां फटने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

स्किन प्रॉब्लम्स

सोरायसिस, एक्जिमा, फंगल इंफेक्शन, डायबिटीज और थायरॉइड जैसी समस्याओं में त्वचा जल्दी सूखने लगती है और उसकी हीलिंग क्षमता भी कम हो जाती है। ऐसे में पैरों की त्वचा कठोर होकर फटने लगती है और एड़ियों में गहरी दरारें बनने का खतरा बढ़ जाता है।

गलत फुटवियर पहनना

खुले या खराब क्वालिटी वाले जूते-चप्पल पहनने से पैर लगातार ठंडी और सूखी हवा के संपर्क में रहते हैं, जिससे तलवे तेजी से ड्राई होकर फटने लगते हैं। इसके अलावा, गलत फिटिंग वाले फुटवियर घर्षण बढ़ाते हैं, जिस कारण एड़ियों में दरारें और दर्द की समस्या और अधिक बढ़ जाती है।

सर्दियों में पानी कम पीना

सर्दियों में प्यास कम लगने के कारण लोग अक्सर पानी कम पीते हैं, लेकिन इससे शरीर में हाइड्रेशन घट जाता है। नतीजतन त्वचा अंदर से सूखने लगती है और एड़ियां तेजी से फटने लगती हैं।

केमिकल वाले प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल

हार्श साबुन या केमिकल-युक्त लोशन-क्रीम के इस्तेमाल से त्वचा का प्राकृतिक तेल कम हो जाता है। इससे एड़ियां और भी ज्यादा ड्राई होकर तेजी से फटने लगती हैं।

फटी एड़ियों के घरेलू उपचार

गुनगुने पानी में पैरों को भिगोएं
15 मिनट तक भिगोएं
इससे डेड स्किन नरम होती है
स्क्रबर या प्यूमिक स्टोन से हल्के हाथ से रगड़ें

यह तरीका रोज करने से एड़ियां साफ और मुलायम रहती हैं।

मॉइस्चराइजिंग अनिवार्य है

फटी एड़ियों को ठीक करने का सबसे आसान और प्रभावी तरीका है नियमित मॉइस्चराइजिंग। स्नान के तुरंत बाद और रात में सोने से पहले इन चीजों का इस्तेमाल जरूर करें।

नारियल तेल
बादाम तेल
ऑलिव तेल
वैसलीन
गाढ़ी क्रीम

लगाकर 2-3 मिनट मसाज करें। रात में मोजे पहन लें।

केला पेस्ट

पका केला मैश करके एड़ियों पर लगाएं।

15 मिनट बाद धो लें।

स्किन तुरंत सॉफ्ट हो जाती है।

एलोवेरा जेल + नींबू रस

सोने से पहले एलोवेरा जेल में 2-3 बूंद नींबू मिलाकर लगाएं

मोजे पहनकर सोएं

सुबह पैर बेहद मुलायम महसूस होंगे

गुलाब जल और ग्लिसरीन

एक चम्मच गुलाब जल + एक चम्मच ग्लिसरीन

रोज रात में लगाने से फटी एड़ियां भरने लगती हैं।

सही फुटवियर पहनें

सर्दियों में हमेशा
बंद जूते
मुलायम सोल वाले फुटवियर
सही फिटिंग वाले सैंडल
पहनें ताकि पैर ड्राई हवा से बचें।

पानी खूब पिएं

भले ही ठंड हो, दिन में 7-8 गिलास पानी जरूर पिएं।

हाइड्रेशन से स्किन नैचुरली सॉफ्ट रहती है।

कब डॉक्टर को दिखाना चाहिए?

अगर आपकी फटी एड़ियां सामान्य ड्राइनेस से बढ़कर गंभीर रूप लेने लगें, तो डॉक्टर को दिखाना बेहद जरूरी हो जाता है। खासकर तब, जब एड़ियों से खून आने लगे, चलने में दर्द महसूस हो, दरारों में पस या बदबू आने लगे, या फिर लालिमा और सूजन दिखने लगे। ये सभी संकेत इंफेक्शन या गहरी क्रैक का संकेत हो सकते हैं, जिन्हें घरेलू उपाय से ठीक करना मुश्किल होता है। ऐसी स्थिति में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना सबसे सुरक्षित विकल्प है।

रोज खा लिए 2 आंवले तो नहीं होगी कोई बीमारी

मौसमी बीमारियों से बचने के लिए स्वस्थ खान-पान बहुत ही जरूरी होता है। इस दौरान इम्यूनिटी बहुत ही कमजोर हो जाती है। इम्यूनिटी मजबूत करने के लिए आप आंवले का सेवन कर सकते हैं। सर्दियों में इसका सेवन करना बहुत ही फायदेमंद होता है। इसमें कैल्शियम, आयरन, विटामिन-सी जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं यह इम्यूनिटी मजबूत करने के अलावा बालों को भी हैल्दी रखने में मदद करता है। सर्दियों में इसका सेवन करने से आप कई बीमारियों से राहत पा सकते हैं।

शरीर को करे डिटॉक्स

सर्दियों में आंवले के सेवन करके आप बॉडी को डिटॉक्स कर सकते हैं। यह आपके शरीर में से विषैले पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है। नियमित आंवला खाकर आप मौसमी बीमारियों से भी दूर रह सकते हैं। इसके अलावा मौसमी बीमारियों के लिए भी आंवला बहुत ही गुणकारी माना जाता है।

वायरल बीमारियों से करे बचाव

आंवले में विटामिन-सी की प्रचुर मात्रा पाई जाती है। इसका सेवन करके आप वायरल बीमरायों से बच सकते हैं। खासकर सर्दी के मौसम में वायरल बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। आप इन बीमारियों से बचने के लिए आंवले का सेवन कर सकते हैं। इससे आपका मेटाबॉलिज्म स्तर तेज होता है और बैक्टीरियल बीमारियों से लड़ने में भी सहायता मिलती है।

कब्ज करे दूर

आंवले के सेवन करके आप कब्ज जैसी समस्या से राहत पा सकते हैं। खासकर सर्दियों के मौसम में यह समस्या बढ़ सकती है ऐसे में आप आंवले का सेवन करके आप अपना पाचन तंत्र स्वस्थ रख सकते हैं।

इम्यूनिटी करे मजबूत

सर्दियों में मौसमी बीमारियां का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में आप आंवले का सेवन कर सकते हैं। इसमें विटामिन-सी पाया जाता है जो इम्यूनिटी मजबूत करने में मदद करता है। इसके अलावा किसी भी तरह की वायरल बीमारियों से भी आंवला लड़ने में मदद करता है। सर्दी में इसका सेवन करने से आप सर्दी से भी बच सकते हैं।

त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद

आंवला त्वचा और बालों के लिए भी वरदान है। सर्दियों में बाल ड्राई और डैंड्रफ की समस्या होने लगती है। ऐसे में आप आंवले को अपनी रुटीन में शामिल कर सकते हैं। इससे आपके बाल भी मजबूत होंगे और स्किन पर एजिंग की निशानों से भी राहत मिलती है।

सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है सीताफल

भारत में मौसमी फलों का अपना ही मजा है। इन्हीं में से एक है शरीफ़ा, जिसे सीताफल भी कहा जाता है। यह फल पूरे साल नहीं मिलता, बल्कि केवल अक्टूबर और नवंबर में ही बाजार में दिखाई देता है। स्वाद में बेहद मीठा और पोषक तत्वों से भरपूर यह फल सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। शरीफ़ा में विटामिन A, B6, पोटैशियम, कॉपर, मैग्नीशियम, जिंक और कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। यही वजह है कि इसे कैंसर का दुश्मन फल भी कहा जाता है।

कैंसर कोशिकाओं से लड़ने में सहायक

शरीफ़ा में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट्स और फ्लेवोनोइड्स शरीर में हानिकारक कैंसर कोशिकाओं के फैलाव को रोकने में अहम भूमिका निभाते हैं। इसके नियमित सेवन से इम्यूनिटी मजबूत होती है, शरीर में जमा सूजन कम होती है और फ्री रेडिकल्स नष्ट होकर सेल्स को नुकसान से बचाते हैं।

दिल की सेहत का रखता है ध्यान

शरीफ़ा में मौजूद पोटैशियम और मैग्नीशियम ब्लड प्रेशर को संतुलित रखने में मदद करते हैं और दिल पर पड़ने वाले तनाव को कम करते हैं। विशेष रूप से मैग्नीशियम दिल की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है, जिससे हार्ट अटैक और अन्य कार्डिएक समस्याओं का खतरा कम हो जाता है।

वजन बढ़ाने में बेहद मददगार

यदि आपका वजन लंबे समय से नहीं बढ़ रहा है, तो सुबह खाली पेट शहद के साथ शरीफ़ा खाना बेहद लाभकारी माना जाता है। इसमें मौजूद कॉपर और फाइबर पाचन शक्ति को मजबूत बनाते हैं, पोषक तत्वों के अवशोषण को बढ़ाते हैं और कब्ज की समस्या दूर करते हैं। इससे शरीर को पर्याप्त ऊर्जा मिलती है और वजन धीरे-धीरे बढ़ने लगता है।

त्वचा और बालों के लिए वरदान

शरीफ़ा विटामिन ए और कॉपर का बेहतरीन प्राकृतिक स्रोत है, जो त्वचा और बालों दोनों के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। इसके नियमित सेवन से त्वचा अधिक ग्लोइंग और हेल्दी दिखाई देती है, झुर्रियों और उम्र के निशान कम होते हैं, जबकि कॉपर बालों की जड़ों को मजबूत बनाकर उन्हें घना और मजबूत बनने में मदद करता है।

अस्थमा रोगियों के लिए फायदेमंद

सीताफल में पाया जाने वाला विटामिन बी6 ब्रॉन्कियल इंफ्लेमेशन को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इससे अस्थमा के दौरे पड़ने की संभावना घटती है, वायुमार्ग रिलैक्स होते हैं और सांस लेने में आसानी होती है। नियमित सेवन अस्थमा रोगियों के लिए विशेष रूप से लाभदायक माना जाता है।

प्रेग्नेंसी में बेहद उपयोगी

गर्भवती महिलाओं के लिए शरीफ़ा एक अत्यंत लाभकारी मौसमी फल माना जाता है। यह भ्रूण के दिमाग और नर्वस सिस्टम के विकास में अहम भूमिका निभाता है, साथ ही मिसकैरेज के खतरे को कम करने में भी सहायक है। इसके नियमित सेवन से मां की पाचन शक्ति मजबूत होती है और गर्भावस्था के दौरान होने वाली कमजोरी भी दूर होती है।

सीताफल का धार्मिक महत्व: सीताफल को कई जगहों पर पवित्र फल माना जाता है। मंदिरों में इसे प्रसाद के रूप में चढ़ाया जाता है। इसकी तासीर ठंडी होती है और स्वाद इतना मीठा कि चीनी भी इसके सामने फीकी लगती है।

सीताफल का पेड़: लंबे समय तक देने वाला फलदार पौधा

सीताफल का पेड़ लगभग 40-50 साल तक जीवित रह सकता है और घर के आसपास आसानी से लगाया जा सकता है। अक्टूबर-नवंबर में यह फल बड़ी आसानी से बाजार में उपलब्ध हो जाता है। शरीफ़ा सिर्फ एक फल नहीं, बल्कि पोषक तत्वों का खजाना है। कैंसर से लड़ने से लेकर दिल, त्वचा, बाल, वजन और प्रेग्नेंसी तक—यह हर तरह से शरीर को फायदा पहुंचाता है। अगर आप इस सीजन में शरीफ़ा देखकर आगे बढ़ गए, तो समझिए आपने एक प्राकृतिक दवा को खो दिया!

कद्दू के बीज से विटामिन बी 12 की कमी होती है पूरी

डाइटिशियन के अनुसार, कद्दू के बीज इम्यूनिटी को मजबूत बनाने में काफी असरदार हैं। खासतौर पर ये बीज विटामिन बी12 के प्राकृतिक स्रोत माने जाते हैं, जो आज के दौर में लोगों की डाइट से अक्सर गायब होता है। कद्दू के बीजों में जिंक, आयरन, प्रोटीन, ओमेगा-3 फैटी एसिड, विटामिन ए और विटामिन बी12 पाया जाता है।

विटामिन बी12 यानी कोबालामिन एक पानी में घुलनशील विटामिन है, जो शरीर में लाल रक्त कोशिकाएं बनाने, डीएनए संश्लेषण और तंत्रिका तंत्र के सही कार्य में अहम भूमिका निभाता है। इसकी कमी से एनीमिया, नजर का कमजोर होना, पाचन संबंधी गड़बड़ी, अंगों में झुनझुनी और बोलने में परेशानी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में अगर आप सप्लीमेंट्स की जगह घरेलू और प्राकृतिक विकल्प की तलाश कर रहे हैं, तो कद्दू के बीज को अपनी डाइट में शामिल करना बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। कद्दू के बीजों को आप कई तरीकों से अपने भोजन का हिस्सा बना सकते हैं। इन्हें हल्का भूनकर नाश्ते में लिया जा सकता है, जिससे स्वाद भी बेहतर हो जाता है और पोषण भी मिलता है। अगर आप सलाद पसंद करते हैं, तो उसमें थोड़े से कद्दू के बीज डालकर विटामिन बी12 की जरूरत पूरी कर सकते हैं। स्मूदी में मिलाकर इन्हें हेल्दी ड्रिंक के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

वहीं, दही या रायते में मिलाकर इनका सेवन न सिर्फ स्वाद बढ़ाता है बल्कि सेहत को भी फायदा पहुंचाता है। कुल मिलाकर, कद्दू के बीज एक ऐसा सुपरफूड हैं, जिन्हें नियमित रूप से डाइट में शामिल करने से न केवल विटामिन बी 12 की कमी को दूर किया जा सकता है, बल्कि शरीर की संपूर्ण रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूती मिलती है। बता दें कि सेहतमंद जीवन के लिए लोग तरह-तरह के खाद्य पदार्थों को अपनी डाइट में शामिल करते हैं। इन्हीं में से एक है कद्दू के बीज, जो अपने पोषक तत्वों के कारण तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं।

हाई ब्लड प्रेशर की अनदेखी न करें

बदलती जीवन शैली के कारण आजकल हाई ब्लड प्रेशर समस्या आम है, लेकिन इसे हल्के में लेना खतरनाक हो सकता है क्योंकि यह धीरे-धीरे गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं की जड़ बन जाती है।

हाई ब्लड प्रेशर के शुरुआती लक्षण सामान्यत: स्पष्ट नहीं होते, लेकिन समय के साथ यह स्थिति बढ़ती है और दिल और दिमाग से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ा देती है। खासकर जब बीपी बहुत ज्यादा बढ़ जाए तो हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक का खतरा भी कई गुना बढ़ जाता है। हाई ब्लड प्रेशर तब होता है जब दिल को शरीर में ब्लड पंप करने के लिए सामान्य से ज्यादा दबाव लगाना पड़ता है। इस दबाव के कारण रक्त वाहिकाओं की दीवारें कमजोर और क्षतिग्रस्त होने लगती हैं, जिससे गंभीर मामलों में वे फट भी सकती हैं। सामान्य ब्लड प्रेशर की रेंज 120/80 एमएम एचजी होती है, जबकि अगर सिस्टोलिक प्रेशर 130 से 139 के बीच और डायस्टोलिक प्रेशर 80 से 90 के बीच होता है तो इसे हाई ब्लड प्रेशर माना जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार यदि ब्लड प्रेशर 140/90 एमएम एचजी से ऊपर चला जाए तो हार्ट अटैक का खतरा काफी बढ़ जाता है। इस स्थिति में जल्द ही डॉक्टर से सलाह लेना बेहद जरूरी हो जाता है ताकि आगे की गंभीरताओं से बचा जा सके।

हाई ब्लड प्रेशर को साइलेंट किलर भी कहा जाता है क्योंकि इसके कई मामलों में कोई स्पष्ट लक्षण नजर नहीं आते। फिर भी कुछ लोगों को तेज सिरदर्द, चक्कर आना, आंखों का लाल होना, नाक से खून आना, सीने में दर्द और जी मिचलाने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए जो लोग बीपी से परेशान हैं या जो इस बीमारी के जोखिम में हैं, उन्हें नियमित रूप से अपना ब्लड प्रेशर जांचते रहना चाहिए। यदि ब्लड प्रेशर अनियंत्रित रहता है तो यह न केवल हार्ट अटैक बल्कि स्ट्रोक और किडनी जैसी गंभीर बीमारियों का भी कारण बन सकता है।

सिर के एक तरफ दर्द? हो सकती है ये गंभीर समस्या, इन संकेतों को न करें नजरअंदाज

एक तरफ लगातार सिरदर्द को हल्के में न लें; यह माइग्रेन, टेंशन हेडेक या साइनस जैसी समस्याओं का संकेत हो सकता है। यदि सिरदर्द के साथ गर्दन में अकड़न, उल्टी, भ्रम या धुंधली दृष्टि जैसे लक्षण हों, तो तत्काल चिकित्सा सहायता आवश्यक है। बार-बार या अचानक तीव्र सिरदर्द को नजरअंदाज करना गंभीर बीमारी की ओर इशारा कर सकता है।

सिरदर्द होना एक आम बात है और यह किसी वजह से हो सकता है। अगर आपने पूरे दिन खाना नहीं खाया, लंबे समय से किताब पढ़ रहे हैं, मोबाइल पर ज्यादा समय बिता लिया या फिर किसी बात को लेकर चिंता हो जाए, तो सिरदर्द होने लगता है। कई बार तो हम सभी सिरदर्द को गंभीर बिल्कुल नहीं लेते हैं। ऐसे ही एक तरफ सिरदर्द की समस्या कोई सीरियस नहीं लेता है। लोगों को यही लगता है कि एक तरफ सिरदर्द हो रहा है, बाद में ठीक हो जाएगा। क्या आपके मन में सवाल आया कि एक तरफ सिर में दर्द होना किसी बीमारी का संकेत नहीं है। आइए आपको बताते हैं एक तरफ सिरदर्द किसी खतरे की घंटी तो नहीं।

एक तरफ सिरदर्द किसी खतरे की घंटी तो नहीं?

वैसे एक तरफ सिरदर्द होना किसी तरह की गंभीर बीमारी की ओर संकेत नहीं होता है। हालांकि, सिरदर्द के कारणों की बात करें, तो इसमें माइग्रेन, टेंशन हेडेक। इस बात का ध्यान रखना कि कभी-कभी एक तरफ सिरदर्द होना किसी खतरे से कम नहीं है। अगर किसी को लंबे समय से एक तरफ सिरदर्द हो, उन्हें अन्य लक्षणों पर ध्यान देना भी जरुरी है। यदि किसी को एक तरफ सिरदर्द के साथ ही गर्दन में स्टिफनेस, उल्टी और कंफ्यूजन हो और नजर भी धुंधली हो, तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं।

माइग्रेन

एक तरफ सिरदर्द होने के मुख्य कारण माइग्रेन हो सकता है। माइग्रेन का दर्द चुभने वाला महसूस होता है और इस तरह के दर्द की वजह से लाइट की रोशनी में भी दिक्कत होने लगती है।

टेंशन हेडेक

अक्सर इस तरह के दर्द सिर की एक तरफ होता है। इस दर्द में महसूस होता है कि जैसे सिर के एक साइड में तेज दबाव। स्ट्रेस, खराब पोस्चर और थकान की वजह से भी हो सकता है।

साइनस की समस्या

कई बार साइनस की वजह से भी सिर की एक तरफ दर्द बना रहता है। आपको बता दें कि साइन होने पर पूरे पर चेहरे दबाव बनता है, जिस कारण से माथे और आंखों के पीछे भी दर्द का एहसास होता है।

डॉक्टर को कब दिखाएं

दर्द का आना-जाना

यह ध्यान देने वाली बात है कि अगर सिर के एक हिस्से में होने वाला दर्द बार-बार आए और जाए, और उसका तीव्रता भी अधिक हो, तो इसे बिल्कुल भी नजरअंदाज न करें। ऐसी स्थिति किसी गंभीर समस्या का संकेत हो सकती है, इसलिए तुरंत डॉक्टर से परामर्श लेना जरूरी है।

अचानक से दर्द होना

यदि आपके सिर में एक तरफ अचानक से तीव्र दर्द शुरु हो गया है, तो बेहतर होगा है कि आप समय पर प्रोफेशनल से संपर्क करें। अचानक से दर्द होने वाला सामान्य नहीं होता है।

अक्सर दवा लेना

अगर आप अक्सर एक साइड हो रहे सिरदर्द की दवा लेते हैं, तो यह सही संकेत नहीं है। इससे पता चलता है कि आपको फ्रिक्वेंटली इस तरह की दिक्कत होती है।

तले हुए पकौड़े लंबे समय तक क्रिस्पी कैसे रखें, जानें आसान तरीका

जब आप पकौड़े बना रही हैं और उसे लंबे समय तक क्रिस्पी रखना चाहती हैं तो ऐसे में आपको बैटर की कंसिस्टेंसी का खास ख्याल रखना चाहिए। ध्यान दें कि बैटर पतला बिल्कुल ना हो। थोड़ा गाढ़ा बैटर ही परफेक्ट रहता है, क्योंकि पतला बैटर ज्यादा तेल पी जाता है और फिर पकौड़े थोड़ी देर में नरम हो जाते हैं।

ठंड का मौसम दस्तक दे चुका है और ऐसे में गरमा-गरम चीजें खाने की इच्छा बहुत ज्यादा होती है। चाय के साथ अगर पकौड़े मिल जाएं तो फिर क्या ही बात! लेकिन पकौड़े बस तब ही अच्छे लगते हैं, जब उन्हें गरमा-गरम खाया जाए, क्योंकि उस समय वे काफी क्रिस्पी होते हैं। लेकिन कुछ ही वक्त बाद पकौड़े नरम हो जाते हैं और फिर ऐसा लगता है कि सारी मेहनत बेकार हो गई। इतना ही नहीं, नरम पकौड़ों को खाने में वह स्वाद भी नहीं आता है।

हो सकता है कि आप भी क्रिस्पी पकौड़े खाना चाहती हों और कई घंटों बाद भी उनकी क्रिस्पीनेस को बरकरार रखना चाहती हों तो ऐसे में आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आज इस लेख में हम आपको ऐसे कुछ छोटे-छोटे टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप पकौड़ों को तीन से चार घंटे बाद भी उन्हें क्रिस्पी बनाए रख सकती हैं-

बेसन में थोड़ा अरारोट मिला दो

अगर आप पकौड़ों को लंबे समय तक क्रिस्पी बनाए रखना चाहते हैं तो ऐसे में बेसन में अरारोट मिलाना सबसे आसान और पक्का तरीका है। इसके लिए आप एक कप बेसन में 1-2 चम्मच अरारोट मिलाओ। इससे बैटर हल्का बनता है और पकौड़े ज्यादा क्रिस्पी बनते हैं।

बैटर में थोड़ा चावल का आटा डालो

यह भी पकौड़ों को क्रिस्पी बनाने की अच्छी टिप है। इसके लिए आप एक कप बेसन 2 चम्मच चावल का आटा मिक्स करें। अगर अरारोट ना हो तो चावल के आटे का इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे पकौड़े देर तक भी नरम नहीं पड़ते। खासकर प्याज और आलू के पकौड़े बनाते समय चावल का आटा मिक्स किया जा सकता है।

बैटर की कंसिस्टेंसी का रखें ध्यान

जब आप पकौड़े बना रही हैं और उसे लंबे समय तक क्रिस्पी रखना चाहती हैं तो ऐसे में आपको बैटर की कंसिस्टेंसी का खास ख्याल रखना चाहिए। ध्यान दें कि बैटर पतला बिल्कुल ना हो। थोड़ा गाढ़ा बैटर ही परफेक्ट रहता है, क्योंकि पतला बैटर ज्यादा तेल पी जाता है और फिर पकौड़े थोड़ी देर में नरम हो जाते हैं। ध्यान दें कि पकौड़ों का बैटर इतना गाढ़ा हो कि सब्जी पर अच्छी कोटिंग आ जाए।

पकौड़े निकालते ही प्लेट में एक साथ ना रखें

यह एक छोटी सी गलती है, लेकिन इससे आपको काफी फर्क पड़ सकता है। अगर आप गरम-गरम पकौड़े कढ़ाई से निकालकर एक-दूसरे के ऊपर रख देते हैं तो इससे नीचे वाले तुरंत नरम पड़ जाते हैं। इसलिए, जब आप पकौड़े बनाएं तो उसे वायर रैक पर फैला कर रखो या फिर इन्हें अखबार पर भी रखा जा सकता है।

बिना केमिकल घर पर इस तरह बनाएं नेचुरल फूड प्रिजर्वेटिव

नींबू का रस एक नेचुरल प्रिजर्वेटिव है। यह विटामिन सी से भरपूर होता है और यही वजह है कि ये बैक्टीरिया को बढ़ने ही नहीं देता। आप कटे हुए फलों पर हल्का सा नींबू लगाकर ब्राउन होने से बचा सकते हैं। इसके अलावा, अचार, चटनी या डिप्स में डालने से ज्यादा समय तक चलते हैं।

आजकल हम सभी घर का हेल्दी खाना तो खाना चाहते हैं, लेकिन घर का बना खाना भी कभी-कभी जल्दी खराब हो जाता है। अगर आप खाना फ्रिज में रख दो, तब भी 2-3 दिन बाद अजीब सी बदबू आने लगती है। अगर सब्जी हो तो वो खराब हो जाती है, चटनी का रंग बदलकर भूरा पड़ जाता है और कटे हुए फल तो कुछ ही मिनटों में काले होने लगते हैं। ऐसे में खाने की बर्बादी होती है। उस समय ऐसा लगता है कि काश कोई ऐसा सुरक्षित तरीका हो जिससे खाना ज्यादा देर तक ताजा रहे।

इसके लिए अक्सर हम मार्केट में मिलने वाले फूड प्रिजर्वेटिव्स का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन आपको ऐसा करने की जरूरत नहीं है। हमारे घर की रसोई में ही इतने सारे नेचुरल उपाय होते हैं, जो खाने को बिना किसी केमिकल के लंबे समय तक सुरक्षित रख सकते हैं। नींबू, नमक, सिरका, हल्दी, लहसुन, ये रोज की साधारण दिखने वाली चीजें असल में बहुत बेहतरीन नेचुरल प्रिजर्वेटिव्स की तरह काम करते हैं। इन्हें आप अचार, चटनी, सॉस, सलाद, फलों, यहां तक कि पके हुए खाने में भी आसानी से इस्तेमाल कर सकते हो। साथ ही साथ, नेचुरल होने की वजह से ये सभी के लिए सेफ माने जाते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही कुछ नेचुरल प्रिजर्वेटिव्स के बारे में बता रहे हैं-

नींबू का रस

नींबू का रस एक नेचुरल प्रिजर्वेटिव है। यह विटामिन सी से भरपूर होता है और यही वजह है कि ये बैक्टीरिया को बढ़ने ही नहीं देता। आप कटे हुए फलों पर हल्का सा नींबू लगाकर ब्राउन होने से बचा सकते हैं। इसके अलावा, अचार, चटनी या डिप्स में डालने से ज्यादा समय तक चलते हैं।

नमक

नमक सबसे पुराना देसी प्रिजर्वेटिव है, जो नमक नमी खींच लेता है। यह बैक्टीरिया को जड़ से रोक देता है। आप चाहें नींबू का अचार बनाएं या फिर आम, हरी मिर्च का, यह हर तरह के अचार में असली प्रिजर्वेटिव की तरह काम करता है। वहीं, अगर सब्जियों को नमक मिले पानी में रखा जाए तो इससे वे लंबे समय तक सुरक्षित बने रहते हैं। इसके अलावा, घर के बने सॉस में भी इसे इस्तेमाल करें।

चीनी

चीनी भी एक बेहतरीन प्रिजर्वेटिव है जो नमी को कैद कर लेती है, जिससे फफूंदी नहीं पनपती। आप जैम, जेली, मुरब्बे आदि बनाते समय इसका इस्तेमाल करें। साथ ही साथ, फलों के शरबत में भी चीनी का इस्तेमाल करने से शेल्फ लाइफ बढ़ती है।

सिरका

सिरका एक बेहतरीन एंटी-बैक्टीरियल है। यह बहुत खट्टा होता है और बैक्टीरिया को तुरंत खत्म कर देता है। अगर आप इसे अचार में डालते हैं तो यह ज्यादा समय तक चलता है। वहीं, सब्जियां भी सिरके वाले पानी में लंबे समय तक फ्रेश रहती हैं। आप इसे ड्रेसिंग और सॉस में भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

किचन की कैंची फिर से काटें लोहे की तरह, ये 1 मिनट के घरेलू नुस्खे कर देंगे कमाल

क्या आप जानते हैं कि आप घिसी हुई कैंची की धार को गैस फ्लेम की मदद से सही कर सकती हैं। वहीं इसके लिए आपको किसी भी तरह के उपकरण या मेहनत की जरूरत नहीं होगी। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप बिना दुकान के चक्कर और बिना रगड़े कैंची की शर्पनेस को कैसे तेज कर सकती हैं।

रसोई में धनिया, मिर्च, अन्य सब्जियां और पेपर की कटिंग के लिए ज्यादातर लोग कैंची का इस्तेमाल करते हैं। रोजाना इस्तेमाल होने की वजह से कई बार कैंची की धार कम या फिर खत्म हो जाती है। ऐसे में बहुत सारे लोग पुरानी कैंची फेंककर नई कैंची खरीद लेते हैं। फिर नई कैंची में धार तेज कराने के लिए दुकान के चक्कर लगाते हैं या फिर खुद ही घर पर किसी लोहे की चीज से धार रखते हैं। अगर आप भी कैंची में धार लगाने के लिए इसको ब्लेड पर रगड़ते हैं, तो कुछ दिनों बाद ही ब्लेड घिसने लगती है। ऐसे स्थिति में न चाहते हुए भी कैंची को फेंकना पड़ जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आप घिसी हुई कैंची की धार को गैस फ्लेम की मदद से सही कर सकती हैं। वही इसके लिए आपको किसी भी तरह के उपकरण या मेहनत की जरूरत नहीं होगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप बिना दुकान के चक्कर और बिना रगड़े कैंची की शर्पनेस को कैसे तेज कर सकती हैं।

कैंची की धार तेज करने का तरीका

अगर आपके घर में भी इस्तेमाल होने वाली कैंची की धार कम हो गई है, तो आप गैस फ्लेम वाले नुस्खे की सहायता से कैंची की गायब धार को 1 मिनट में फिर से पहले जैसी तेज कर सकती हैं।

जरूरी सामान

एल्युमिनियम फॉयल

गैस

माचिस

कार्डबोर्ड

ऐसे तेज करें कैंची की धार

कैंची की धार तेज करने के लिए सबसे पहले सूती कपड़े की सहायता से अच्छे से साफ कर लें।

अब गैस जलाकर लो फ्लेम करें।

फिर कैंची को ओपन कर ब्लेड को गैस की फ्लेम पर 2-5 मिनट तक अलट-पलट कर गर्म करें।

ध्यान रखें कि कैंची को पकड़ने वाला होल्डर गर्म न हो पाए।

फिर कैंची को लेकर कार्डबोर्ड को काटते हुए 6-7 बार चलाएं।

इस आसान तरीके से आप पाएंगे कि कैंची की धार पहले से काफी बेहतर हो गई है।

दूसरा तरीका

एल्युमिनियम फॉयल की सहायता से आप आसानी से कैंची की धार को तेज कर सकती हैं। एल्युमिनियम फॉयल का एक टुकड़ा लेकर कई परतों में मोड़कर इसकी एक मोटी शीट बना लें। अब इस शीट को कम धार वाली कैंची पर बार-बार रगड़ें या काटें। फॉयल कैंची के ब्लेडों को आपस में रगड़ें, यह उसकी धार को तेज करने में मदद करता है।

संक्षिप्त समाचार

मैक्रों से मुलाकात बाद बदले जेलेंस्की के सुर, बोले- ट्रंप की शांति योजना अब बेहतर दिख रही

वाशिंगटन एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि ट्रंप प्रशासन की शांति योजना में किए जा रहे संशोधनों में प्रगति हो रही है और यह ''अब बेहतर लग रही है। उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात के बाद पेरिस में यह टिप्पणी की, जहां रूस के लगभग चार साल से जारी युद्ध को समाप्त करने पर चर्चा हुई। इसी बीच, रूसी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास क्रेमलिन ने पुष्टि की कि व्लादिमीर पुतिन मंगलवार को अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ से मिलेंगे। विटकॉफ की भूमिका पर तब सवाल उठे थे जब एक खबर आई कि उन्होंने पुतिन के सलाहकार को यह सुझाव दिया था कि शांति योजना पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कैसे मनाया जाए। जेलेंस्की की पेरिस यात्रा उस बैठक के बाद हुई जिसमें अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने यूक्रेन-अमेरिका वार्ताओं को ''लाभप्रद बताया। दोनों पक्ष अमेरिकी मसौदा शांति योजना में सुधार कर रहे हैं। यह योजना अमेरिका एवं रूस ने आपस में बातचीत करके तैयार की है। लेकिन योजना की इस बात को लेकर आलोचना की जा रही है कि उसमें रूसी मांगों पर अधिक ध्यान दिया गया है। क्रेमलिन ने सोमवार देर रात दावा किया कि रूस ने दोनेत्स्क क्षेत्र के प्रमुख शहर पोक्रोव्स्क पर कब्ज़ा कर लिया है, जबकि जेलेंस्की ने कहा कि वहां लड़ाई जारी है। जेलेंस्की ने यूक्रेन के क्षेत्रों पर नियंत्रण को ''सबसे जटिल मुद्दा बताया। फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों ने कहा कि वार्ताएं अभी शुरुआती चरण में हैं, लेकिन यह वार्ता यूक्रेन में शांति और यूरोप में सुरक्षा के भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकती है। ट्रंप ने यूक्रेन और अपने यूरोपीय सहयोगियों की आलोचनाओं के बाद अपनी 28-सूत्रीय योजना को अब केवल एक ''संकल्पना बताया है, जिसे ''और बेहतर बनाया जाएगा। इसकी यह कहकर आलोचना की गयी कि इससे यूक्रेन की सेना सीमित होती, उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) में उसकी सदस्यता रुक जाती और उसे क्षेत्र छोड़ना पड़ता। मैक्रों ने पश्चिमी देशों से यूक्रेन को मजबूत सुरक्षा गारंटी देने की अपील की और कहा कि आने वाले दिनों में अमेरिकी और यूरोपीय अधिकारियों के बीच महत्वपूर्ण वार्ताएं होंगी। इस बीच, रूस ने यूक्रेन पर उसके तेल ढांचे पर हमलों का आरोप लगाया और दावा किया कि उसकी सेना ने 32 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए। वहीं, रूस के मिसाइल हमले में ड्नीप्रो शहर में चार लोग मारे गए और 40 घायल हुए। यूक्रेन ने कहा कि नवंबर में रूस ने हजारों ड्रोन और मिसाइलें दागीं।

व्हाइट हाउस ने अमेरिकी राष्ट्रपति की एमआरआई रिपोर्ट की सार्वजनिक

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सेहत को लेकर पिछले कुछ दिनों से इंटरनेट पर कई तरह की चर्चाएं चल रही थीं। एक वायरल तस्वीर के बाद लोगों ने सवाल उठाया कि क्या ट्रंप बीमार हैं या उम्र का असर उनकी सेहत पर दिखने लगा है। इन अटकलों को देखते हुए व्हाइट हाउस ने उनकी मेडिकल रिपोर्ट सार्वजनिक कर दी है, जिसमें साफ कहा गया है कि राष्ट्रपति ट्रंप पूरी तरह स्वस्थ हैं। कब और क्यों हुआ था एमआरआई स्कैन? व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने जानकारी दी कि अक्टूबर 2025 में ट्रंप का वॉल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर में नियमित वार्षिक हेल्थ चेकअप हुआ था। इसी चेकअप के हिस्से के तौर पर उनका एमआरआई स्कैन भी किया गया। यह स्कैन किसी बीमारी या अचानक दिखे किसी लक्षण की वजह से नहीं, बल्कि रूटीन मेडिकल एक्सामिनेशन के तहत हुआ था। डॉ. बार्बबेला ने साफ लिखा कि राष्ट्रपति ट्रंप बिल्कुल स्वस्थ हैं।

राहत सामग्री के नाम पर पाक ने श्रीलंका भेजा एक्सपायर सामान, डिलीट कर दी पोस्ट

कोलंबो, एजेंसी।
श्रीलंका में चक्रवात दित्वा से उत्पन्न बाढ़ और भूस्खलन की तबाही के बीच पाकिस्तान की मानवीय सहायता एक अंतरराष्ट्रीय विवाद का कारण बन गई है। दरअसल पाकिस्तान ने श्रीलंका को जो राहत सामग्री भेजी उसमें कई आइटम एक्सपायर हो चुके थे। इससे कोलंबो में लोगों का गुस्सा भड़क उठा। श्रीलंका के आपदा प्रबंधन और विदेश मामलों के अधिकारियों ने इसे गंभीर चिंता का विषय बताते हुए पाकिस्तान से औपचारिक स्पष्टीकरण मांगा है। सोशल मीडिया पर इसे सहायता कूटनीति का मजाक करार देते हुए व्यापक आलोचना हो रही है।

चक्रवात दित्वा ने 28 नवंबर को श्रीलंका को बुरी तरह प्रभावित किया था, जिसमें 132 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, 176 लापता हैं और करीब 78,000 लोग विस्थापित हो चुके हैं। बाढ़ और भूस्खलन ने पूरे द्वीप राष्ट्र को हिला दिया है, खासकर कोलंबो के आसपास के इलाकों में ज्यादा नुकसान हुआ है। इस आपदा के बीच पाकिस्तान ने भाईचारे का दावा करते हुए तत्काल सहायता की घोषणा की थी। 29 नवंबर को पाकिस्तानी नौसेना का जहाज कोलंबो बंदरगाह पर पहुंचा, जिसमें कई टन राहत सामग्री लदी हुई थी। इसमें भोजन पैकेट, दवाएं, प्राथमिक चिकित्सा किट, सूखा राशन, तंबू और अन्य आवश्यक वस्तुएं शामिल थीं।

श्रीलंका में पाकिस्तान के दूतावास ने 30 नवंबर को एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- पाकिस्तान से राहत पैकेज सफलतापूर्वक श्रीलंका के बाढ़ प्रभावित भाइयों-बहनों तक पहुंचाए गए। यह हमारी अटूट एकजुटता का प्रतीक है। पाकिस्तान हमेशा श्रीलंका के साथ खड़ा है।

लेकिन जब श्रीलंका के अधिकारियों ने इन सामग्रियों की जांच की, तो कई पैकेटों पर 2024 की एक्सपायरी डेट मिली। मेडिकल सप्लाई और फूड आइटम खराब पाए गए, जिससे आपदा प्रभावितों के लिए ये बेकार साबित हुए। कोलंबो के अधिकारियों के अनुसार, इस सहायता सामग्री में मौजूद कई मेडिकल सप्लाई, खाद्य पैकेट और आवश्यक वस्तुएं पहले ही एक्सपायर हो चुकी थीं। सामग्री की जांच के दौरान अधिकारियों ने गंभीर चिंता व्यक्त की है और मामला तेजी से दोनों देशों के बीच एक असहज राजनयिक स्थिति में बदल गया है। जैसे ही यह खेप कोलंबो पहुंची, अधिकारियों ने निरीक्षण में पाया कि कई कार्टन उपयोग के लायक नहीं थे- कुछ दवाइयां और खाद्य पदार्थ महीनों पहले एक्सपायर हो चुके थे। यह पहला मौका नहीं है जब पाकिस्तान की राहत भेजने की प्रक्रिया सवालों के घेरे में आई हो। 2015 में नेपाल भूकंप के दौरान पाकिस्तान ने बीफ युक्त भोजन पैकेट भेजे थे, जिससे हिंदू बहुल नेपाल में भारी नाराजगी फैली थी और इसे सांस्कृतिक असंवेदनशीलता माना गया था। अब श्रीलंका वाली घटना ने एक बार फिर पाकिस्तान की मंशा और कार्यशैली पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सवाल उठा दिए हैं।

श्रीलंका सख्त, अब सभी विदेशी राहत सामग्री की जांच के नियम होंगे कठोर

श्रीलंकाई अधिकारियों ने कहा है कि इस घटना के बाद सरकार सभी अंतरराष्ट्रीय राहत सामग्री की जांच के मानदंडों को कड़ा करने जा रही है, खासकर उन देशों के लिए जिनका अतीत संदिग्ध रहा है या जिन्होंने पहले भी अनुपयोगी या अनुचित सामग्री भेजी हो। अधिकारियों के अनुसार, ऐसी सामग्री न केवल जन सुरक्षा के लिए खतरा है, बल्कि आपदा के समय देशों के बीच राजनयिक सद्भाव को भी नुकसान पहुंचाती है।

भारत ने श्रीलंका को 53 टन राहत सामग्री पहुंचाई

दूसरी तरफ भारत ने 'ऑपरेशन सागर बंधु' के तहत श्रीलंका को मानवीय सहायता प्रदान करने के अपने प्रयास तेज करते हुए 28 नवंबर से हवाई एवं समुद्री मार्ग के जरिए 53 टन राहत सामग्री पहुंचाई है और द्वीपीय देश में फंसे हुए 2,000 से अधिक भारतीयों को स्वदेश लाया गया है।टीम श्रीलंका के गंभीर रूप से प्रभावित विभिन्न क्षेत्रों में खोज एवं बचाव अभियान जारी रखे हुए हैं, बाढ़ प्रभावित परिवारों की सहायता कर रही हैं और उनकी तत्काल सुरक्षा सुनिश्चित कर रही हैं। इन संयुक्त अभियानों में 150 से अधिक लोगों को बचाया गया है और सहायता प्रदान की गई है।' बयान में कहा गया है कि श्रीलंका में भारी तबाही मचाने वाले चक्रवात 'दित्वा' के मद्देनजर भारत ने 28 नवंबर को 'ऑपरेशन सागर बंधु' शुरू किया था ताकि हमारे निकटतम समुद्री पड़ोसी देश को खोज एवं बचाव तथा मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) सहायता तत्काल प्रदान की जा सके।

पुतिन की भारत यात्रा से पहले सबसे बड़ी डील की तैयारी

मास्को एजेंसी। रूस की संसद का निचला सदन भारत के साथ एक महत्वपूर्ण रक्षा समझौते को मंजूरी देने के लिए मंगलवार को मतदान करेगा। भारत-रूस पारस्परिक रसद आदान-प्रदान (आरईएलओएस) पर मतदान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा से पहले होगा।

पुतिन की यह यात्रा गुरुवार से शुरू होगी। संसदीय सूत्रों के अनुसार, रूसी संसद का निचला सदन ड्यूमा में मंगलवार को इस पर मतदान होगा। आरईएलओएस समझौते का उद्देश्य संयुक्त सैन्य अभ्यास, आपदा राहत और अन्य कार्यों के लिए समन्वय को सुगम बनाना है।

दोनों विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारों के बीच सैन्य सहयोग बढ़ाने के लिए भारतीय राजदूत विनय कुमार और तत्कालीन उप रक्षा मंत्री अलेक्जेंडर फोमिन द्वारा 18 फरवरी, 2025 को मास्को में प्रमुख रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे।

रूसी राष्ट्रपति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ वार्षिक शिखर वार्ता के लिए भारत की दो दिवसीय यात्रा करने वाले हैं। इस वार्ता से व्यापार और रक्षा क्षेत्रों समेत कई महत्वपूर्ण परिणाम आने की उम्मीद है, जिससे द्विपक्षीय रणनीतिक संबंध और मजबूत होंगे। एएनआइ के अनुसार, गुरुग्राम में एक इंटरव्यू में रूस में भारत के राजदूत रहे अजय मल्होत्रा ने कहा कि रूसी नेता का दौरा भारत की स्वतंत्र विदेश नीति का संकेत है। यह दौरा दोनों देशों की लंबे समय से आ रही गहरी और प्रगाढ़ साझेदारी की पुष्टि करता है।

15 साल में तिगुने हुए मामले; बच्चों पर तेजी से बढ़ता खतरा

पाकिस्तान में महामारी बन रही एचआईवी

इस्लामाबाद , एजेंसी।
पाकिस्तान में ह्यूमन इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस का संक्रमण अब महामारी का रूप ले चुका है। पिछले 15 सालों में पाकिस्तान में एचआईवी के मामलों में 200 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी हुई है। यानी पाकिस्तान में मामले तीन गुना हो गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, साल 2010 में जहां कुल मामले 16000 थे, वहीं 2024 तक यह संख्या बढ़कर 48000 हो गई। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, पाकिस्तान पूर्वी भूमध्यसागरीय क्षेत्र में एचआईवी की सबसे तेजी से फैलने वाली महामारी का सामना कर रहा है। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, यह जानकारी विश्व एड्स दिवस के मौके पर डब्ल्यूएचओ द्वारा आयोजित जागरूकता वॉक में साझा की गई। सबसे चिंताजनक बात यह है कि पहले एचआईवी मुख्य रूप से उच्च जोखिम वाले समूहों (जैसे नशीले पदार्थों का इंजेक्शन लेने वाले) तक सीमित था, लेकिन अब यह बच्चों, जीवनसाथियों और सामान्य आबादी तक तेजी से फैल रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, अनुमान है कि पाकिस्तान में वास्तव में करीब 3.5 लाख लोग एचआईवी से संक्रमित हैं, लेकिन इनमें से लगभग

80त्न लोग अपनी स्थिति से पूरी तरह अनजान हैं। बच्चों पर इसका असर विशेष रूप से भयावह है। 0-14 साल के बच्चों में नए एचआईवी मामले 2010 में 530 थे, जो 2023 तक बढ़कर 1800 हो गए। पिछले दशक में एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी लेने वाले मरीजों की संख्या में 8 गुना इजाफा हुआ है। 2013 में 6500 से बढ़कर 2024 में 55500 हो गई। इसी तरह एआरटी केंद्रों की संख्या 2010 में 13 से बढ़कर 2025 में 95 हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में केवल 21 फीसदी संक्रमितों को अपनी बीमारी का पता था। हैरान करने वाली बात ये है कि इनमें से सिर्फ 16त्न इलाज ही कर रहे थे, और मात्र 7 प्रतिशत ने वायरल लोड को दबा पाया था। रिपोर्ट में बताया गया है कि साल 2024 में एआइडीएस से 1100 से अधिक लोगों की मौतें हुईं है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार कई मामलों में 80 प्रतिशत से अधिक मामले बच्चों के थे। सबसे दुखद बात यह है कि 0-14 साल के एचआईवी पॉजिटिव बच्चों में से केवल 38 प्रतिशत को ही इलाज मिल पा रहा है।

कंडोम और गर्भनिरोधकों पर देना होगा भारी-भरकम टैक्स, जन्म दर बढ़ाने के लिए चीन की नई तरकीब

बीजिंग, एजेंसी। चीन में गिरता जन्म दर सरकार के लिए बड़ी सिरदर्दी बनी हुई है। कई तरह के उपायों के बाद चीन ने हाल ही में जन्म दर बढ़ाने के लिए एक नई तरकीब निकली है। अब चीन कंडोम और इस तरह के दूसरे गर्भनिरोधक प्रोडक्ट्स पर भारी भरकम टैक्स लगाएगा। नया बदलाव जनवरी से लागू होगा। गौरतलब है कि पिछले 3 साल से देश की आबादी लगातार घट रही है। 2024 में सिर्फ 9.54 लाख बच्चों का जन्म हुआ, जबकि दस साल पहले यह संख्या 18.8 लाख थी।

जानकारी के मुताबिक नए वैल्यू एडेड टैक्स कानून के तहत चीन में अब कंडोम समेत सभी गर्भनिरोधक उपकरणों और दवाओं पर 13 फीसदी टैक्स देना पड़ेगा। इससे पहले 1993 से अब तक इन प्रोडक्ट्स पर कोई वीएटी नहीं लगता था। तब चीन में सख्त वन-चाइल्ड पॉलिसी लागू थी और सरकार ही परिवार नियोजन को बढ़ावा देती थी।

दूसरी तरफ, नए टैक्स नियम में माता-पिता बनने वालों को कई राहतें भी दी गई हैं। अब चाइल्ड केयर सर्विस, डे-केयर, प्री-स्कूल, एल्डर केयर, डिसेबिलिटी सर्विस और मैरेज सर्विस पर टैक्स नहीं लगेगा। चीन इससे पहले इस तरह की कई नीतियां लागू कर चुका है। मां बाप को कैश देने से लेकर चाइल्ड केयर और उनके लिए लंबी छुट्टियों की भी घोषणा की गई है। यहां तक कि सरकार ने उन अबॉर्शन को कम करने की गाइडलाइन भी जारी की है जो डॉक्टर की नजर में जरूरी नहीं हैं। यह इसीलिए अहम है कि क्योंकि चीन के वन-चाइल्ड सिस्टम के दौर में जबरन अबॉर्शन और नसबंदी काफी आम थी।

हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि वीएटी हटाना सिर्फ एक प्रतीकात्मक कदम है। इससे जन्म दर पर खास असर नहीं पड़ेगा। यह सिर्फ समाज में बच्चे पैदा करने को लेकर माहौल बदलने की कोशिश है। विशेषज्ञों के मुताबिक सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि चीन दुनिया में बच्चों को पालने के लिए सबसे महंगे देशों में गिना जाता है। बीजिंग स्थित यूवा पॉपुलेशन रिसर्च इंस्टीट्यूट की 2024 की रिपोर्ट के मुताबिक एक बच्चे को 18 साल तक पालने में करीब 5.38 लाख युआन करीब 76 हजार डॉलर) खर्च होता है। वहीं युवा कमजोर अर्थव्यवस्था और अस्थिर नौकरी को देखते हुए परिवार शुरू करने से बच रहे हैं। कई युवा अपनी नौकरी और भविष्य पर निवेश करना ज्यादा जरूरी मान रहे हैं।

ब्रिटेन की एमपी को भी बांग्लादेशी कोर्ट ने सुना दी सजा

ढाका , एजेंसी।
बांग्लादेश की अदालत ने शेख हसीना और उनके परिवार के कुछ लोगों को एक बार फिर भ्रष्टाचार के मामले में दोषी ठहराते हुए सजा सुना दी है। इस मामले में शेख हसीना को पांच साल कैद की सजा और उनकी बहन रेहाना को सात साल और भांजी ट्यूलिप सिद्दीकी को दो साल कैद की सजा सुनाई गई है। ट्यूलिप सिद्दीक ब्रिटेन की सांसद हैं। इन्हीं आरोपों के चलते ट्यूलिप को 2024 में मंत्रिपद से इस्तीफा देना पड़ गया था। बता दें कि ट्यूलिप सिद्दीकी की पार्टी की ही ब्रिटेन में सरकार है। ऐसे में उनपर बांग्लादेशी कोर्ट की ओर से आरोप तय करने और सजा सुनाए जाने को लेकर हड़कंप मच गया है। ट्यूलिप का कहना है कि बांग्लादेश केवल बदले की कार्रवाई कर रहा है। ट्यूलिप को लेकर ब्रिटेन के वकीलों ने बांग्लादेश की सरकार को पत्र भी लिखा था और कहा था कि जिस तरह से बेबुनियाद तरीके से ट्यूलिप के खिलाफ केस चलाया जा रहा है, वह गलत है। सिद्दिक (43) ने इस वर्ष की शुरुआत में ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर के मंत्रिमंडल में वित्त मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था, क्योंकि उनके परिवार के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप दुनियाभर में सुर्खियों में थे। बांग्लादेश के भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (एसीसी) द्वारा उनके और उनके परिवार के खिलाफ ढाका में मुकदमा चलाया जा रहा था।

पहाड़ों का देश खतरे में, फिर भूकंप के झटकों से दहला 'नेचर हॉटस्पॉट'

ताजिकिस्तान, एजेंसी। 'नेचर हॉटस्पॉट' देश ताजिकिस्तान में रिक्टर स्केल पर 3.9 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के अनुसार यह भूकंप 75 किलोमीटर की गहराई पर आया। एनसीएस ने एक्स पर पोस्ट कर बताया 2 दिसंबर 2025, 04 :35 :14 आइएसटी, तीव्रता 3.9, स्थान : ताजिकिस्तान। इससे पहले 26 नवंबर को भी 4.2 तीव्रता का भूकंप 90 किलोमीटर गहराई में दर्ज किया गया था। ताजिकिस्तान का ज्यादातर हिस्सा पर्वतीय होने के कारण यह देश लगातार प्राकृतिक आपदाओं भूकंप, बाढ़, सूखा, हिमस्खलन, भूस्खलन और मडस्लाइड्स की चपेट में रहता है। वर्ल्ड बैंक रिपोर्ट के अनुसार, जलवायु परिवर्तन ने ताजिकिस्तान की कमजोरियों को और बढ़ा दिया है, क्योंकि 2050 तक देश की 30त्न ग्लेशियर बर्फ पिघलने की आशंका जताई गई है। ग्लेशियरों पर निर्भर नदी घाटियां, हाइड्रोपावर, सिंचाई तंत्र और पहाड़ी पारिस्थितिकी तंत्र सबसे ज्यादा जोखिम में हैं। इसके अलावा भूस्खलन, मलबा बहाव और अचानक आई बाढ़ कई बार सड़कों और पुलों को नष्ट कर देश को दुनिया से और अलग-थलग कर देती हैं। देश का 60त्न से अधिक हिस्सा उच्च भूकंपीय जोखिम वाले क्षेत्र में आता है। ग्रामीण और पहाड़ी इलाकों का पुराना बुनियादी ढांचा लगातार प्राकृतिक आपदाओं से कमजोर हो रहा है। निर्माण में स्थानीय जानकारी, जलवायु परिवर्तन डेटा और खतरों का आकलन शामिल करना बेहद ज़रूरी है।

बांग्लादेश में तेजी से पनप रहा अंडरवर्ल्ड माफिया

ढाका, एजेंसी।
बांग्लादेश में चुनाव सिर पर हैं, लेकिन इससे पहले देश के भीतर आपराधिक गिरोहों का उदय और हथियारों की खुलेआम तस्करी गंभीर सुरक्षा चुनौती बन गई है। 2024 के व्यापक हिंसक उथल-पुथल के दौरान सुरक्षा बल जब भीड़ नियंत्रण में व्यस्त थे, तब एक वृहद आपराधिक नेटवर्क चुपचाप खड़ा हो गया।

ढाका के कई थानों और पुलिस चौकियों पर हमले हुए, जहां से अपराधी एसएमजी, एलएमजी, पिस्टल, शाटगन और चीनी राइफलों जैसी बड़ी मात्रा में हथियार लूटकर जेनेवा कैंप और पल्लबी बिहारी कैंप में ले गए। ये दोनों स्थान अब ढाका के अंडरवर्ल्ड के प्रमुख ठिकाने बन गए हैं।

लूट, ड्रग नेटवर्क और किशोर गिरोहों का कब्जाखुफिया रिपोर्टों के अनुसार, इन गिरोहों के सदस्य ड्रग तस्करी, फिरौती, वसूली और संगठित अपराध में सक्रिय हैं। कई किशोर गिरोह भी बड़े पैमाने पर मादक पदार्थों के सौदों और उगाही में शामिल पाए गए हैं।अधिकारियों का कहना है कि अपराधी गिरोह ढाका के अत्यधिक घनी आबादी वाले बिहारी कैंपों में बिना किसी रोक-टोक के सक्रिय हैं।

चुनावों की तैयारियों में जुटी सुरक्षा एजेंसियों पर पहले ही दबाव है, जिसके कारण इन गिरोहों पर अंकुश लगाना मुश्किल हो रहा है।भारतीय एजेंसियों का आकलन है कि इन गिरोहों की बढ़ती ताकत भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी जोखिम पैदा करती है।गुप्त बम किचन बने नई चितासबसे चिंताजनक पहलू यह है कि जेनेवा कैंप के सेक्टर 4 और 7 में गिरोहों ने स्थायी बम निर्माण इकाइयां खड़ी कर ली हैं।

बड़े ढांचे बनाकर इन्हें सीक्रेट किचन नाम दिया गया है, जहां विस्फोटक उपकरण तैयार किए जा रहे हैं।भारतीय अधिकारियों का कहना है कि ये गिरोह किसी वैचारिक संगठन से नहीं जुड़े हैं, अतः पैसे के लिए बड़े पैमाने पर बम बनाने को तैयार हो सकते हैं।

ऐसी स्थिति में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ इनके नेटवर्क का आसानी से इस्तेमाल कर सकती है।चुनाव से पहले बढ़ा जोखिमबांग्लादेश पुलिस गिरोहों पर कार्रवाई करने की कोशिश कर रही है, लेकिन राजनीतिक संरक्षण और कमजोर सुरक्षा व्यवस्था के कारण अधिक सफलता नहीं मिल पा रही। फरवरी में होने वाले चुनावों से पहले आशंका है कि कई राजनेता सुरक्षा या क्षेत्रीय दबदबे के लिए इन गिरोहों का उपयोग कर सकते हैं। हथियारों के विशाल भंडार और मजबूत नेटवर्क को देखते हुए विशेषज्ञ मानते हैं कि इन गिरोहों को चुनाव बाधित करने के लिए भड़काया जा सकता है।

भारत के लिए एक स्थिर और शांतिपूर्ण बांग्लादेश अत्यंत महत्वपूर्ण है। नई दिल्ली ढाका के साथ संबंधों को नए सिरे से मजबूत करना चाहती है, जिसके लिए सुरक्षित और निष्पक्ष चुनाव आवश्यक हैं। लेकिन मौजूदा हालात चुनाव प्रक्रिया में अवरोध और क्षेत्रीय सुरक्षा पर बड़ा प्रभाव डाल सकते हैं।

भारत-साउथ अफ्रीका सीरीज का

दूसरा मैच आज

रायपुर(एजेंसी)। भारतीय टीम बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरा वनडे खेलने उतरेगा, जहां सीरीज जीतने का दारोमदार विराट कोहली के शानदार फॉर्म और रोहित शर्मा की दमदार मौजूदगी पर रहेगा। रांची में पहले वनडे में कोहली के 52वें शतक और रोहित की 57 रन की आक्रामक पारी ने भारत को 17 रन से जीत दिलाई थी।

कोहली-रोहित विश्व कप 2027 के लिए मजबूत दावेदार

वनडे विश्व कप 2027 में अभी दो साल का समय है और ऐसे में हर मैच कोहली और रोहित के लिए अपनी फिटनेस और फॉर्म साबित करने का मौका बन गया है। मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ बढ़ते मतभेदों की चर्चाएं भी टीम वातावरण पर सवाल उठा रही हैं। माना जा रहा है कि इस मामले में बीसीसीआई को दखल देना पड़ सकता है। पिछले दो वनडे मैचों के प्रदर्शन ने दोनों दिग्गजों को दक्षिण अफ्रीका में होने वाले आगामी विश्व कप के लिए मजबूत दावेदार बना दिया है। रोहित के शीर्ष प्रदर्शन की बदौलत भारत ने अक्टूबर में सिडनी वनडे में ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से हराया था। चयन समिति के प्रमुख अजित अगरकर और गंभीर ने विश्व कप में दोनों की भागीदारी पर कुछ नहीं कहा है, जो तनाव का कारण माना जा रहा है।

दक्षिण अफ्रीका की वापसी और टीम की मजबूती

दक्षिण अफ्रीका ने 11 रन पर तीन विकेट गंवाने के बाद शानदार वापसी की। मार्को यानसेन ने 26 गेंद में अर्धशतक और 39 गेंद में 70 रन बनाए। मैथ्यू ब्रीट्ज़के ने भारत के खिलाफ पदार्पण वनडे में 72 रन जोड़े। पहला वनडे कप्तान तेम्बा बावुमा और स्पिनर केशव महाराज के बिना खेला गया था, जिन्हें आराम दिया गया था। अब दोनों की वापसी से टीम और मजबूत होगी। शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में आखिरी वनडे जनवरी 2023 में खेला गया था, जहां शमी और सिराज की धारदार गेंदबाजी से न्यूजीलैंड 108 रन पर आउट हो गया था। भारत ने यह मैच 30 ओवर बाकी रहते 8 विकेट से जीता था। दिसंबर 2023 में भी भारत ने यहां ऑस्ट्रेलिया को टी20 में 20 रन से हराया था।

दोनों टीमें

- **भारत-** केएल राहुल (कप्तान), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ऋषभ पंत, वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, रुतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल
- **दक्षिण अफ्रीका-** तेम्बा बावुमा (कप्तान), एडेन मारक्रम, डेवाल्ड ब्रेविस, नांद्रे बर्गर, क्विंटन डी कॉक, मार्को यानसेन, टोनी डि जॉर्जी, रुबिन हरमन, ओटनील बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, रयान रिकेलटन, प्रेनेलन सुब्रायन।

मध्य क्रम में प्रयोग, टीम की नई चिंताएं

पहला मैच जीतने के बावजूद भारत की समस्याएं बरकरार हैं। लिस्ट-ए क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद भी रुतुराज गायकवाड़ चौथे नंबर पर सहज नहीं दिखे। कार्यवाहक कप्तान केएल राहुल छठे नंबर पर उतरे। वाशिंगटन सुंदर को बदलती बल्लेबाजी पोज़िशन्स की आदत हो चुकी है — कोलकाता टेस्ट में तीसरे नंबर पर खेलने के बाद उन्हें पहले वनडे में पांचवें नंबर पर भेजा गया, लेकिन वह बड़ी पारी नहीं खेल सके। गेंदबाजी में भी उन्होंने सिर्फ तीन ओवर फेंके और 18 रन दिए। हर्षित राणा ने नई गेंद से दो विकेट लिए, लेकिन बाद में काफी रन लुटाए। नई आईसीसी गेंदबाजी नियमों (34वें ओवर के बाद सिर्फ एक ही गेंद का उपयोग) के बीच उन्हें अपनी लाइन-लेंथ पर नियंत्रण मजबूत करना होगा। कुलदीप यादव ने 68 रन देकर चार विकेट लिए। भले ही वह महंगे साबित हुए, लेकिन उनकी विविधता ने दक्षिण अफ्रीका की वापसी को लगातार रोके रखा।

विवादों के बीच सिलेक्टर ने कोहली-गंभीर से अलग-अलग बात की

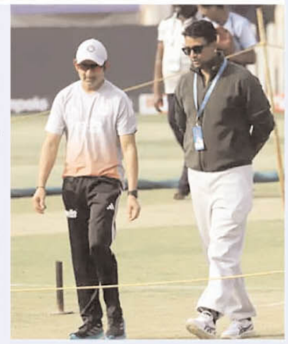

रायपुर (एजेंसी)। सिलेक्टर प्रज्ञान ओझा का विराट कोहली और कोच गौतम गंभीर से अलग-अलग बात करने का वीडियो वायरल हो रहा है। रांची एयरपोर्ट के इस वीडियो में ओझा पहले विराट के पास बैठकर उनकी बात ध्यान से सुनते हैं और फिर कुछ देर बाद दूसरी तरफ बैठे गंभीर के पास जाकर वही बात बताते दिखते हैं।

यह वीडियो ऐसे समय में सामने आया है, जब खबरें हैं कि टीम मैनेजमेंट और सीनियर खिलाड़ियों के बीच बातचीत कम हो गई है। खासकर गंभीर, अजीत अगरकर और विराट-रोहित के बीच। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसी मुद्दे पर चर्चा करने के लिए बीसीसीआई अधिकारी रायपुर में मीटिंग करते दिखे।

वीडियो में गंभीर से दूरी पर भी चर्चा

वायरल वीडियो में जहां विराट कोहली और प्रज्ञान ओझा साथ बैठे बातचीत करते दिखते हैं, वहीं दूसरी ओर गौतम गंभीर काफी दूरी पर अकेले बैठे नजर आते हैं। इसी वजह से सोशल मीडिया पर यह सवाल उठने लगा है कि क्या कोहली और गंभीर के बीच दूरी बनी हुई है।

इससे पहले ओझा की रोहित शर्मा से भी मुलाकात हुई थी, जहां दोनों ने हाथ मिलाया और मुस्कराकर बातें कीं। ओझा और रोहित मुंबई इंडियंस में साथ खेल चुके हैं और पुराने साथी रहे हैं।

- **सीनियर खिलाड़ियों को डोमेस्टिक क्रिकेट खेलने का सुझाव** - चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर चाहते हैं कि विराट कोहली और रोहित शर्मा अगले महीने शुरू होने वाली विजय हजारे ट्रॉफी 2025 में हिस्सा लें। माना जा रहा है कि ओझा और विराट की बातचीत इसी मुद्दे से जुड़ी हो सकती है, क्योंकि टीम मैनेजमेंट सीनियर खिलाड़ियों की उपलब्धता, फिटनेस और ग्रुप के माहौल को फिर से संतुलित करना चाहता है।
- **रांची वनडे में विराट ने शतक लगाया था** - रांची में 30 नवंबर को खेले गए पहले वनडे में भारत ने साउथ अफ्रीका को 17 रनों से हराया था। इस मैच में विराट कोहली ने वनडे करियर का 52वां शतक जमाते हुए 135 रन बनाए, जबकि रोहित शर्मा ने लगातार तीसरा 50+ स्कोर दर्ज करते हुए 57 रन जोड़े। दोनों फिलहाल केवल वनडे क्रिकेट ही खेल रहे हैं। टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद कोहली और रोहित ने टी-20 से संन्यास ले लिया था और 2025 में वे टेस्ट क्रिकेट से भी अलग होने का फैसला कर चुके हैं।

एमएमएटी 2025

अर्जुन तेंदुलकर का कमाल, ऑलराउंड प्रदर्शन से टीम को दिलाई जीत

गोवा (एजेंसी)। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में गोवा की ओर से खेल रहे अर्जुन तेंदुलकर ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए मध्य प्रदेश के खिलाफ टीम को 7 विकेट से जीत दिलाई। अर्जुन, जिन्हें आईपीएल 2026 से पहले मुंबई इंडियंस ने ट्रेड करके लखनऊ सुपर जायंट्स को दिया है, अपने प्रदर्शन से लगातार प्रभावित कर रहे हैं।

गेंद और बल्ले दोनों से चमके अर्जुन - मध्य प्रदेश, जिसकी कप्तानी आईपीएल 2025 विजेता टीम आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार कर रहे थे, के खिलाफ अर्जुन ने 4 ओवर में 36 रन देकर 3 महत्वपूर्ण विकेट झटके। उन्होंने अंकुश सिंह, शिवांग कुमार और वेंकटेश अय्यर को आउट किया। सबसे बड़ी बात-अर्जुन ने गोवा के लिए ओपनिंग भी की और 10 गेंद में 16 रन बनाए, जिसमें तीन चौके शामिल थे। उनके प्रदर्शन से गोवा ने 9 गेंद शेष रहते मैच अपने नाम किया।

एशेज 2025

ब्रिस्बेन टेस्ट के लिए इंग्लैंड ने प्लेइंग 11 की घोषणा की, चोटिल मार्क वुड की जगह इसे मिला मौका

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। इंग्लैंड ने एशेज सीरीज के दूसरे टेस्ट के लिए अपनी प्लेइंग 11 का खुलासा कर दिया है और चोटिल मार्क वुड की जगह विल जैक्स को पिंक-बॉल गेम के लिए बुलाया है। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने पिंक-बॉल टेस्ट के लिए अपनी लाइनअप की घोषणा करते हुए कहा, इंग्लैंड ने पर्थ में पहले एशेज टेस्ट से अपनी प्लेइंग 11 में एक बदलाव किया है, जिसमें स्पिनिंग ऑलराउंडर विल जैक्स को चोटिल मार्क वुड की जगह शामिल किया गया है।

वुड सर्जरी के बाद नौ महीने तक बाहर रहे थे और पिछले हफ्ते पर्थ में हुई करारी हार के बाद टेस्ट क्रिकेट में लौटे थे। उन्होंने सिर्फ 11 ओवर फेंके, इससे पहले कि इंग्लैंड 2 दिन में हार गया, यह नतीजा एशेज मैच में पहले कभी नहीं देखा गया था। वुड जो बाएं घुटने की तकलीफ के कारण बाहर हो गए थे, ने तीन साल की गैरमौजूदगी के बाद जैक्स की टेस्ट मैदान में वापसी का रास्ता बनाया।

जैक्स की वजह से इंग्लैंड को बैटिंग में और गहराई मिली है, जिनकी ऑफ-स्पिन एक यूटिलिटी ऑप्शन है, न कि पूरी तरह से स्पिन की तरफ शिफ्ट होने की, ऐसी जगह पर जहां लाइट्स में स्पिन के लिए जाना आम बात है। जैक्स ने अब तक दो टेस्ट खेले हैं, दोनों ही 2022 में टीम के पाकिस्तान दौरे के दौरान थे। उन्होंने इस फॉर्मेट में 89 रन के साथ 6 विकेट लिए हैं। उन्होंने 2022 में पाकिस्तान के खिलाफ डेब्यू मैच में पहली बार पांच विकेट लिए थे।

आईपीएल 2026 मिनी ऑक्शन- 1355 प्लेयर्स रजिस्टर्ड

2 करोड़ बेस प्राइस पर 45 नाम, 77 स्लॉट खाली, ग्रीन पर केकेआर और सीएसके की नजर

मुंबई (एजेंसी)। अगले आईपीएल के लिए 1355 प्लेयर्स ने रजिस्ट्रेशन कराया है। 2 करोड़ की बेस प्राइस कैटेगरी में ऑस्ट्रेलिया के कैमरन ग्रीन, इंग्लैंड के लियम लिविंगस्टन, भारत के रवि बिश्नोई और वेंकटेश अय्यर, श्रीलंका के मथीश पथिराना और वनिंदु हसरंगा समेत कुल 45 खिलाड़ी शामिल हैं। रजिस्ट्रेशन की आखिरी तारीख 30 नवंबर थी। मिनी ऑक्शन 16 दिसंबर को अबू धाबी में होगा। रजिस्ट्रेशन पूरा होने के बाद आईपीएल ने यह लंबी लिस्ट सभी फ्रेंचाइजियों को भेज दी है। हर टीम में अधिकतम 25 खिलाड़ी रखे जा सकते हैं। ऐसे में इस बार ऑक्शन में कुल 77 स्लॉट भरे जाएंगे, जिनमें 31 विदेशी स्लॉट भी शामिल हैं।

ग्रीन पर रहेगी नजर

ऑक्शन में सबसे बड़ी नजर ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन पर रहेगी। वे पिछले साल बैक इंजरी की वजह से मेगा ऑक्शन में नहीं उतरे थे। इस बार केकेआर और सीएसके दोनों उनके लिए बोली लगा सकते हैं। इन दोनों टीमों के पास सबसे बड़ा पर्स है और एक-एक विदेशी स्लॉट भी खाली है। केकेआर को ग्रीन का मजबूत दावेदार माना जा रहा है, क्योंकि वेस्टइंडीज के आंद्रे रसेल के आईपीएल से रिटायर होने के बाद टीम को एक ऐसे ऑलराउंडर की जरूरत है जो हर स्थिति में बल्लेबाजी कर सके और गेंदबाजी भी दे सके।

रिलीज हुए कई बड़े नाम 2 करोड़ की कैटेगरी में

कई खिलाड़ी जिन्हें हाल ही में टीमों ने रिलीज किया था, उन्होंने भी खुद को 2 करोड़ की बेस प्राइस में रखा है। इनमें सीएसके के पथिराना भी हैं, जिन्हें चेन्नई ने पिछले साल 13 करोड़ में रिटेन किया था, लेकिन चोट की वजह से वे पूरा असर नहीं दिखा पाए। इसी तरह इंग्लैंड के लियम लिविंगस्टन को आरसीबी ने पिछले मेगा ऑक्शन में 8.75 करोड़ में लिया था, लेकिन एक सीजन बाद ही रिलीज कर दिया।

भारतीय खिलाड़ियों में वेंकटेश अय्यर और रवि बिश्नोई भी 2 करोड़ की कैटेगरी में हैं। रूल ने बिश्नोई को पिछले साल 11 करोड़ में रिटेन किया था, लेकिन लगातार कमजोर प्रदर्शन की वजह से अब उन्हें रिलीज कर दिया गया।

ग्लेन मैक्सवेल शामिल नहीं

2 करोड़ की लंबी लिस्ट में ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल का नाम नहीं है। उन्हें पिछले साल पंजाब किंग्स ने 4.2 करोड़ में खरीदा था, लेकिन 37 साल के मैक्सवेल इस सीजन से पहले ही उंगली की चोट की वजह से बाहर हो गए। उनकी जगह पीबीकेएस ने मिचेल ओवेन को टीम में रखा, जिन्हें इस साल रिटेन कर लिया गया है।

जोश इंग्लिस की उपलब्धता सिर्फ 25 प्रतिशत

पीबीकेएस के विकेटकीपर जोश इंग्लिस का नाम भी ऑक्शन में है। उन्होंने टीम को फाइनल तक पहुंचाने में अहम रोल निभाया था, लेकिन वे निजी कारणों से पूरे 2026 सीजन के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। आईपीएल ने फ्रेंचाइजियों को बताया है कि इंग्लिस की उपलब्धता सिर्फ 25 प्रतिशत रहेगी।

वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास

छोटी उम्र में सबसे ज्यादा टी-20 शतक लगाने वाले खिलाड़ी बने

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी20 क्रिकेट में युवा प्रतिभाओं का दमखम अक्सर बड़े खिलाड़ियों को भी पीछे छोड़ देता है और वैभव सूर्यवंशी इसका सबसे बड़ा उदाहरण बनकर उभरे हैं। 18 साल की उम्र से पहले तीन टी20 शतक जड़कर उन्होंने दुनिया को बता दिया कि क्रिकेट का भविष्य किस दिशा में जा रहा है। वैभव ने बिहार के लिए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में महाराष्ट्र के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने 58 गेंद में करियर का तीसरा टी20 शतक पूरा किया। वह 61 गेंद में सात छक्कों और 7 चौकों की मदद से 108 रन बनाकर नाबाद रहे। उनके पीछे दक्षिण अफ्रीका के गुस्ताव मार्कॉन और भारत के आयुष म्हात्रे जैसे खिलाड़ी भी हैं, लेकिन सूर्यवंशी का रिकॉर्ड अद्वितीय है।

कम उम्र में कमाल का प्रदर्शन - टी20 क्रिकेट में धमाकेदार बल्लेबाजी के लिए पहचाने जाने वाले वैभव सूर्यवंशी ने 18 साल की उम्र पूरी करने से पहले 16 पारियों में 3 शतक जड़कर एक ऐतिहासिक मुकाम हासिल किया है। यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि इतनी छोटी उम्र में बल्लेबाजों को अक्सर अनुभव और परिस्थितियों से जूझना पड़ता है, लेकिन वैभव ने हर चुनौती को अवसर में बदलते हुए शानदार निरंतरता दिखाई। उनके शतक सिर्फ आंकड़े नहीं, बल्कि उनकी तकनीक, ताकत और मानसिक दृढ़ता का प्रमाण हैं। टी20 लीगों में मिल रहे निरंतर अवसरों का उन्होंने बेहतरीन उपयोग किया है, जिससे वह उभरते क्रिकेटर्स के लिए प्रेरणा बन चुके हैं।

18 साल की उम्र से पहले सबसे ज़्यादा टी-20 शतक

3* - वैभव सूर्यवंशी (16 इनिंग्स)
2 - गुस्ताव मार्कॉन (5 इनिंग्स)
2 - आयुष म्हात्रे (11 इनिंग्स)

दक्षिण अफ्रीका के गुस्ताव मार्कॉन- पांच इनिंग्स में दो शतक का अनोखा कारनामा - दक्षिण अफ्रीका के गुस्ताव मार्कॉन भी इस सूची में दूसरे स्थान पर मौजूद हैं। सिर्फ 5 पारियों में दो ञ20 शतक जड़ना किसी भी बल्लेबाज के लिए बड़ी उपलब्धि है। मार्कॉन की स्ट्राइक रेट, शॉट सेलेक्शन और उनकी आक्रामक बल्लेबाजी उन्हें बेहद खतरनाक खिलाड़ी बनाती है। हालांकि उनका सैम्पल साइज छोटा है, लेकिन जिस तरह उन्होंने कम पारियों में बड़ी पारियां खेली हैं, वह दर्शाता है कि वह भविष्य में कई बड़े रिकॉर्ड चुनौती दे सकते हैं।

आयुष म्हात्रे- स्थिर प्रदर्शन और क्लासिक बल्लेबाजी - भारतीय क्रिकेट के एक और युवा चेहरे आयुष म्हात्रे ने 11 इनिंग्स में 2 टी-20 शतक लगाकर अपनी खास पहचान बनाई है। वैभव सूर्यवंशी की तरह वह भी घरेलू और जूनियर लीग में लगातार प्रभाव छोड़ रहे हैं।

ये हैं वनडे इतिहास के एक मैच में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले टॉप-10 गेंदबाज

नईदिल्ली (एजेंसी)। वनडे क्रिकेट में गेंदबाजों के लिए एक पारी में 5 या उससे ज्यादा विकेट लेना बड़ी उपलब्धि माना जाता है, लेकिन कुछ गेंदबाज ऐसे भी रहे हैं जिन्होंने पूरे मैच का रुख अकेले बदल दिया। यहां हम उन टॉप परफॉर्मेंस की बात कर रहे हैं, जहां गेंदबाजों ने एक पारी में 7 या उससे ज्यादा विकेट लेकर इतिहास रच दिया।

वनडे मैच में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले टॉप 10 गेंदबाज

1. चामिंडा वास (श्रीलंका) - विकेट- 8, विपक्षी टीम- जिम्बाब्वे, ओवर- 8, मेडन- 3, विकेट- 8, फिगर- 8/19
2. शाहिद अफरीदी (पाकिस्तान) - विकेट- 7, विपक्षी टीम- वेस्टइंडीज, ओवर- 9, मेडन- 3, विकेट- 7, फिगर- 7/12
3. ग्लेन मैक्ग्रा (ऑस्ट्रेलिया) - विकेट- 7, विपक्षी टीम- नामीबिया, ओवर- 7, मेडन- 4, विकेट- 7, फिगर-7/15
4. रशीद खान (अफगानिस्तान) - विकेट- 7, विपक्षी टीम- वेस्टइंडीज, ओवर- 8.4, मेडन- 1, विकेट- 7, फिगर- 7/18
5. वनिन्दु हसरंगा (श्रीलंका) - विकेट- 7, विपक्षी टीम-जिम्बाब्वे, ओवर- 5.5, मेडन- 1, विकेट- 7, फिगर- 7/19
6. एंडी बिकेल (ऑस्ट्रेलिया) - विकेट- 7, विपक्षी टीम- इंग्लैंड, ओवर- 10, मेडन- 0, विकेट- 7, फिगर- 7/20
7. क्रिस कस्सेल (स्कॉटलैंड) - विकेट- 7, विपक्षी टीम- ओमान, ओवर- 5.4, मेडन- 1, विकेट- 7, फिगर- 7/21
8. मुथैया मुरलीधरन (श्रीलंका) - विकेट- 7, विपक्षी टीम- भारत, ओवर- 10, मेडन- 1, विकेट- 7, फिगर- 7/30
9. अली खान (यूएसए) - विकेट- 7, विपक्षी टीम- जर्सी, ओवर- 9.4, मेडन- 0, विकेट- 7, फिगर- 7/32
10. टिम साउदी (न्यूज़ीलैंड) - विकेट- 7, विपक्षी टीम- इंग्लैंड, ओवर-9, मेडन- 0, विकेट- 7, फिगर- 7/33

पहले स्थान पर श्रीलंका के महान गेंदबाज चामिंडा वास का नाम आता है, जिन्होंने 2001 में जिम्बाब्वे के खिलाफ सिर्फ 19 रन देकर 8 विकेट चटकाए थे। यह अब तक वनडे इतिहास का सबसे बेहतरीन बॉलिंग फिगर है। दूसरे नंबर पर पाकिस्तान के हरफनमौला खिलाड़ी शाहिद अफरीदी हैं, 7 विकेट के साथ, फिर ग्लेन मैक्ग्रा इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं। अफगानिस्तान के रशीद खान और श्रीलंका के वनिन्दु हसरंगा भी 7-7 विकेट लेकर इस एलीट लिस्ट मे शामिल हैं। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के एंडी बिकेल, श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन, स्कॉटलैंड के क्रिस कस्सेल, अमेरिका के अली खान, और न्यूजीलैंड के टिम साउदी भी उन गेंदबाजों में शामिल हैं जिन्होंने एक पारी में 7 विकेट लेकर विपक्षी टीम की कमर तोड़ दी, जिसने मैच का पासा पलट दिया।